



भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

आरबीआई/विवि/2025-26/167

विवि.एसीसी.आरईसी.सं.86/21.04.018/2025-26

28 नवंबर 2025

भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) निदेश,
2025 (1 जुलाई 2026 तक अद्यतन)

विषय सूची

अध्याय I-प्रारंभिक	3
ए. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ	3
बी. प्रयोज्यता	3
अध्याय II-तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता	4
ए. तुलन पत्र और लाभ और हानि खाते का प्रारूप	4
बी. संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश	4
सी. कुछ लेखांकन मानकों के संबंध में विशिष्ट मुद्दों पर मार्गदर्शन	37
अध्याय III-वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण - लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	52
ए. सामान्य	52
बी. प्रस्तुतीकरण	52
सी. प्रकटीकरण आवश्यकताएं	52
अध्याय IV - समेकित वित्तीय विवरण	103
अध्याय V-अन्य अनुदेश	105
ए. अंतर-शाखा खाता - निवल डेबिट शेष के लिए प्रावधान	105



बी.नोस्ट्रो खाते का मिलान और शेष प्रविष्टियों का उपाय.....	105
सी. आरक्षित निधियों से अंतरण/विनियोजन.....	106
डी. धोखाधड़ी के लिए प्रावधान	107
ई. असमाधानकृत शेष	108
एफ. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित राशि(रिज़र्व) पर आस्थगित कर देयता (डीटीएल).....	108
जी. विंडो ड्रेसिंग	108
अध्याय VI- निरसन और अन्य प्रावधान.....	109
ए. निरसन और व्यावृत्ति	109
बी. अन्य कानूनों के लागू होने पर रोक नहीं	109
सी. व्याख्याएँ.....	110
अनुबंध I	111
अनुबंध II	123



बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक को सक्षम करने वाले अन्य सभी प्रावधानों/कानूनों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात से संतुष्ट है कि ऐसा करना आवश्यक और समीचीन, एतद्वारा, इसके बाद विनिर्दिष्ट निदेश जारी करता है।

अध्याय I-प्रारंभिक

ए. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. इन निदेशों को भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) निदेश, 2025 कहा जाएगा।
2. ये निदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

बी. प्रयोज्यता

3. यह निदेश वाणिज्यिक बैंकों (जिसे इसके बाद सामूहिक रूप से 'बैंकों' और व्यक्तिगत रूप से 'बैंक' के रूप में संदर्भित किया जाएगा) पर लागू होंगे।

इन निदेशों के प्रयोजन के लिए, 'वाणिज्यिक बैंक' का अर्थ है बैंककारी कंपनियां (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और स्थानीय क्षेत्र के बैंकों के अलावा), तत्स्थानीय नए बैंक, और भारतीय स्टेट बैंक, जैसा कि बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 5 के खंड (सी), (डीए), और (एनसी) के तहत परिभाषित किया गया है।



अध्याय II-तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता

ए. तुलन पत्र और लाभ और हानि खाते का प्रारूप

4. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के प्रावधानों के अनुसार, किसी बैंक द्वारा संचालित सभी कारोबारों के संबंध में वर्ष या अवधि के अंतिम कार्य दिवस की स्थिति के अनुसार(जैसी भी स्थिति हो), बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रारूपों में तुलन पत्र और लाभ व हानि लेखा तैयार किया जाएगा। बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने 26 मार्च 1992 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 240(ई) द्वारा, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई है, तीसरी अनुसूची में प्रारूप विनिर्दिष्ट किए हैं। इन्हें इन निदेशों के [अनुबंध I](#) में पुनः प्रस्तुत किया गया है।

बी. संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश

5. बैंक को तुलन पत्र और लाभ व हानि लेखे के संकलन हेतु नीचे उप-अनुच्छेद (1) में विनिर्दिष्ट सामान्य अनुदेशों का पालन करना होगा। बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2021 के तहत अधिसूचित लेखा मानकों का, समय-समय पर यथासंशोधित, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निदेश/दिशा-निर्देश के अधीन रहते हुए, कड़ाई से अनुपालन करें।

(1) तुलन पत्र के संकलन हेतु अनुदेश

मद	सं	कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
पूंजी	1	राष्ट्रीयकृत बैंकों के लिए पूंजी (केंद्र सरकार के पूर्ण स्वामित्व में)	विश्व बैंक की परियोजनाओं में भाग लेने के लिए सरकार से योगदान सहित तुलन पत्र की तारीख को केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली पूंजी, यदि कोई हो, दिखाई जाएगी।
		भारत के बाहर निगमित बैंकों के लिए पूंजी	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित स्टार्ट-अप पूंजी के माध्यम से बैंक द्वारा लाई गई राशि को इस शीर्षक के तहत दिखाया जाना चाहिए।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी गई जमा राशि, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 11 की उप-धारा 2 के तहत भी दिखाई जानी चाहिए। बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 11(2)(बी)(i) के तहत रखी गई राशि और क्रेडिट जोखिम शमन (सीआरएम) के रूप में निर्धारित की गई राशि को तुलन पत्र की अनुसूची 1 में नोट के माध्यम से निमंलिखित रूप में प्रकट किया जाएगा: ¹ [बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 11(2) के तहत जमा के तौर पर रखी गई राशि में से ₹... (पिछले साल: ₹....) की राशि को हेड ऑफिस (हेड ऑफिस की विदेशी शाखाओं सहित) के प्रति एक्सपोज़र की भरपाई के लिए क्रेडिट रिस्क मिटिगेशन (सीआरएम) के तौर पर अलग रखा गया है और इसे (1) विनियामक पूंजी और अन्य कानूनी ज़रूरतों (यदि कोई हों) के लिए नहीं गिना जाता है।¹]
			अन्य बैंक (भारतीय)	अधिकृत, निर्गमित किया गया, अभिदान किया

¹ 1 जनवरी 2026 के भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) संशोधन निदेश, 2026 के तहत 1 अप्रैल 2026 से संशोधित।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			प्राधिकृत पूंजी (___ शेयर, हर एक ₹ ___ का) निर्गमित पूंजी (___ शेयर, हर एक ₹ ___ का) अभिदत्त पूंजी (___ शेयर, हर एक ₹ ___ का) कॉल-अप पूंजी (___ शेयर, हर एक ₹ ___ का) घटाएं: अदत्त मांग जोड़ें: समप्रहत शेयर भुगतान की गई पूंजी	गया, मांगी गई पूंजी को पृथक रूप से दर्शाया जाएगा। - बकाया मांगों को मांगी गई पूंजी में से घटाया जाएगा जबकि ज़ब्त शेयरों के भुगतान किए गए मूल्य को जोड़ा जाएगा जिससे प्रदत्त पूंजी प्राप्त होगी। जहां आवश्यक हो, उन वस्तुओं को एक शीर्षक के तहत दिखाया जाएगा जिन्हें जोड़ा जा सकता है, उदाहरण के लिए 'निर्गमित और अभिदत्त पूंजी'। <i>टिप्पणियाँ:</i> 1. वर्ष के दौरान उपरोक्त मदों में परिवर्तन, यदि कोई हो, जैसे कि सरकार द्वारा किया गया नया योगदान, पूंजी का नया निर्गमन, आरक्षित पूंजी का पूंजीकरण आदि, को टिप्पणियों में समझाया जाएगा। 2. टियर 1 विनियामक पूंजी के हिस्से के रूप में शामिल स्थायी गैर-संचयी अधिमानी शेयर (पीएनसीपीएस) को यहां शामिल किया जाएगा।
आरक्षित निधि और अधिशेष	2	(i)	सांविधिक आरक्षितिया	बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 17(1), 11(2)(बी)(ii) (इस मास्टर निदेश के पैराग्राफ अनुच्छेद 13 के साथ पठित) या किसी अन्य धारा के अनुपालन में, लाभों से सृजित रिज़र्व को पृथक रूप से प्रकट किया जाएगा।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(II)	पूंजी आरक्षितिया	'पूंजी आरक्षितिया' अभिव्यक्ति में लाभ और हानि खाते के माध्यम से वितरण के लिए मुक्त मानी जाने वाली कोई भी राशि शामिल नहीं होगी। पुनर्मूल्यांकन पर अधिशेष को पूंजी आरक्षित निधि माना जाएगा। विदेशी शाखाओं के वित्तीय विवरणों के अनुवाद पर अधिशेष (जिसमें निश्चित आस्ति भी शामिल है) पुनर्मूल्यांकन आरक्षित नहीं है।
		(III)	शेयर प्रीमियम	शेयर पूंजी के निर्गम पर प्रीमियम को इस शीर्ष के अंतर्गत अलग से दिखाया जाएगा।
		(IV)	राजस्व और अन्य आरक्षितिया	⁴ अभिव्यक्ति 'पूंजी आरक्षितिया' का अर्थ कैपिटल रिज़र्व के अलावा कोई भी अन्य रिज़र्व होगा। इस मद में अलग से वर्गीकृत किए गए आरक्षित के अलावा अन्य सभी आरक्षित शामिल होंगे। 'आरक्षित' अभिव्यक्ति में मूल्य में मूल्यहास, नवीनीकरण या कमी के लिए प्रावधान करके रखी गई कोई राशि या किसी ज्ञात देयता के लिए प्रावधान करके रखी गई कोई राशि

⁴ 18 मई, 2026 से प्रभावी रूप से प्रतिस्थापित; भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) छठा संशोधन निर्देश, 2026 दिनांक 18 मई, 2026 के तहत।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				शामिल नहीं होगी।
		(V)	लाभ और हानि खाते का अधिशेष	इसमें सभी विनियोजनों के बाद का लाभ शेष शामिल है। हानि की स्थिति में, शेष राशि को कटौती के रूप में दर्शाया जाएगा। टिप्पणी: आरक्षित निधि की विभिन्न श्रेणियों में होने वाले परिवर्तनों को अनुसूची में दर्शाए गए अनुसार प्रस्तुत किया जाएगा। जमाराशियां
जमाराशियां	3	ए.।)	मांग निक्षेप	
		(i)	बैंकों से	इसमें मांग पर चुकाई जाने वाली सभी बैंक निक्षेप शामिल हैं।
		(ii)	अन्य से	इसमें गैर-बैंक क्षेत्रों की सभी मांग निक्षेप शामिल हैं। ओवरड्राफ्ट, नकद ऋण खातों, मांग पर देय निक्षेप, अतिदेय निक्षेप, निष्क्रिय चालू खाते, परिपक्व समय निक्षेप, नकद प्रमाण पत्र और निक्षेप प्रमाण पत्र आदि में क्रेडिट शेष राशि को इस श्रेणी के तहत शामिल किया जाएगा।
		(II)	बचत बैंक निक्षेप	सभी बचत बैंक निक्षेप (निष्क्रिय बचत बैंक खातों सहित) शामिल हैं
		(III)	कालिक निक्षेप	



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(i)	बैंकों से	इसमें एक विनिर्दिष्ट अवधि के बाद चुकाई जाने वाली सभी प्रकार की बैंक निक्षेप शामिल हैं।
		(ii)	अन्य से	इसमें एक विनिर्दिष्ट अवधि के बाद चुकाए जाने वाले गैर-बैंक क्षेत्र की सभी प्रकार की जमा राशि शामिल है। सावधि जमा, संचयी और आवर्ती जमा, नकद प्रमाणपत्र, जमा प्रमाणपत्र, वार्षिकी जमा, विभिन्न योजनाओं के तहत जुटाए गए जमा, साधारण कर्मचारी जमा, विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा खाते आदि को इस श्रेणी के तहत शामिल किया जाएगा।
		बी.		निम्नलिखित दो मदों का कुल योग, तुलन- पत्र में दर्शाई गई कुल जमा से मेल खाना चाहिए।
		(i)	भारत में शाखाओं के निक्षेप	<u>नोट:</u>
		(ii)	भारत से बाहर शाखाओं के निक्षेप	1. जमा पर देय ब्याज, जो अर्जित हो चुका है लेकिन देय नहीं हुआ है, को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा बल्कि 'अन्य देयताओं' के अंतर्गत दर्शाया जाएगा। 2. परिपक्व सावधि जमा राशि को मांग जमा माना जाएगा। 3. विशेष योजनाओं के तहत जमा राशि को



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				सावधि जमा के तहत शामिल किया जाएगा यदि वे मांग पर देय नहीं हैं। जब ऐसी जमा राशि भुगतान के लिए परिपक्व हो जाती है, तो उन्हें मांग जमा के तहत दिखाया जाएगा। 4. बैंक से जमा में भारत में बैंकिंग प्रणाली, सहकारी बैंकों, विदेशी बैंकों से जमा शामिल होंगे, जिनकी भारत में उपस्थिति हो भी सकती है और नहीं भी। 5. बैंक इस अनुसूची के फुट नोट के माध्यम से, कुल जमा में से जिस राशि के लिए ग्रहणाधिकार चिह्नित किया गया है, उसका प्रकटीकरण करेगा। (वर्तमान और विगत वर्ष के लिए)
उधार	4	(I)	भारत में उधार	
		(i)	भारतीय रिज़र्व बैंक	इसमें रेपो, अन्य उधार या भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त पुनर्वित्त शामिल है।
		(ii)	अन्य बैंक	इसमें बैंक (सहकारी बैंकों सहित) से प्राप्त रेपो, अन्य उधार या पुनर्वित्त और रेपो खाते में शेष शामिल हैं।
		(iii)	अन्य संस्थान व अभिकरण	इसमें भारतीय निर्यात-आयात बैंक, नाबार्ड और अन्य संस्थानों, एजेंसियों (भागीदारी के विरुद्ध देयता सहित प्रमाणपत्र-बिना जोखिम



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				साझाकरण, यदि कोई हो) और रेपो खाते मेंशेष राशि से प्राप्त उधार/पुनर्वित्त शामिल है।
		(II)	भारत के बाहर उधार	इसमें भारत के बाहर की शाखाओं के उधार के साथ-साथ विदेशी शाखाओं के उधार भी शामिल हैं।
			उपर I और II में सम्मिलित प्रतिभूत उधार	यह मद अलग से दिखाया जाएगा। इसमें भारत और भारत के बाहर प्रतिभूत उधार/पुनर्वित्त शामिल है।
				<u>नोट:</u> 1. I और II का कुल योग तुलन पत्र में दिखाए गए कुल उधार के बराबर होना चाहिए। 2. अंतर-कार्यालय लेनदेन उधार के रूप में नहीं दिखाए जाएंगे। 3. जमा प्रमाणपत्रों, नोटों और बांड आदि के माध्यम से विदेशी शाखाओं द्वारा जुटाई गई धनराशि को दस्तावेज़ीकरण के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा, जैसे 'जमा', 'उधार', आदि। 4. भारतीय रिज़र्व बैंक और विभिन्न संस्थानों से बैंक द्वारा प्राप्त पुनर्वित्त को 'उधार' शीर्षक के तहत दिखाया जाएगा। तदनुसार, अग्रिम राशि को आस्ति पक्ष पर सकल राशि पर दिखाया



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				जाएगा। 5. निम्नलिखित को यहां शामिल किया जाएगा: ए) स्थायी ऋण लिखत बी) टियर 2 पूंजी लिखत सी) परपेचुअल क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर (पीसीपीएस) डी) रिडीमेबल नॉन-क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर (आरएनसीपीए) ई) रिडीमेबल क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर (आरसीपीएस) एफ) अधीनस्थ ऋण।
अन्य देयताएं और प्रावधान	5	(I)	सदेय बिल	इसमें ड्राफ्ट, तार स्थानांतरण, यात्री चेक, डाक अंतरण देय, वेतन पर्चियां, बैंकर्स चेक और अन्य विविध मदें शामिल हैं।
		(II)	अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	अंतर-कार्यालय समायोजन शेष, यदि क्रेडिट में है, तो इस शीर्ष के तहत दिखाया जाएगा। बैंक को पहले अंतर-शाखा खाते में 5 वर्ष से अधिक समय से शेष क्रेडिट प्रविष्टियों को अलग करना चाहिए और उन्हें एक अलग अवरुद्ध खाते में स्थानांतरित करना चाहिए जिसे 'अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य' के तहत दिखाया जाना चाहिए। यहाँ, या अनुसूची 11, जैसा भी मामला



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				हो, में शामिल करने के लिए अंतर-शाखा लेनदेन की निवल राशि पर पहुँचते समय, अवरुद्ध खाते की कुल राशि को बाहर रखा जाना चाहिए और केवल शेष क्रेडिट प्रविष्टियों का प्रतिनिधित्व करने वाली राशि को डेबिट प्रविष्टियों के विरुद्ध नेट किया जाना चाहिए। केवल अंतर-कार्यालय खातों की निवल स्थिति, अंतर्देशीय और साथ ही विदेशी, यहां दिखाई जाएगी।
		(III)	अर्जित ब्याज	इसमें जमा और उधार पर अर्जित, लेकिन देय नहीं, ब्याज शामिल है।
		(IV)	अन्य (प्रावधानों सहित)	इसमें आयकर, अन्य कर जैसे ब्याज कर (अग्रिम भुगतान, स्रोत पर कर कटौती आदि से कम), आस्थगित कर (यदि एएस 22 के अनुसार नेटिंग के बाद देयता है), अस्थायी प्रावधान और आकस्मिक निधि शामिल हैं, जिन्हें आरक्षित के रूप में प्रकट नहीं किया जाता है, लेकिन वास्तव में आरक्षित की प्रकृति में हैं, अन्य देयताएं जिन्हें किसी भी प्रमुख शीर्ष के तहत प्रकट नहीं किया जाता है जैसे कि दावा न किया गया लाभांश, प्रावधान और विशिष्ट उद्देश्यों के लिए रखी गई निधियां, अप्रयुक्त छूट, शेष प्रभार जैसे किराया, परिवहन आदि। समाशोधन अंतर में कुल निवल क्रेडिट एक अलग अवरुद्ध खाते में स्थानांतरित



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				किया जाएगा और यहां दिखाया जाएगा। नोस्ट्रो खातों में बकाया क्रेडिट प्रविष्टियाँ अवरुद्ध खाते में स्थानांतरित की जाएंगी। <u>नोट:</u> 1. अंतर-कार्यालय समायोजन के निवल शेष तक पहुंचने के लिए सभी संबंधित अंतर-कार्यालय खातों को एकत्रित किया जाएगा और निवल शेष ही दिखाया जाएगा, जो ज्यादातर अस्थायी (ट्रांजिट) और असमायोजित वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करेगा। 2. सभी जमा पर अर्जित ब्याज, चाहे भुगतान देय हो या नहीं, को देयता माना जाएगा। 3. प्रस्तावित है कि केवल जमा राशियों को 'जमा' शीर्षक के अंतर्गत दिखाया जाए और इसलिए सभी अतिरिक्त प्रावधान जो अशोध और संदिग्ध ऋणों के लिए हैं, आकस्मिकता निधि आदि, जो संबंधित आस्तियों के बदले में समायोजित नहीं किए गए हैं, उन्हें 'अन्य (प्रावधान सहित)' शीर्षक के अंतर्गत लाया जाएगा। 4. मानक आस्तियों के प्रति प्रावधानों को सकल अग्रिमों से नहीं जोड़ा जाएगा और तुलन पत्र की अनुसूची 5 में 'अन्य' के तहत 'मानक आस्तियों के लिए प्रावधान' के रूप में अलग से दिखाया



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				जाएगा। 5. जहां 'अन्य (प्रावधानों सहित)' के तहत कोई भी मद कुल आस्तियों के एक प्रतिशत से अधिक है, वहां ऐसी सभी मदों का विवरण लेखा संबंधी टिप्पणियों में प्रकट किया जाएगा।
आस्तियां				
भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष	6	(I)	हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा सहित)	इसमें विदेशी मुद्रा नोटों सहित हाथ में नकदी, और विदेशी शाखाओं के मामले में बैंक के ऐसे शाखाओं के भी शामिल हैं।
		(II)	भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष (i) चालू खाते में (ii) अन्य खातों में	चलनिधि समायोजन सुविधा के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ सभी प्रकार के रिवर्स रेपो उप-मद (ii) के तहत प्रस्तुत किए जाएंगे।
बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्त धन	7	(I)	भारत में	इसमें भारत में बैंकों के साथ सभी शेष राशि (सहकारी बैंकों सहित) शामिल है, सिवाय मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि के, जैसा कि नीचे बताया गया है।
		(i)	बैंकों में शेष राशियां	
		(ए)	चालू खाते में	चालू खाते और अन्य जमा खातों में शेष राशि
		(बी)	अन्य जमा खातों में	अलग से दिखाई जाएगी।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(ii)	मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	इसमें निम्नलिखित शामिल हैं, यदि वे मूल अवधि में या 14 दिन सहित हैं:
	(ए)		बैंकों के साथ	(i) मांग(कॉल)/नोटिस मुद्रा बाजार में उधार दी गई राशि।
	(बी)		अन्य संस्थानों के साथ	(ii) बैंकों और अन्य संस्थाओं के साथ रिवर्स रेपो रिवर्स रेपो खाते में शेष राशियों को यथोचित रूप से अनुसूची 7 की मद (ii) (ए) या (ii) (बी) के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा।
		(II)	भारत के बाहर	शेष राशि शामिल है:
		(i)	चालू खाते में	(i) बैंक की विदेशी शाखाओं द्वारा आयोजित; और
		(ii)	अन्य जमा खातों में	(ii) बैंक की भारतीय शाखाओं द्वारा भारत के बाहर रखा गया।
		(iii)	मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय	बैंक की विदेशी शाखाओं के साथ भारतीय शाखाओं द्वारा रखी गई शेष राशि को इस शीर्ष के तहत नहीं दिखाया जाएगा। इसके बजाय, इस तरह के शेष राशि को अंतर-शाखा खातों में शामिल किया जाएगा। 'चालू खातों' और 'जमा खातों' में रखी गई राशि अलग-अलग दिखाई जाएगी।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				भारत के बाहर मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि में जमा शामिल हैं जिन्हें आमतौर पर उस विदेशी क्षेत्राधिकार के कानूनों, विनियमों या बाजार प्रथाओं के अनुसार मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जहां ऐसा धन उधार दिया जाता है।
निवेश	8	(I)	भारत में विनिधा	
		(i)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	इसमें केंद्रीय और राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ और सरकारी ट्रेजरी बिल शामिल हैं।
		(ii)	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा अन्य प्रतिभूतियाँ, जिन्हें रिज़र्व बैंक ने बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 5(ए) के तहत 'अनुमोदित प्रतिभूतियाँ' के रूप में विनिर्दिष्ट किया है, को यहां शामिल किया जाएगा।
		(iii)	शेयर	कंपनियों और निगमों के शेयर में निवेश जो मद (ii) में शामिल नहीं हैं, उन्हें यहां शामिल किया



मद	सं	कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			जाएगा।
		(iv) डिबेंचर और बांड	कंपनियों और निगमों के डिबेंचर (कंपनी अधिनियम, 2013 द्वारा परिभाषित) और बॉन्ड में निवेश (ii) में शामिल नहीं किया जाएगा।
		(v) सहायक और/या संयुक्त उद्यम	अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों (सहयोगियों सहित) में निवेश को यहां शामिल किया जाएगा।
		(vi) अन्य	अवशिष्ट निवेश, यदि कोई हो, जैसे म्यूचुअल फंड, सोना, आदि।
		(II) भारत के बाहर विनिधान	
		(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रतिभूतियों सहित सभी विदेशी सरकारी प्रतिभूतियों को इस शीर्ष के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।
		(ii) विदेश में अनुषंगियों / अथवा संयुक्त उद्यम	भारत के बाहर और/या विदेशों में संयुक्त उद्यमों में जारी अनुषंगी कंपनियों की शेयर पूंजी में किए गए सभी निवेशों को इस शीर्ष के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।
		(iii) अन्य विनिधान	भारत के बाहर के अन्य सभी निवेश इस शीर्ष के



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				अंतर्गत दिखाए जाएंगे।
अग्रिम	9	ए (i)	क्रय किए गए और मिती काटे पर भुगतान किए गए विनिमय पत्र	धारा ए के तहत वर्गीकरण में, भारत के साथ-साथ भारत के बाहर प्रावधानों के निवल के रूप में सभी शेष अग्रिमों को तीन शीर्षों के तहत वर्गीकृत किया जाएगा जैसा कि दर्शाया गया है और इसमें प्रतिभूत और अप्रतिभूत अग्रिमों के साथ-साथ अतिदेय किस्ते भी शामिल होंगी। फैक्ट्रिंग के तहत अर्जित प्राप्य राशियों को 'खरीदे और बट्टे किए गए बिल' के तहत रिपोर्ट किया जाएगा।
		(ii)	नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण	सभी ऋण मांग पर चुकाए जाने वाले और एक वर्ष तक की मूल परिपक्वता वाले अल्पकालिक ऋणों को 'नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण' के तहत वर्गीकृत किया जाएगा। क्रेडिट कार्ड पर शेष राशि को इस श्रेणी के अंतर्गत शामिल किया जाएगा। अन्य शेष राशि जो क्रेडिट संचालन से संबंधित है, भले ही वे अन्य बैंकों/संगठनों से शेष हों, उन्हें अग्रिम के हिस्से के रूप में दिखाया जाएगा। हालाँकि, जहाँ ऐसे देय राशि शुल्क या अन्य राजस्व प्राप्य की प्रकृति में हैं, उन्हें अन्य आस्तियों के रूप में दिखाया जा सकता है। 'सावधि ऋण' एक ऋण है जिसकी एक विनिर्दिष्ट



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(iii)	सावधि ऋण	परिपक्वता है और किश्तों में या बुलेट फॉर्म में देय है। एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाले सभी सावधि ऋणों को इस श्रेणी (अर्थात्, ए (iii)) के तहत वर्गीकृत किया जाएगा, जबकि जैसा कि ऊपर बताया गया है, एक वर्ष तक की मूल परिपक्वता वाले अल्पकालिक ऋणों को मांग पर चुकाए जाने वाले ऋणों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।
		बी(i)	मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत	सभी अग्रिम या बही ऋणों के विरुद्ध अग्रिम सहित अग्रिमों का भाग जो मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत है, यहां दिखाया जाएगा। इस मद में भारत के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रतिभूत अग्रिम शामिल होंगे। बैंक यह विनिर्दिष्ट करेगा कि मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत अग्रिमों में बुक ऋण के विरुद्ध अग्रिम शामिल हैं।
		(ii)	बैंक/सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा सुरक्षित	भारत और भारत के बाहर की अग्रिम राशि, जहां तक वे भारतीय/विदेशी सरकारों, भारतीय/विदेशी बैंकों, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी), और भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) की गारंटी द्वारा कवर की जाती है, को यहां शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, सूक्ष्म और लघु उद्यमों के



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				लिए क्रेडिट गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई), निम्न आय आवास के लिए ऋण जोखिम गारंटी निधि ट्रस्ट (सीआरजीएफटीएलआईएच), और राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) के तहत व्यक्तिगत योजनाओं द्वारा कवर की गई सीमा तक अग्रिम, जो स्पष्ट केंद्रीय सरकारी गारंटी* द्वारा समर्थित हैं, को भी यहां शामिल किया जाएगा। *नोट: यथासमाय संशोधित भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - पूंजी पर्याप्तता पर विवेकपूर्ण मानदंड) निदेश, 2025 के प्रावधानों के अनुसार।
		(ii)	अप्रतिभूत	(i) और (ii) के तहत वर्गीकृत नहीं की गई सभी अग्रिम राशि को यहां शामिल किया जाएगा। संपार्श्विक के रूप में बैंक को प्रभारित अधिकार, लाइसेंस, प्राधिकरण आदि को मूर्त सुरक्षा के रूप में नहीं गिना जाना चाहिए और इसलिए इस शीर्ष के तहत ऐसे अग्रिमों को अप्रतिभूत के रूप में गिना जाएगा, खाते के नोटों में इसका प्रकटीकरण किया जाएगा। 'ए' का कुल योग 'बी' के कुल योग से मेल खाना चाहिए।
		सी. (I)	भारत में अग्रिम	आमतौर पर अग्रिमों को 'भारत में अग्रिम' और 'भारत के बाहर अग्रिम' के रूप में वर्गीकृत



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(i)	प्राथमिकता क्षेत्र	किया जाएगा। भारत में अग्रिम को आगे क्षेत्रीय आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा जैसा कि दर्शाया गया है। अग्रिम, जो मौजूदा भारतीय रिजर्व बैंक अनुदेशों के अनुसार प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में योग्य हैं, को 'प्राथमिकता क्षेत्र' शीर्षक के तहत वर्गीकृत किया जाना है। इस तरह की अग्रिम को मद (ii) से बाहर रखा जाएगा, अर्थात्, सार्वजनिक क्षेत्र को अग्रिम। केन्द्रीय/राज्य सरकारों और सरकारी कंपनियों और सांविधिक निगमों सहित अन्य सरकारी उपक्रमों को अग्रिम राशि को 'सार्वजनिक क्षेत्र' की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। सहकारी बैंकों सहित बैंकिंग क्षेत्र को सभी अग्रिम 'बैंक' शीर्षक के अंतर्गत आएंगे। शेष सभी अग्रिमों को 'अन्य' शीर्षक के अंतर्गत शामिल किया जाएगा और आमतौर पर इस श्रेणी में निजी, संयुक्त और सहकारी क्षेत्रों को गैर-प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिम शामिल होंगे।
		(ii)	सार्वजनिक क्षेत्र	
		(iii)	बैंकों	
		(iv)	अन्य	
		(II)	भारत के बाहर अग्रिम	
		(i)	बैंकों से शोध	नोट: 1. उधार की सूचना उस पर किए गए प्रावधानों के निवल रूप में दी जाएगी (मानक आस्तियों के लिए प्रावधानों के अलावा)। जहां तक फ्लोटिंग प्रावधानों को टियर 2 पूंजी के रूप में नहीं माना गया है, उन्हें अग्रिमों से भी नेट किया जाएगा।
		(ii)	अन्यों से शोध	
		(iii)	क्रय किए गए और मित्ती काटे पर भुगतान किए गए विनिमय पत्र	
		(iv)	सिंडिकेटेड ऋण	
		(v)	अन्य	



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				2. रिपोर्ट किए गए सावधि ऋणों में मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण शामिल नहीं होंगे। 3. कंसोर्टियम अग्रिम अन्य भाग लेने वाले बैंकों/संस्थानों के हिस्से के निवल रूप में रिपोर्ट किया जाएगा। 4. बैंक के अपने कर्मचारियों को दिए गए सभी ब्याज-धारक ऋण और अग्रिम यहां शामिल किए जाएंगे। 5. अन्य बैंकों/संगठनों को दी गई अग्रिम राशि को यहां शामिल किया जाएगा। 6. उपार्जित लेकिन देय नहीं ब्याज को यहां प्रतिबिंबित नहीं किया जाना चाहिए। इसके बजाय, इसे अन्य आस्तियों में 'उपार्जित ब्याज' के तहत दिखाया जाएगा। 7. उनके द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं (बुनियादी ढांचा परियोजनाओं सहित) के संबंध में बैंक को सुरक्षा/संपार्श्विक के रूप में प्रभारित अधिकार, लाइसेंस और प्राधिकरण आदि को मूर्त सुरक्षा के रूप में नहीं गिना जाएगा। इस तरह की अग्रिम को अप्रतिभूत माना जाएगा। 8. आंशिक ऋण वृद्धि सुविधाओं को जिन हद तक आहरित किया गया है, अग्रिम के रूप में माना जाएगा।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				9. जोखिम साझाकरण के साथ अंतर-बैंक भागीदारी की कुल राशि जारी करने वाले बैंक द्वारा शेष कुल अग्रिम से कम हो जाएगी। भाग लेने वाला बैंक अग्रिम के तहत अंतर-बैंक भागीदारी की राशि दिखाएगा। जहां भागीदारी जोखिम साझाकरण के बिना है, इसे भाग लेने वाले बैंक द्वारा अनुसूची 9 के तहत बैंकों से देय के रूप में दर्शाया जाएगा। 10. 14 दिनों से अधिक की मूल अवधि वाले बैंकों और अन्य संस्थानों के साथ रिवर्स रेपो को निम्नलिखित शीर्षक के तहत इस अनुसूची के तहत दिखाया जाएगा: i. ए.(ii) 'नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण' ii. बी. (i) 'मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत' iii. सी. (i) (iii) बैंक (iv) 'अन्य' (जैसा मामला हो)
अचल आस्तियां	10	(i) परिसर (ii) पूर्ववर्ती वर्ष 31 मार्च के अनुसार लागत (ii) वर्ष के दौरान परिवर्धन		परिसर, जिसमें वह भूमि भी शामिल है जो बैंक द्वारा व्यवसाय के उद्देश्य के लिए पूर्णतः या आंशिक रूप से स्वामित्व में है, जिसमें आवासीय परिसर भी शामिल हैं, को 'परिसर' के समक्ष दर्शाया जाएगा। परिसरों और अन्य स्थायी आस्तियों के मामले में,



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(iii)	वर्ष के दौरान कटौतियां	पिछले शेष, उसमें परिवर्धन, और वर्ष के दौरान उसमें से कटौती के साथ-साथ बट्टे खाते में लिखी गई कुल मूल्यहास को दिखाया जाएगा।
		(iv)	आज तक का मूल्यहास	
		(II)	अन्य स्थायी आस्तियां (फर्नीचर और फिक्स्चर सहित)	फर्नीचर और फिक्स्चर, वाहन और अन्य सभी स्थावर संपदा इस शीर्षक के तहत दिखाई जाएगी।
		(i)	पिछले वर्ष के 31 मार्च को लागत के रूप में	
		(ii)	वर्ष के दौरान परिवर्धन	
		(iii)	वर्ष के दौरान कटौतियां	
अन्य आस्तियां	11	(iv)	आज तक का मूल्यहास	
		(I)	अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	
				अंतर-कार्यालय समायोजन शेष, यदि डेबिट में है, तो इस शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाएगा। केवल अंतर-कार्यालय खातों की निवल स्थिति, अंतर्देशीय और साथ ही विदेशी, यहां दिखाई जाएगी। अंतर-कार्यालय समायोजन खातों के निवल शेष तक पहुंचने के लिए, सभी जुड़े अंतर-कार्यालय खातों को एकत्रित किया जाएगा और निवल शेष, यदि केवल डेबिट में है, तो पारगमन



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				और असमायोजित वस्तुओं में ज्यादातर वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाया जाएगा।
		(II)	अर्जित ब्याज	निवेशों और अग्रिमों पर अर्जित लेकिन देय नहीं और निवेशों पर देय लेकिन एकत्र नहीं किया गया ब्याज इस मद के मुख्य घटक होंगे। चूंकि बैंक आम तौर पर तुलन पत्र की तारीख पर शेष ब्याज के साथ उधारकर्ताओं के खाते को डेबिट करते हैं, इसलिए आम तौर पर अग्रिम पर कोई ब्याज देय राशि नहीं हो सकती है। केवल ऐसी ब्याज राशि जो सामान्य क्रम में प्राप्त की जा सकती है, इस शीर्ष के अंतर्गत दिखाई जाएगी।
		(III)	अग्रिम रूप से कर भुगतान/स्रोत पर कर की कटौती	भुगतान किए गए अग्रिम कर की राशि, स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), आदि, इस सीमा तक कि इन मदों को सापेक्ष कर प्रावधानों के विरुद्ध सेट-ऑफ नहीं किया जाता है, इस मद के विरुद्ध दिखाया जाएगा।
		(IV)	लेखन-सामग्री और टिकट	केवल लेखन सामग्री पर व्यय की असाधारण मदें जैसे कि सुरक्षा पत्र, लूज लीफ या अन्य लेजर आदि की थोक खरीद, आदि, जिन्हें समय की अवधि में बट्टे खाते में दिखाया जाना है, उन्हें यहां दिखाया जाएगा। मूल्य यथार्थवादी आधार पर होगा और लागत वृद्धि को ध्यान में नहीं रखा जाएगा, क्योंकि ये वस्तुएं आंतरिक उपयोग के



मद	सं	कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			लिए हैं।
		(V) दावों की संतुष्टि के लिए अधिग्रहित गैर-बैंकिंग आस्तियां	दावों की संतुष्टि में अर्जित स्थावर संपदाएं/मूर्त आस्तियां इस शीर्ष के तहत दिखाई जानी हैं।
		(VI) अन्य	इसमें ऐसे दावे शामिल होंगे जो पूरे नहीं हुए हैं, उदाहरण के लिए, क्लियरिंग मद्दे, आस्तियों में वृद्धि या देयताओं में कमी का प्रतिनिधित्व करने वाले डेबिट मद जिन्हें तकनीकी कारणों से समायोजित नहीं किया गया है, विवरण की कमी आदि। ब्याज के अलावा अर्जित आय को भी यहां शामिल किया जाएगा। बैंक के कर्मचारियों को दिए गए सभी गैर-ब्याज-धारक ऋण और अग्रिम यहां रिपोर्ट किए जाएंगे। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) के साथ नकद मार्जिन जमा यहां दिखाया जाएगा। प्राथमिकता क्षेत्र के लक्ष्यों में कमी के कारण नाबार्ड / सिडबी / एनएचबी आदि के साथ रखे गए जमा को यहां शामिल किया जाएगा। बैंक चालू वर्ष और पिछले वर्ष दोनों के लिए ऐसी जमा राशि का विवरण तुलन पत्र की अनुसूची 11 में एक फुटनोट के रूप में भी प्रकट करेंगे। जहां 'अन्य' के तहत कोई भी मद कुल आस्ति



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				के एक प्रतिशत से अधिक है, वहां ऐसे सभी वस्तुओं का विवरण खातों के नोटों में प्रकट किया जाएगा।
आकस्मिक देयताएं देयताएं	12	(I)	बैंक के विरुद्ध दावे ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए	
		(II)	आंशिक रूप से भुगतान किए गए निवेशों के लिए देयता	आंशिक रूप से भुगतान किए गए शेयर, डिबेंचर आदि पर देयता को इस शीर्ष में शामिल किया जाएगा।
		(III)	बकाया वायदा विनिमय अनुबंधों के कारण देयता	उल्लेखनीय वायदा अनुबंधों को यहां शामिल किया जाएगा।
		(IV)	संघटकों की ओर से दी गई प्रतिभूतियां	भारत और भारत के बाहर के घटकों के लिए दी गई गारंटी अलग से दिखाई जानी चाहिए।
		(i)	भारत में	
		(ii)	भारत के बाहर	
		(V)	स्वीकृतियाँ, अनुमोदन और अन्य दायित्व	इस मद में अपने ग्राहकों की ओर से बैंक द्वारा स्वीकार किए गए साख पत्र और बिल शामिल होंगे।
		(VI)	अन्य वस्तुएं जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से	संचयी लाभांशों की शेष राशि, बिलों का पुनर्वितरण, हामीदारी अनुबंधों की प्रतिबद्धताएं,



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			उत्तरदायी है	और पूंजी खाते पर निष्पादित होने वाले अनुबंधों की अनुमानित राशि और इसके लिए प्रदान नहीं की गई आदि को यहां शामिल किया जाना है। सभी दावा रहित देयताएं (जहां देय राशि जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि योजना 2014 के तहत स्थापित जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि में स्थानांतरित कर दी गई है) यहां दिखाई जाएंगी। बिना आहरित आंशिक क्रेडिट वृद्धि सुविधाएं यहां दिखाई जाएंगी। जब जारी ('डब्ल्यूआई') प्रतिभूतियों को प्रतिभूति जारी होने तक तुलनपत्रेतर मद के रूप में बहियों में दर्ज किया जाना चाहिए। 'डब्ल्यूआई' बाजार में तुलनपत्रेतर नेट पोजीशन को दैनिक आधार पर 'डब्ल्यूआई' सुरक्षा के दिन के समापन मूल्य पर स्क्रिप-वाइज चिह्नित किया जाना चाहिए। यदि 'डब्ल्यूआई' सुरक्षा की कीमत उपलब्ध नहीं है, तो इसके बजाय मौजूदा नियमों के अनुसार निर्धारित अंतर्निहित सुरक्षा के मूल्य का उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई मूल्यहास है, तो उसका प्रावधान किया जाना चाहिए और यदि कोई मूल्यवृद्धि है, तो उसे नजरअंदाज किया जाना चाहिए। वितरण पर, अंतर्निहित सुरक्षा को तीन श्रेणियों में से किसी में



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				भी वर्गीकृत किया जा सकता है, अर्थात्, 'हेल्ड टू मैच्योरिटी (एचटीएम)', 'बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस)' या 'अनुबंधित मूल्य पर धारिता के इरादे के आधार पर उचित मूल्य और हानि (एफवीटीपीएल)।
संग्रहण के लिए बिल	--		--	संग्रहण के दौरान बिल और अन्य वस्तुएं और समायोजित नहीं की गई हैं, केवल सारांश संस्करण में इस मद के विरुद्ध दिखाई जाएंगी। कोई अलग अनुसूची प्रस्तावित नहीं है।

(2) लाभ और हानि खाते के संकलन के लिए अनुदेश

मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
अर्जित ब्याज	13	(I)	ब्याज, अग्रिमो / विनिमयों पात्रो पर ब्याज/मितीकाटा	इसमें नकद जमा, मांग ऋण, ओवरड्राफ्ट, निर्यात ऋण, सावधि ऋण, खरीदे गए और बट्टे किए गए घरेलू और विदेशी बिलों (जिनमें पुनर्बट्टे किए गए बिल भी शामिल हैं) सहित सभी प्रकार के ऋणों और अग्रिमों पर ब्याज और बट्टा, तथा ऐसे अग्रिमों/बिलों से संबंधित बकाया ब्याज और ब्याज सब्सिडी (यदि कोई हो) शामिल है।
		(II)	निवेश से आय	इसमें ब्याज/छूट, लाभांश के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो से प्राप्त सभी आय शामिल हैं। एचटीएम के तहत प्रतिभूतियों, एएफएस के तहत ऋण प्रतिभूतियों और एफवीटीपीएल (जहां संविदात्मक



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				नकदी प्रवाह केवल मूलधन और ब्याज के भुगतान के लिए मानदंड को पूरा करता है) पर कोई भी छूट या प्रीमियम, लिखत के शेष जीवनकाल में परिशोधित किया जाएगा। परिशोधित राशि अनुसूची 13 के 'निवेश पर आय' के तहत वित्तीय विवरणों में दिखाई जाएगी: 'अर्जित ब्याज' अनुसूची 8 में एक विरोधाभास के साथ: 'निवेश'।
		(III)	भारतीय रिज़र्व बैंक के अतिशेषों और अन्य अंतर-बैंक निधियों में शेष राशि पर ब्याज	इसमें भारतीय रिज़र्व बैंक, अन्य बैंकों, मांग ऋणों और मुद्रा बाज़ार प्लेसमेंट आदि के साथ शेष राशि पर ब्याज शामिल है।
		(IV)	अन्य	इसमें उपरोक्त शीर्षों में शामिल नहीं की गई कोई अन्य ब्याज/छूट आय शामिल है।
				<i>टिप्पणियाँ:</i> रिवर्स रेपो ब्याज आय खाते में शेष राशि को अनुसूची 13 (उपयुक्त रूप से मद या के तहत वर्गीकृत किया जाएगा)।
अन्य आय	14	(I)	कमीशन, विनिमय और दलाली	वसूली पर कमीशन, प्रेषण और हस्तांतरण पर कमीशन/विनिमय, ऋण पत्रों और बैंक गारंटी पर कमीशन, लॉकर किराए पर देना, सरकारी व्यवसाय पर कमीशन, परामर्श और अन्य सेवाओं सहित अन्य



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				अनुमत एजेंसी व्यवसाय पर कमीशन, प्रतिभूतियों पर ब्रोकरेज आदि जैसी सेवाओं पर सभी पारिश्रमिक शामिल हैं। इसमें विदेशी मुद्रा आय शामिल नहीं है।
		(II)	निवेश की बिक्री पर लाभ घटाएँ: निवेश की बिक्री पर हानि	इसमें प्रतिभूति, फ़र्नीचर, भूमि और भवन, मोटर गाड़ियों, सोने और चांदी आदि की बिक्री से होने वाला फ़ायदा या नुकसान शामिल है। केवल निवल स्थिति दिखाई जाएगी। यदि निवल स्थिति हानि है, तो राशि कटौती के रूप में दिखाई जाएगी।
		(III)	निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ घटाएँ: निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर हानि	आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ/हानि भी इस मद के तहत दिखाई जाएगी। अनर्जक निवेश (एनपीआई) के लिए प्रावधान यहां नहीं दिखाया जाएगा और इसके बजाय प्रावधान और आकस्मिकताओं के तहत दर्शाया जाएगा।
		(IV)	भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ घटाएँ: आधार, भवनों और अन्य आस्तियों की बिक्री पर हानि	
		(V)	विनिमय लेनदेन से लाभ	इसमें विदेशी मुद्रा में लेनदेन पर लाभ/हानि, विदेशी मुद्रा के माध्यम से अर्जित सभी आय, कमीशन, और



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			घटाएँ: विनिमय लेनदेन पर हानि	विदेशी मुद्रा लेनदेन पर शुल्क शामिल हैं, जिसमें ब्याज शामिल नहीं है, जिसे ब्याज शीर्ष के तहत दिखाया जाएगा। केवल निवल स्थिति दिखाई जाएगी। यदि निवल स्थिति हानि है, तो इसे कटौती के रूप में दिखाया जाना है।
		(VI)	भारत में या विदेशों में स्थित सहायक कंपनियों, कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से लाभांश आदि के रूप में अर्जित आय।	
		(VII)	प्रकिर्ण आय	इसमें गोदाम के किराए के लिए घटकों से वसूली, बैंक की आस्तियों से आय, सुरक्षा शुल्क, बीमा आदि और किसी भी अन्य विविध आय शामिल है। यदि इस शीर्ष के तहत कोई भी मद कुल आय के एक प्रतिशत से अधिक है, तो विवरण टिप्पणियों में दिया जाएगा। प्राथमिक क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्रों (पीएसएलसी) की बिक्री से प्राप्त शुल्क यहां दिखाया जाएगा।
व्यय किया गया ब्याज	15	(I)	निक्षेपों पर ब्याज	इसमें बैंकों और अन्य संस्थानों से जमा सहित सभी प्रकार की जमा पर दिया गया ब्याज शामिल है।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(II)	भारतीय रिज़र्व बैंक / अंतर-बैंक उधारो पर ब्याज	इसमें भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य बैंकों से प्राप्त सभी उधारों और पुनर्वित्त पर बट्टा/ब्याज शामिल है।
		(III)	अन्य	वित्तीय संस्थानों से सभी उधार/पुनर्वित्त पर छूट/ब्याज शामिल है। भागीदारी प्रमाणपत्रों पर ब्याज, दंड ब्याज भुगतान आदि जैसे अन्य सभी भुगतान भी यहां शामिल किए जाएंगे।
				टिप्पणियाँ: 1. रेपो ब्याज व्यय खाते में शेष राशि को अनुसूची 15 (उपयुक्त रूप से मद या के तहत वर्गीकृत किया जाएगा)। 2. सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों को अर्जित करते समय, बैंक को विक्रेता को चुकाए गए खंडित-अवधि ब्याज को निवेश की लागत के हिस्से के रूप में पूंजीगत नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे एक व्यय के रूप में नामांकित(बुक) करना चाहिए।
परिचालन व्यय	16	(I)	कर्मचारियों को भुगतान और प्रावधान	इसमें कर्मचारियों के वेतन/मजदूरी, भत्ते, बोनस, अन्य कर्मचारी लाभ जैसे भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, कर्मचारियों को वर्दी, छुट्टी किराया रियायतें, कर्मचारी कल्याण और कर्मचारियों को चिकित्सा भत्ता आदि शामिल हैं।
		(II)	भाटक, कर और	इसमें बैंकों द्वारा इमारतों पर भुगतान किया गया



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
			रोशनी	किराया, भुगतान किए गए नगरपालिका और अन्य कर (आय कर और ब्याज कर को छोड़कर), बिजली, अन्य समान शुल्क और लेवी शामिल हैं। कर्मचारियों को मकान किराया भत्ता और अन्य समान भुगतान 'कर्मचारियों को भुगतान और प्रावधान' शीर्षक के तहत दिखाई देंगे।
		(III)	मुद्रण और लेखन सामग्री	इसमें बैंक द्वारा उपयोग की जाने वाली बहियाँ और फॉर्म और स्टेशनरी मद और अन्य मुद्रण शुल्क शामिल हैं जो प्रचार व्यय के रूप में नहीं किए जाते हैं।
		(IV)	विज्ञापन और प्रचार	इसमें विज्ञापन और प्रचार उद्देश्यों के लिए बैंक द्वारा किया गया व्यय शामिल है जिसमें प्रचार सामग्री के मुद्रण शुल्क भी शामिल हैं।
		(V)	बैंक की आस्ति पर मूल्यहास	इसमें बैंक की अपनी आस्ति, कार और अन्य वाहन, फर्नीचर, बिजली फिटिंग, वॉल्ट, लिफ्ट, पट्टे की आस्तियां, गैर-बैंकिंग आस्ति आदि पर मूल्यहास शामिल है।
		(VI)	निदेशकों के शुल्क, भत्ते और व्यय	इसमें बैठक शुल्क, भत्ते और निदेशकों की ओर से किए गए अन्य सभी खर्च शामिल हैं। दैनिक भत्ता, होटल शुल्क और वाहन शुल्क आदि, जो यद्यपि खर्चों की प्रतिपूर्ति की प्रकृति में हैं, इस शीर्ष के तहत शामिल किए जाएंगे। स्थानीय बोर्ड के सदस्यों, बोर्ड की समितियों आदि के समान खर्चों को भी इस शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया जाएगा।



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
		(VII)	लेखा परीक्षक का शुल्क और व्यय (शाखा लेखापरीक्षक शुल्क सहित)	इसमें पेशेवर सेवाओं के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों को भुगतान की गई फीस और उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए सभी खर्च शामिल हैं, भले ही वे खर्चों की प्रतिपूर्ति की प्रकृति में हों। यदि आंतरिक निरीक्षण और लेखापरीक्षा और अन्य सेवाओं के लिए बैंकों द्वारा स्वयं बाहरी लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की गई है, तो उस संदर्भ में शुल्क सहित किए गए खर्चों को इस शीर्ष के तहत शामिल नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि 'अन्य व्यय' के तहत दिखाया जाना चाहिए।
		(VIII)	कानूनी प्रभार)	सभी कानूनी खर्च और कानूनी सेवाओं के संबंध में किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति को यहां शामिल किया जाएगा।
		(IX)	डाक, तार, दूरभाष आदि	इसमें डाक टिकट, टेलीफोन आदि जैसे सभी डाक शुल्क शामिल हैं।
		(X)	मरम्मत और रखरखाव	इसमें बैंक की आस्ति की मरम्मत, उनके रखरखाव शुल्क आदि शामिल हैं।
		(XI)	बीमा	इसमें संबंधित पक्षों से वसूल नहीं किए जाने की सीमा तक बैंक की आस्ति पर बीमा शुल्क, डीआईसीजीसी को भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम आदि शामिल हैं।
		(XII)	अन्य व्यय	लाइसेंस शुल्क, दान, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, मनोरंजन व्यय और यात्रा व्यय आदि जैसे किसी भी अन्य शीर्ष में



मद	सं		कवरेज	संकलन के लिए टिप्पणियां और अनुदेश
				शामिल नहीं किए गए सभी व्यय इस शीर्ष के तहत शामिल किए जाएंगे। यदि इस शीर्ष के तहत कोई विशेष मद कुल आय के एक प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तो विवरण टिप्पणियों में दिया जाएगा। पीएसएलसी की खरीद के लिए भुगतान की गई फीस यहां दिखाई जाएगी।
प्रावधान और आकस्मिक ताँ				इसमें अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए किए गए सभी प्रावधान, करों के लिए प्रावधान, अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधान, आकस्मिकताओं में अंतरण और अन्य इसी प्रकार की मदें शामिल हैं।

सी. कुछ लेखांकन मानकों के संबंध में विशिष्ट मुद्दों पर मार्गदर्शन

6. बैंक कुछ लेखांकन मानकों के आवेदन में प्रासंगिक मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित का भी पालन करेगा:

(1) **लेखांकन मानक 5 - अवधि के लिए निवल लाभ या हानि, पूर्व अवधि की मदें और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन**

- इस मानक का उद्देश्य लाभ और हानि के विवरण में कुछ मदों के वर्गीकरण और प्रकटीकरण को निर्धारित करना है ताकि सभी उद्यम एक समान आधार पर ऐसा विवरण तैयार और प्रस्तुत करें।
- तदनुसार, इस मानक में असाधारण और पूर्व अवधि की वस्तुओं का वर्गीकरण और प्रकटीकरण, और सामान्य गतिविधियों से लाभ या हानि में कुछ वस्तुओं का प्रकटीकरण की आवश्यकता है। यह लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन के लिए लेखांकन उपाय और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन के संबंध में वित्तीय विवरणों में किए जाने वाले प्रकटीकरण को भी विनिर्दिष्ट करता है।



- (iii) आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानकों पर वक्तव्यों की प्रस्तावना के अनुच्छेद 4.3 में कहा गया है कि लेखांकन मानकों का उद्देश्य केवल उन मदों पर लागू करना है जो महत्वपूर्ण हैं। चूंकि महत्वपूर्णता को वस्तुनिष्ठ रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि बैंक को लेखांकन मानक के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, पूर्व अवधि की आय या पूर्व अवधि के व्यय की किसी भी ऐसी मद के संबंध में जो बैंक की कुल आय/कुल व्यय के एक प्रतिशत से अधिक हो (यदि आय/व्यय का आकलन सकल आधार पर किया गया हो) अथवा करों से पूर्व निवल लाभ या निवल हानि (जैसी भी स्थिति हो) के एक प्रतिशत से अधिक हो (यदि आय का आकलन लागत को घटाने के बाद किया गया हो)।
- (iv) चूंकि बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के तहत फॉर्म बी में निर्धारित बैंक के लाभ और हानि खातों का प्रारूप विशेष रूप से चालू वर्ष के लाभ और हानि पर पूर्व अवधि की मदों के प्रभाव के प्रकटीकरण का प्रावधान नहीं करता है, इसलिए जहां भी आवश्यक हो, ऐसे प्रकटीकरण बैंक के तुलन पत्र के 'लेखा संबंधी टिप्पणियां' में किए जा सकते हैं।

(2) लेखांकन मानक 9 - राजस्व मान्यता

- (i) भारतीय रिज़र्व बैंक के विनियामक निदेशों के अनुपालन में अनर्जक अग्रिमों और अनर्जक निवेशों के मामले में बैंक द्वारा आय की गैर-मान्यता को सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा योग्यता को आकर्षित नहीं करेगा क्योंकि यह मानक के प्रावधानों के अनुरूप होगा, क्योंकि यह राजस्व की मान्यता के स्थगन को मान्यता देता है जहां राजस्व की संग्रहणीयता काफी अनिश्चित है।

(3) लेखांकन मानक 11 - विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव

एएस 11 को विदेशी मुद्राओं में लेनदेन के लिए लेखांकन और विदेशी संचालन के वित्तीय विवरणों के अनुवाद के संदर्भ में लागू किया जाता है। इस संदर्भ में निर्मित होने वाले मुद्दों की पहचान की गई है और मानक के प्रावधानों का अनुपालन करते समय बैंक को निम्नलिखित द्वारा निर्देशित किया जाएगा:

- (i) अभिन्न और गैर-अभिन्न विदेशी कार्यों का वर्गीकरण



(ए) एस 11 के अनुच्छेद 17 में कहा गया है कि विदेशी संचालन के वित्तीय विवरणों का अनुवाद करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधि इस बात पर निर्भर करती है कि यह रिपोर्टिंग उद्यम के संबंध में वित्तपोषित और संचालित कैसे होता है। इस उद्देश्य के लिए, विदेशी संचालन को या तो 'अभिन्न विदेशी संचालन' या 'गैर-अभिन्न विदेशी संचालन' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यहां जो मुद्दा उठता है वह विदेशी देशों में स्थापित प्रतिनिधि कार्यालयों, विदेशी शाखाओं और भारत में स्थापित ऑफ-शोर बैंकिंग इकाइयों को 'अभिन्न विदेशी संचालन' या 'गैर-अभिन्न विदेशी संचालन' के रूप में वर्गीकृत करने से संबंधित है।

(बी) भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के संचालन और मानक के अनुच्छेद 20 में सूचीबद्ध संकेतकों को ध्यान में रखते हुए, यह स्पष्ट किया जाता है कि भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं, आईएफएससी बैंकिंग इकाइयां (आईबीयू) और बैंकों द्वारा भारत में स्थापित ऑफशोर बैंकिंग इकाइयां (ओबीयू) को 'गैर-अभिन्न विदेशी संचालन' के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। विदेश में स्थापित बैंकों के प्रतिनिधि कार्यालयों के संचालन और मानक के अनुच्छेद 18 में दिए गए स्पष्टीकरण को ध्यान में रखते हुए, प्रतिनिधि कार्यालयों को 'अभिन्न विदेशी संचालन' के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। ये वर्गीकरण मानक के अनुपालन के सीमित उद्देश्य के लिए हैं।

(ii) विदेशी मुद्रा लेनदेन रिकॉर्ड करने के लिए विनिमय दर और गैर-अभिन्न विदेशी संचालन के वित्तीय विवरणों का अनुवाद।

(ए) मानक के अनुच्छेद 9 और 21 के अनुसार, एक विदेशी मुद्रा लेनदेन को भारतीय शाखाओं और अभिन्न विदेशी संचालन द्वारा, रिपोर्टिंग मुद्रा में प्रारंभिक मान्यता पर, लेनदेन की तारीख पर रिपोर्टिंग मुद्रा और विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर को लागू करके रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके अलावा, मानक के अनुच्छेद 24 (बी) में कहा गया है कि गैर-अभिन्न विदेशी संचालन की आय और व्यय मदों को लेनदेन की तारीखों पर विनिमय दरों पर अनुवादित किया जाएगा। किसी बैंक की भारतीय शाखाओं और अभिन्न विदेशी संचालन को उन मदों के संबंध में लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर को लागू करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है जो भारतीय रुपये में दर्ज नहीं की जा रही हैं या वर्तमान में एक कल्पित विनिमय दर का उपयोग करके दर्ज की जा रही हैं, उनके व्यापक शाखा नेटवर्क और लेनदेन की मात्रा के कारण। लेन-देन की तारीखों पर विनिमय दरों को लागू



करके बैंक को गैर-अभिन्न विदेशी संचालन के आय और व्यय मदों का अनुवाद करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

(बी) बैंक, जो अपनी भारतीय शाखाओं और अभिन्न विदेशी संचालन में विदेशी मुद्रा लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर को लागू करने की स्थिति में है और एएस 11 के तहत आवश्यक रूप से गैर-अभिन्न विदेशी संचालन की आय और व्यय मदों का अनुवाद करने के लिए आवश्यक है, आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा। बैंक, जिसके पास व्यापक शाखा नेटवर्क है, विदेशी मुद्रा लेनदेन की उच्च मात्रा है और प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर पूरी तरह से सुसज्जित नहीं है, उसे निम्नलिखित द्वारा निर्देशित किया जाएगा:

(i) मानक का अनुच्छेद 10, व्यावहारिक कारणों से, लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर के अनुमानित दर के उपयोग की अनुमति देता है। मानक यह भी बताता है कि यदि विनिमय दरों में काफी उतार-चढ़ाव होता है, तो एक अवधि के लिए औसत दर का उपयोग अविश्वसनीय है। चूंकि उद्यमों को लेनदेन की घटना की तारीख पर लेनदेन रिकॉर्ड करने की आवश्यकता होती है, इसलिए संबंधित सप्ताह में होने वाले लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए पिछले सप्ताह की साप्ताहिक औसत समापन दर का उपयोग किया जा सकता है, यदि यह लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर के अनुमान के बराबर है। लेन-देन की तारीखों पर विनिमय दरों को लागू करने में बैंक को होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए और चूंकि मानक लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर के अनुमानित दर के उपयोग की अनुमति देता है, बैंक नीचे दिए गए औसत दरों का उपयोग कर सकता है:

(ii) फेडआई प्रत्येक सप्ताह के अंत में एक साप्ताहिक औसत समापन दर और प्रत्येक तिमाही के अंत में विभिन्न मुद्राओं के लिए एक त्रैमासिक औसत समापन दर प्रकाशित करता है।

(iii) भारतीय शाखाओं और अभिन्न विदेशी संचालन के संबंध में, वे विदेशी मुद्रा लेनदेन, जो वर्तमान में लेनदेन की तारीख पर भारतीय रुपये में दर्ज नहीं किए जा रहे हैं या एक कल्पित विनिमय दर का उपयोग करके दर्ज किए जा रहे हैं, अब लेनदेन की तारीख पर रिकॉर्ड किए जाएंगे। फेडआई द्वारा प्रकाशित पिछले सप्ताह की साप्ताहिक



औसत समापन दर का उपयोग करके, यदि लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर अनुमानित है।

- (iv) आम तौर पर, एक भारतीय बैंक अपनी घरेलू और विदेशी शाखाओं के लिए त्रैमासिक या लंबी अवधि के अंतराल पर समेकित खाते तैयार करता है। इसलिए, बैंक तिमाही के अंत में फेडाई द्वारा प्रकाशित तिमाही औसत समापन दर का उपयोग तिमाही के दौरान गैर-अभिन्न विदेशी संचालन के आय और व्यय मदों के अनुवाद के लिए कर सकता है।
- (v) यदि पिछले सप्ताह की साप्ताहिक औसत समापन दर लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर के करीब नहीं है, तो लेनदेन की तारीख पर समापन दर का उपयोग किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए, पिछले सप्ताह की साप्ताहिक औसत समापन दर को लेनदेन की तारीख पर वास्तविक दर का अनुमान नहीं माना जाएगा यदि (ए) पिछले सप्ताह की साप्ताहिक औसत समापन दर और (बी) लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर के बीच का अंतर (बी) का साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक है। गैर-अभिन्न विदेशी संचालन के संबंध में, यदि तिमाही के दौरान महत्वपूर्ण विनिमय उतार-चढ़ाव होते हैं, तो गैर-अभिन्न विदेशी संचालन की आय और व्यय मदों को तिमाही औसत समापन दर के बजाय लेनदेन की तारीख पर विनिमय दर का उपयोग करके अनुवादित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए, विनिमय दर के उतार-चढ़ाव को महत्वपूर्ण माना जाएगा, यदि लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर के दो दरों के बीच का अंतर सात प्रतिशत से अधिक है।
- (vi) किसी बैंक को भारतीय शाखाओं के साथ-साथ अभिन्न विदेशी संचालन के विदेशी मुद्रा लेनदेन को रिकॉर्ड करने और लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर गैर-अभिन्न विदेशी संचालन की आय और व्यय मदों का अनुवाद करने के लिए खुद को तत्पर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(iii) समापन दर



(ए) मानक का अनुच्छेद 7 'समापन दर' को तुलन पत्र की तारीख पर विनिमय दर के रूप में परिभाषित करता है।

(बी) बैंकों के बीच एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए, संबंधित लेखा अवधि के लिए एएस 11 (संशोधित 2003) के प्रयोजनों के लिए लागू की जाने वाली समापन दर उस लेखा अवधि के लिए फेडाई द्वारा घोषित अंतिम समापन स्पॉट दर होगी।

(iv) **विदेशी मुद्रा अनुवाद आरक्षित निधि (एफसीटीआर)**

(1) विदेशी शाखाओं से संचित लाभ/प्रतिधारित आय की वापसी पर एफसीटीआर से लाभ और हानि खाते में लाभ की मान्यता के संदर्भ में, यह स्पष्ट किया जाता है कि संचित लाभ एएस 11 के अनुसार गैर- अभिन्न विदेशी संचालन में ब्याज के निपटान या आंशिक निपटान के रूप में नहीं माना जाएगा।

(बी) तदनुसार, विदेशी परिचालन से लाभ की वापसी पर एफसीटीआर में रखे गए आनुपातिक विनिमय लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में मान्यता नहीं देगा।

(v) **लेखांकन मानक 17 - प्रखण्ड लेखांकन**

एएस 17 - खंड रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण के लिए संकेतक प्रारूप नीचे दिए गए हैं:

प्रारूप

भाग ए: व्यवसाय खंड

(राशि ₹ करोड़ में)

व्यापार खंड →	कोषागार		कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग		रिटेल बैंकिंग		अन्य बैंकिंग व्यवसाय		कुल	
विवरण ↓	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
राजस्व										
परिणाम										
अनाबंटित व्यय										
परिचालन लाभ										
आय कर										
असाधारण लाभ/हानि										
निवल लाभ										



व्यापार खंड →	कोषागार		कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग		रिटेल बैंकिंग		अन्य बैंकिंग व्यवसाय		कुल	
विवरण ↓	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
अन्य जानकारी:										
खंड की आस्ति										
अनबंटित आस्तियां										
कुल आस्ति										
खंड देयताएं										
अनबंटित देयताएं										
कुल देयताएं										

नोट: छायांकित भाग में कोई प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है

भाग बी: भौगोलिक खंड

(राशि ₹ करोड़ में)

	घरेलू		अंतरराष्ट्रीय		कुल	
	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
राजस्व						
आस्ति						

नोट:

ए) व्यापार खंड को आम तौर पर प्राथमिक रिपोर्टिंग प्रारूप माना जाएगा और भौगोलिक खंड को द्वितीयक रिपोर्टिंग प्रारूप माना जाएगा।

बी) व्यापार खंड 'कोषागार', 'कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग', 'रिटेल बैंकिंग' और 'अन्य बैंकिंग संचालन' होंगे।

सी) 'घरेलू' और 'अंतरराष्ट्रीय' खंड प्रकटीकरण के लिए भौगोलिक खंड होंगे।

डी) बैंक, उचित और सुसंगत आधार पर, खंडों के बीच व्यय के आवंटन के लिए अपनी स्वयं की विधियों को अपनाएगा।

ई) कोषागार में संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो शामिल होगा।

एफ) रिटेल बैंकिंग में ऐसे एक्सपोज़र शामिल होंगे जो भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - पूंजी पर्याप्तता पर विवेकपूर्ण मानदंड) निदेश, 2025 में निर्धारित खुदरा एक्सपोज़र



के लिए अभिविन्यास, उत्पाद, ग्रेन्युलैरिटी और व्यक्तिगत एक्सपोजर के कम मूल्य के चार मानदंडों को पूरा करते हैं। व्यक्तिगत आवास ऋण भी एएस-17 के तहत रिपोर्टिंग के उद्देश्य से खुदरा बैंकिंग खंड का भाग होंगे।

जी) कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग में ट्रस्टों, साझेदारी फर्मों, कंपनियों और सांविधिक निकायों को दिए गए सभी अग्रिम शामिल हैं, जो खुदरा बैंकिंग के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।

एच) अन्य बैंकिंग व्यवसाय में 'कोषागार', 'थोक बैंकिंग' और 'खुदरा बैंकिंग' खंडों के अंतर्गत शामिल नहीं किए गए अन्य सभी बैंकिंग संचालन शामिल हैं। इसमें पैरा बैंकिंग लेनदेन/गतिविधियों जैसे अन्य सभी अवशिष्ट संचालन भी शामिल होंगे।

आई) उपर्युक्त खंडों के अलावा, बैंक 'अन्य बैंकिंग व्यवसाय' के भीतर अतिरिक्त खंडों की रिपोर्ट करेगा जो रिपोर्ट करने योग्य खंडों की पहचान के लिए एएस 17 में निर्धारित मात्रात्मक मानदंड को पूरा करते हैं।

जे) बैंक खुदरा बैंकिंग को (i) डिजिटल बैंकिंग और (ii) अन्य खुदरा बैंकिंग खंडों में उप-विभाजित करेगा। डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) द्वारा अधिग्रहित डिजिटल बैंकिंग उत्पादों या मौजूदा डिजिटल बैंकिंग उत्पादों से संबंधित व्यवसाय को 'डिजिटल बैंकिंग' खंड के तहत समूहित करने के लिए योग्य माना जाएगा।

(vi) लेखांकन मानक 18 - सम्बद्ध पक्षकार अभिव्यक्ति

एएस 18 के अनुच्छेद 23 से 26 द्वारा आवश्यक प्रकटीकरण का तरीका नीचे दर्शाया गया है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि नीचे दिया गया प्रारूप केवल प्रकृति में उदाहरण है और यह संपूर्ण नहीं है।

(राशि ₹ करोड़ में)

मद/संबंधित पक्ष	जनक कंपनी (स्वामित्व या नियंत्रण के अनुसार)	अनुषंगी	एसोसिएट्स संयुक्त उद्यम	मुख्य प्रबंधन कर्मी @	मुख्य प्रबंधन कर्मी के रिश्तेदार	कुल
उधार#						
जमा#						
जमा का प्लेसमेंट #						
अग्रिम#						
निवेश#						
गैर-वित्त पोषित						



मद/संबंधित पक्ष	जनक कंपनी (स्वामित्व या नियंत्रण के अनुसार)	अनुषंगी	एसोसिएट्स संयुक्त उद्यम	मुख्य प्रबंधन कर्मी @	मुख्य प्रबंधन कर्मी के रिश्तेदार	कुल
प्रतिबद्धताएं #						
पट्टे/एचपी व्यवस्था का लाभ उठाया गया #						
पट्टे/एचपी व्यवस्था प्रदान की गई है						
स्थायी आस्तियों की खरीद						
स्थिर आस्ति की बिक्री						
ब्याज का भुगतान						
प्राप्त ब्याज						
सेवाओं का प्रदान करना *						
सेवाओं की प्राप्ति *						
प्रबंधन करार*						

@भारत में विदेशी बैंकों की शाखाओं के बोर्ड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ।

#वर्ष के अंत में शेष और वर्ष के दौरान अधिकतम राशि का प्रकटीकरण किया जाना है

*करार सेवाएं आदि और प्रेषण सुविधाओं, लॉकर सुविधाओं आदि जैसी सेवाएं नहीं।

टिप्पणियाँ:

ए) बैंक के लिए संबंधित पक्ष उसके मूल, सहायक (सहायक), सहयोगी/संयुक्त उद्यम, प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी) और केएमपी के रिश्तेदार हैं। केएमपी एक भारतीय बैंक के पूर्णकालिक निदेशक और भारत में शाखाओं वाले एक विदेशी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। केएमपी के रिश्तेदार भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45एस में दर्शाई गई लाइनों पर होंगे

बी) संबंधित पक्ष संबंध का नाम और प्रकृति का प्रकटीकरण किया जाएगा, भले ही लेनदेन ना हुआ हो, जहां मानक के अर्थ के भीतर नियंत्रण मौजूद है। सामान्यतः मूल-सहायक संबंध के मामले में नियंत्रण मौजूद होगा। प्रकटीकरण उपरोक्त संबंधित पक्ष श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए कुल तक सीमित हो सकते हैं और वर्ष के अंत की स्थिति के साथ-साथ वर्ष के दौरान अधिकतम स्थिति से संबंधित होंगे।



सी) लेखांकन मानक सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों पर लागू होता है। लेखांकन मानक राज्य-नियंत्रित उद्यमों, अर्थात्, एक राष्ट्रीयकृत बैंक को अन्य संबंधित पार्टियों के साथ अपने लेनदेन से संबंधित कोई भी प्रकटीकरण करने से छूट देता है जो राज्य नियंत्रित उद्यम भी हैं। इस प्रकार, एक राष्ट्रीयकृत बैंक को अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ-साथ इसके द्वारा प्रायोजित आरआरबी के साथ अपने लेनदेन का प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, इसे अन्य संबंधित पक्षों के साथ अपने लेनदेन का प्रकटीकरण करना आवश्यक होगा।

डी) गोपनीयता प्रावधान: यदि उपरोक्त श्रेणी के संबंधित पक्षों में से किसी में केवल एक संबंधित पक्ष इकाई है, तो कोई भी प्रकटीकरण ग्राहक गोपनीयता के उल्लंघन के बराबर होगा। एस 18 के संदर्भ में, प्रकटीकरण आवश्यकताएं उन परिस्थितियों में लागू नहीं होती हैं जब इस तरह के प्रकटीकरण प्रदान करने से रिपोर्टिंग उद्यम के गोपनीयता के कर्तव्य का टकराव होगा, जैसा कि विशेष रूप से कानून, विनियामक या समान सक्षम प्राधिकारी के संदर्भ में आवश्यक है। इसके अलावा, यदि किसी उद्यम को नियंत्रित करने वाला कोई कानून या विनियामक उद्यम को कुछ जानकारी प्रकट करने से रोकता है, जिसे प्रकट करने की आवश्यकता है, तो ऐसी जानकारी का प्रकटीकरण न करना लेखांकन मानकों के अनुपालन के रूप में नहीं माना जाएगा। ग्राहक विवरण की गोपनीयता बनाए रखने के बैंक के न्यायिक रूप से निर्धारित सामान्य कानूनी कर्तव्य के कारण, इसे ऐसे प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त को देखते हुए, जहां लेखांकन मानकों के तहत संबंधित पक्ष के किसी भी श्रेणी के संबंध में समेकित प्रकटीकरण नहीं है, अर्थात्, जहां संबंधित पक्ष की किसी भी श्रेणी में केवल एक इकाई है, तो बैंक को उस संबंधित पक्ष के साथ संबंध के अलावा उस संबंधित पक्ष से संबंधित कोई भी विवरण प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है।

(vii) लेखांकन मानक 23 - समेकित वित्तीय विवरणों में सहयोगी कंपनियों में निवेश का लेखांकन



(ए) यह लेखांकन मानक समेकित वित्तीय विवरणों (सीएफएस) में, समूह की वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणामों पर सहयोगियों में निवेश के प्रभावों को पहचानने के लिए सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को निर्धारित करता है।

(बी) मानक की आवश्यकता है कि एक सहयोगी में निवेश को इक्विटी पद्धति के तहत सीएफएस में कुछ अपवादों के अधीन माना जाना चाहिए।

(सी) 'एसोसिएट' शब्द को एक ऐसे उद्यम के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें निवेशक का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है और जो निवेशक का सहायक या संयुक्त उद्यम नहीं होता है।

(डी) 'महत्वपूर्ण प्रभाव' निवेशकर्ता के वित्तीय और/या परिचालन नीतिगत निर्णयों में भाग लेने की शक्ति है, लेकिन उन नीतियों पर नियंत्रण नहीं है। ऐसा प्रभाव शेयर स्वामित्व, कानून या समझौते से प्राप्त किया जा सकता है।

(ई) जहां तक शेयर स्वामित्व का संबंध है, यदि कोई निवेशक, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से, निवेशित कंपनी की 20 प्रतिशत या उससे अधिक मतदान प्रभाव रखता है, तो यह माना जाता है कि निवेशक का महत्वपूर्ण प्रभाव है, जब तक कि यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया जा सके कि ऐसा नहीं है। इसके विपरीत, यदि निवेशक, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से, निवेशित की मतदान प्रभाव के 20 प्रतिशत से कम रखता है, तो यह माना जाता है कि निवेशक का महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है, जब तक कि ऐसा प्रभाव स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है। किसी अन्य निवेशक द्वारा पर्याप्त या बहुमत स्वामित्व आवश्यक रूप से किसी निवेशक को महत्वपूर्ण प्रभाव रखने से नहीं रोकता है।

(एफ) मुद्दा यह है कि क्या किसी बैंक द्वारा किसी उद्यम में ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करने के परिणामस्वरूप, जिसके द्वारा बैंक के पास 20 प्रतिशत से अधिक है, एस 23 के उद्देश्य के लिए निवेशक-सहयोगी संबंध होगा। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि यद्यपि कोई बैंक अपने अग्रिमों की संतुष्टि में उधारकर्ता इकाई में 20 प्रतिशत से अधिक मतदान प्रभाव प्राप्त कर सकता है, फिर भी यह प्रदर्शित करने में सक्षम हो सकता है कि उसके पास महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रयोग करने की शक्ति नहीं है क्योंकि उसके द्वारा प्रयोग किए गए अधिकार प्रकृति में सुरक्षात्मक हैं और सहभागी नहीं हैं। ऐसी परिस्थिति में, ऐसे निवेश को इस लेखांकन मानक के तहत सहयोगी में निवेश के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसलिए,



परीक्षण केवल निवेश का अनुपात नहीं होगा, बल्कि महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रयोग करने की शक्ति प्राप्त करने का इरादा होगा।

(viii) लेखांकन मानक 24 - संचालन बंद करना

(ए) यह मानक संचालन बंद करने के बारे में जानकारी की रिपोर्टिंग के लिए सिद्धांत स्थापित करता है।

(बी) किसी बैंक की शाखाओं की आस्तियों/देयताओं को उसी बैंक की अन्य शाखाओं में स्थानांतरित करके उनका विलय या उन्हें बंद करने को (संचालन बंद करना) नहीं माना जाएगा; इसलिए, इस तरह के विलय या शाखाओं को बंद करने पर यह लेखांकन मानक लागू नहीं होगा।

(सी) प्रकटीकरण केवल तभी मानक के तहत आवश्यक होंगे:

(ए) परिचालन बंद करने के परिणामस्वरूप बैंक द्वारा देनदारी से मुक्ति और आस्तियों की वसूली हुई है, या उपरोक्त प्रभाव डालने वाले किसी परिचालन को बंद करने का निर्णय बैंक द्वारा अंतिम रूप दे दिया गया है और (बी) बंद किया गया संचालन अपनी संपूर्णता में पर्याप्त है।

(ix) लेखांकन मानक 25 - अंतरिम वित्तीय रिपोर्टिंग

(ए) यह मानक अंतरिम वित्तीय रिपोर्ट की न्यूनतम सामग्री और अंतरिम अवधि के लिए पूर्ण या संक्षिप्त वित्तीय विवरणों में मान्यता और माप के सिद्धांतों को निर्धारित करता है।

(बी) सूचीबद्ध बैंकों द्वारा सूचीबद्ध समझौतों के संदर्भ में की जाने वाली प्रकटीकरण अंतरिम रिपोर्टिंग के बराबर नहीं होगी जैसा कि एएस 25 के तहत परिकल्पित है, और इस प्रकार सूचीबद्ध बैंकों के लिए निर्धारित त्रैमासिक रिपोर्टिंग के लिए एएस 25 अनिवार्य नहीं है।

(सी) एएस 25 के तहत निर्धारित मान्यता और माप सिद्धांतों का, हालांकि, ऐसी त्रैमासिक रिपोर्टों के संबंध में अनुपालन किया जाएगा।

(x) लेखांकन मानक 26 - अमूर्त आस्तियां

(ए) यह मानक उन अमूर्त आस्तियों के लिए लेखांकन उपाय निर्धारित करता है जो किसी अन्य लेखांकन मानक में विशेष रूप से नहीं निपटाए जाते हैं।

(बी) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के संबंध में जिसे बैंक के उपयोग के लिए अनुकूलित किया गया है और कुछ समय तक उपयोग में रहने की उम्मीद है, मानक में निर्धारित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर



के संबंध में विस्तृत मान्यता और परिशोधन सिद्धांत इन मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित करता है और बैंकों द्वारा इसका पालन किया जा सकता है।

(सी) ध्यान दिया जाए कि एएस 26 के अनुपालन में बैंक के तुलन पत्र में पहचानी गई और दर्शाई गई अमूर्त आस्तियां बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 15(1) के प्रावधानों को आकर्षित करेंगी। इस धारा के तहत, जब तक कोई ऐसा व्यय जो मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिनिधित्व नहीं है, तुलन पत्र में दर्शाया जाता है, तब तक बैंक कोई लाभांश घोषित करने के लिए प्रतिबंधित है।

(डी) यदि कोई बैंक अपनी बही में अमूर्त आस्तियां रखते हुए लाभांश का भुगतान करना चाहता है, तो उसे केंद्र सरकार से बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 15(1) से छूट प्राप्त करनी होगी।



(xi) लेखांकन मानक 27 - संयुक्त उद्यमों में हितों का वित्तीय विवरण

(ए) यह मानक संयुक्त उद्यमों में हितों के लेखांकन और उद्यमियों तथा निवेशकों के वित्तीय विवरणों में संयुक्त उद्यम आस्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्टिंग के लिए लागू होता है, चाहे संयुक्त उद्यम गतिविधियां किसी भी संरचना या रूप में संपन्न हों।

(बी) यह मानक संयुक्त उद्यमों के तीन व्यापक प्रकारों की पहचान करता है, अर्थात्, संयुक्त रूप से नियंत्रित संचालन, संयुक्त रूप से नियंत्रित आस्ति, और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं।

(सी) संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के मामले में, जहां बैंक को सीएफएस प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है, संयुक्त उद्यमों में निवेश को इस मानक के प्रावधानों के अनुसार गणना की जाएगा। संयुक्त रूप से नियंत्रित संचालन और संयुक्त रूप से नियंत्रित आस्तियों के रूप में संयुक्त उद्यमों के संबंध में, यह लेखा मानक एकल वित्तीय विवरणों के साथ-साथ सीएफएस दोनों के लिए लागू है।

(डी) यह स्पष्ट किया जाता है कि यद्यपि लेखांकन मानक के अनुच्छेद 26 में यह निर्धारित किया गया है कि एकल वित्तीय विवरणों के प्रयोजन के लिए, संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में निवेश को एस 13 के अनुसार लेखांकित किया जाना है, ऐसे निवेश को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाना है क्योंकि एस 13 बैंकों पर लागू नहीं होता है।

(ई) किसी बैंक द्वारा प्रायोजित आरआरबी को सहयोगी माना जाएगा और आरआरबी में निवेश के लिए एस 27 लागू नहीं होगा। हालांकि, आरआरबी में निवेश को एस 23 के प्रावधानों के अनुसार सीएफएस में गणना किया जाएगा।

(xii) लेखांकन मानक 28 - आस्तियों का मूल्यहास

(ए) यह मानक उन प्रक्रियाओं को निर्धारित करता है जिनके द्वारा कोई उद्यम यह सुनिश्चित करता है कि उसकी आस्तियों को उनकी पुनःप्राप्य राशि से अधिक मूल्य पर नहीं दिखाया गया है।



(बी) यह स्पष्ट किया जाता है कि मानक सूची, निवेश और अन्य वित्तीय आस्तियों जैसे ऋण और अग्रिम पर लागू नहीं होगा और आम तौर पर बैंक पर लागू होगा जहां तक यह निश्चित आस्ति से संबंधित है।

(सी) यह मानक सामान्यतः वित्तीय पट्टा आस्तियों और दावों के निपटान में अर्जित गैर-बैंकिंग आस्तियों पर केवल तभी लागू होगा जब इकाई के हास के संकेत स्पष्ट हों।



अध्याय III-वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण - लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

7. बैंक वित्तीय विवरणों के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में इस अध्याय में विनिर्दिष्ट जानकारी का प्रकटीकरण करेगा।

स्पष्टीकरण 1: इन खुलासों का उद्देश्य केवल पूरक है और अन्य कानूनों, विनियमों या लेखांकन और वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों के तहत प्रकटीकरण आवश्यकताओं को प्रतिस्थापित करना नहीं है।

स्पष्टीकरण 2: बैंक को ऐसे प्रकटीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो इन निदेशों के तहत आवश्यक न्यूनतम से अधिक व्यापक हैं, खासकर यदि ऐसे प्रकटीकरण वित्तीय स्थिति और निष्पादन की समझ में महत्वपूर्ण रूप से सहायता करते हैं।

ए. सामान्य

8. इन निदेशों में सूचीबद्ध वस्तुओं को वित्तीय विवरणों के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में प्रकट किया जाएगा। बैंक जहां भी मामला महत्वपूर्ण हो, वहां अतिरिक्त प्रकटीकरण करेगा।

बी. प्रस्तुतीकरण

9. तुलन पत्र के अनुसूची के अलावा, 'महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों' और 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' का सारांश अलग अनुसूची के रूप में प्रकट किया जाएगा।

सी. प्रकटीकरण आवश्यकताएं

10. बैंक, न्यूनतम रूप से, 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा। बैंक ध्यान देगा कि प्रकटीकरण टेम्पलेट में किसी गतिविधि, लेनदेन या मद का उल्लेख मात्र यह नहीं दर्शाता है कि इसकी अनुमति है, और बैंक किसी गतिविधि या लेनदेन की अनुमति या अन्यथा का निर्धारण करते समय मौजूदा सांविधिक और विनियामक आवश्यकताओं का उल्लेख करेगा। बैंक वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों में बताई गई सभी राशियों के लिए पिछली अवधि के संबंध में तुलनात्मक जानकारी प्रकट करेगा। इसके अलावा, बैंक कथनात्मक और वर्णनात्मक जानकारी के लिए तुलनात्मक जानकारी शामिल करेगा यदि यह वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों को समझने के लिए प्रासंगिक है।



(1) विनियामक पूंजी

(i) विनियामक पूंजी की संरचना

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i)	सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी (सीईटी 1) (कटौतियों के बाद, यदि कोई हो)		
ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी		
iii)	टियर 1 पूंजी (I + II)		
iv)	टियर 2 पूंजी		
v)	कुल पूंजी (टियर 1 + टियर 2)		
vi)	कुल जोखिम भारित आस्ति (आरडब्ल्यूए)		
vii)	सीईटी 1 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में सीईटी 1)		
viii)	टियर 1 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूंजी)		
ix)	टियर 2 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर 2 पूंजी)		
x)	पूंजी से जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में कुल पूंजी)		
xi)	लीवरेज अनुपात		
xii)	भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत		
xiii)	वर्ष के दौरान जुटाई गई प्रदत्त इक्विटी पूंजी की राशि		
xiv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई गैर-इक्विटी टियर 1 पूंजी की राशि, जिसमें से: लिखत के प्रकार के अनुसार सूची दें (शाश्वत गैर-संचयी वरीयता शेयर, शाश्वत ऋण लिखत, आदि)। बैंक यह भी विनिर्दिष्ट करेगा कि क्या लिखत बेसल 3 के अनुरूप हैं।		
xv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई टियर 2 पूंजी की राशि, जिसमें से: लिखत प्रकार के अनुसार सूची दें (शाश्वत संचयी वरीयता शेयर, ऋण पूंजी लिखत, आदि)। बैंक यह भी विनिर्दिष्ट करेगा कि क्या लिखत बेसल 3 के अनुरूप हैं।		

* उदाहरण: बैंक निम्नानुसार प्रकटीकरण कर सकता है

	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के दौरान जुटाई गई गैर-इक्विटी टियर 1 पूंजी की राशि जिसमें से:	###	###
ए) बासेल 3 के अनुरूप शाश्वत गैर-संचयी वरीयता शेयर	###	###
बी) बासेल 3 के अनुरूप शाश्वत ऋण लिखत	###	###



(ii) **आरक्षित निधियों से आहरण :** आरक्षित निधियों से किसी भी आहरण के संबंध में, आहरण की राशि और उसके औचित्य का उल्लेख करते हुए उचित प्रकटीकरण किया जाएगा।

(2) आस्ति देयता प्रबंधन

(i) **आस्ति और देयताओं की कतिपय मदों की परिपक्वता संरचना**

(राशि ₹ करोड़ में)

	प्रथम दिन	2 से 7 दिन	8 से 14 दिन	15 से 30 दिन	31 दिन तक 2 महीने	2 महीने से अधिक और 3 महीने तक	3 महीने से अधिक और 6 महीने तक	6 महीने से अधिक और 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक और 2 वर्ष तक	2 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	5 से अधिक वर्ष	कुल
जमा												
अग्रिम												
निवेश												
उधारियां												
विदेशी मुद्रा आस्तियां												
विदेशी मुद्रा देयताएं												

(ii) **चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर):** बैंक को प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की सभी चार तिमाहियों (चाहे लेखापरीक्षित हो या अन्यथा) को कवर करने वाले अपने एलसीआर पर नीचे दिए गए टेम्पलेट में जानकारी प्रकट करनी चाहिए।

(राशि ₹ करोड़ में)

		तिमाही समाप्त (इसी प्रकार, प्रत्येक चार तिमाहियों का खंड होगा)	
		कुल गैर-भारित मूल्य (औसत)	कुल भारित @ मूल्य (औसत)
1	कुल उच्च गुणवत्ता वाले तरल आस्ति (एचक्यूएलए)		
नकदी बहिर्वाह			
2	खुदरा जमा और छोटे व्यवसाय ग्राहकों से जमा, जिनमें से:		
i)	स्थिर जमा		
ii)	कम स्थिर जमा		
3	अप्रतिभूत थोक वित्तपोषण, जिसमें से:		
i)	परिचालन जमा (सभी प्रतिपक्ष)		
ii)	गैर-परिचालन जमा (सभी प्रतिपक्ष)		
iii)	अप्रतिभूत ऋण		



		तिमाही समाप्त (इसी प्रकार, प्रत्येक चार तिमाहियों का खंड होगा)	
		कुल गैर-भारित मूल्य (औसत)	कुल भारित @ मूल्य (औसत)
4	प्रतिभूत थोक वित्तपोषण		
5	अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से		
i)	डेरिवेटिव एक्सपोजर और अन्य संपार्श्विक आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह		
ii)	ऋण उत्पादों पर धन की हानि से संबंधित बहिर्वाह		
iii)	क्रेडिट और चलनिधि सुविधाएं		
6	अन्य संविदात्मक वित्तपोषण दायित्व		
7	अन्य आकस्मिक वित्तपोषण दायित्व		
8	कुल नकदी बहिर्वाह		
नकदी अंतर्वाह			
9	प्रतिभूत ऋण (उदाहरण के लिए, रिवर्स रेपो)		
10	पूरी तरह से निष्पादन करने वाले एक्सपोजर से अंतर्वाह		
11	अन्य नकदी अंतर्वाह		
12	कुल नकदी अंतर्वाह		
			कुल समायोजित ऍडजस्टेड मूल्य
13	कुल एचक्यूएलए		
14	कुल निवल नकदी बहिर्वाह		
15	चलनिधि कवरेज अनुपात (%)		

*गैर-भारित मूल्यों की गणना 30 दिनों के भीतर परिपक्व होने वाले या मांग करने योग्य शेष के रूप में की जाएगी (आवक और बहिर्वाह के लिए) सिवाय जहां अन्यथा परिपत्र और एलसीआर टेम्पलेट में उल्लेख किया गया है।

@भारित मूल्यों की गणना संबंधित कटौतियों (एचक्यूएलए के लिए) या अंतर्वाह और बहिर्वाह दरों (अंतर्वाह और बहिर्वाह के लिए) के लागू होने के बाद की जाएगी।

\$समायोजित मूल्यों की गणना (ए) कटौती और अंतर्वाह और बहिर्वाह दरों और (बी) किसी भी लागू कैप (अर्थात्, एचक्यूएलए के लिए स्तर 2बी और स्तर 2 की आस्तियों पर कैप और अंतर्वाह पर कैप) दोनों के लागू होने के बाद की जाएगी।

(ए) डेटा को पिछली तिमाही (अर्थात्, औसत की गणना 90 दिनों की अवधि में की जाती है) में दैनिक अवलोकनों के सरल औसत के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

(बी) अधिकांश डेटा मदों के लिए, एलसीआर घटकों के भारित और भारित दोनों मूल्यों को प्रकटीकरण टेम्पलेट में दिए गए अनुसार प्रकट किया जाएगा। आवक और बहिर्वाह का भारहीन मूल्य देयताओं, तुलनपत्रेतर मद या संविदात्मक प्राप्य की विभिन्न श्रेणियों या प्रकारों की शेष शेष राशि के रूप में गणना की जाएगी। कटौतियों के बाद एचक्यूएलए का भारित



मूल्य की गणना की जाएगी। इनफ्लो और आउटफ्लो के लिए भारित मूल्य की गणना इनफ्लो और आउटफ्लो दरों के लागू होने के बाद मूल्य के रूप में की जाएगी। कुल एचक्यूएलए और कुल निवल नकदी बहिर्वाह को समायोजित मूल्य के रूप में प्रकट किया जाएगा, जहां एचक्यूएलए का समायोजित मूल्य इस ढांचे में दर्शाए गए स्तर 2बी और स्तर 2 की आस्तियों पर दोनों कटौतियों और किसी भी लागू कैप के लागू होने के बाद कुल एचक्यूएलए का मूल्य है। निवल नकदी बहिर्वाह का समायोजित मूल्य, यदि लागू हो, तो अंतर्वाह पर सीमा लागू होने के बाद गणना की जानी है।

(सी) उपरोक्त प्रकटीकरण के अलावा, बैंक प्रदान किए गए परिणामों और डेटा की समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए एलसीआर के आसपास पर्याप्त गुणात्मक चर्चा प्रदान करेगा। उदाहरण के लिए, जहां एलसीआर के लिए महत्वपूर्ण है, बैंक चर्चा कर सकता है:

- इसके एलसीआर परिणामों के मुख्य चालक और समय के साथ एलसीआर की गणना में इनपुट के योगदान का विकास;
- अंतरा अवधि में परिवर्तन के साथ-साथ समय के साथ परिवर्तन भी
- एचक्यूएलए की संरचना;
- वित्तपोषण स्रोतों की संकेंद्रण;
- डेरिवेटिव एक्सपोजर और संभावित संपार्श्विक मांग;
- एलसीआर में मुद्रा का मिलान नहीं हुआ;
- चलनिधि प्रबंधन के केंद्रीकरण की डिग्री और समूह की इकाइयों के बीच बातचीत का विवरण; और
- एलसीआर गणना में अन्य अंतर्वाह और बहिर्वाह जो एलसीआर सामान्य टेम्पलेट में नहीं पकड़े जाते हैं लेकिन जिसे संस्था अपनी चलनिधि के लिए प्रासंगिक मानती है।

(iii) नेट स्टेबल फंडिंग अनुपात (एनएसएफआर)

(ए) बैंक अपने वित्तीय विवरण/परिणामों (अर्थात्, आमतौर पर त्रैमासिक या अर्धवार्षिक) के प्रकाशन के साथ एक सामान्य टेम्पलेट में प्रकटीकरण प्रकाशित करेगा, भले ही वित्तीय



विवरण/परिणाम ऑडिट किए गए हों। एनएसएफआर जानकारी की गणना समेकित आधार पर की जाएगी और इसे भारतीय रुपये में प्रस्तुत किया जाएगा।

(बी) बैंक या तो इन एनएसएफआर प्रकटीकरण को अपनी प्रकाशित वित्तीय रिपोर्ट में शामिल करेगा या, कम से कम, अपनी वेबसाइटों पर या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध विनियामक रिपोर्टों में पूर्ण प्रकटीकरण के लिए एक सीधा और प्रमुख लिंक प्रदान करेगा।

(सी) डेटा को तिमाही-अंत अवलोकन के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। वार्षिक आधार पर रिपोर्टिंग करने वाले बैंक के लिए, एनएसएफआर को पिछले चार तिमाहियों के लिए रिपोर्ट किया जाएगा। एनएसएफआर घटकों के भारित और भारहीन दोनों मूल्यों को प्रकट किया जाएगा जब तक कि अन्यथा संकेत न दिया गया हो। भारित मूल्यों की गणना उपलब्ध स्थिर वित्तपोषण (एसएफ) या आवश्यक स्थिर वित्तपोषण (आएसएफ) कारकों के बाद के मूल्यों के रूप में की जाती है। बैंक अपनी वेबसाइटों पर, या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध विनियामक रिपोर्टों के माध्यम से, पिछली रिपोर्टिंग अवधि से संबंधित सभी टेम्पलेट्स का एक संग्रह भी उपलब्ध कराएगा। प्रकटीकरण के स्थान के बावजूद, न्यूनतम प्रकटीकरण आवश्यकताएं इस अध्याय में निर्धारित प्रारूप में होनी चाहिए।

(डी) डेटा को तिमाही-अंत अवलोकन के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। अर्ध-वार्षिक आधार पर रिपोर्ट करने वाले बैंकों के लिए, एनएसएफआर को पिछले दो तिमाहियों में से प्रत्येक के लिए रिपोर्ट किया जाना चाहिए। वार्षिक आधार पर रिपोर्ट करने वाले बैंकों के लिए, एनएसएफआर को पिछले चार तिमाहियों के लिए रिपोर्ट किया जाना चाहिए। एनएसएफआर घटकों के भारित और भारहीन दोनों मूल्यों को प्रकट किया जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा संकेत न दिया गया हो। भारित मूल्यों की गणना एसएफ या आएसएफ कारकों के बाद के मूल्यों के रूप में की जाती है।

(ई) बैंक, नीचे निर्धारित टेम्पलेट के अलावा, परिणामों और साथ के डेटा की समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए एनएसएफआर के आसपास पर्याप्त गुणात्मक चर्चा प्रदान करेगा।

स्पष्टीकरण: उदाहरण के लिए, जहां एनएसएफआर के लिए महत्वपूर्ण है, बैंक अपने एनएसएफआर परिणामों और अंतर-अवधि परिवर्तनों के कारणों के साथ-साथ समय के साथ परिवर्तनों (उदाहरण के लिए, रणनीतियों में परिवर्तन, वित्त पोषण संरचना, परिस्थितियां आदि) पर चर्चा कर सकता है।



एनएसएफआर प्रकटीकरण टेम्पलेट						
(₹ करोड़ में)		अवशिष्ट परिपक्वता द्वारा भारहीन मूल्य				भारित मूल्य
		कोई परिपक्वता नहीं *	6 महीने से कम	6 महीने से <	≥ 1yr	
एसएफ मद						
1	पूंजी: (2+3)					
2	विनियामक पूंजी					
3	अन्य पूंजी लिखत					
4	खुदरा जमा और छोटे व्यवसाय ग्राहकों से जमा: (5+6)					
5	स्थिर जमा					
6	कम स्थिर जमा					
7	थोक वित्तपोषण: (8+9)					
8	परिचालन जमा					
9	अन्य थोक वित्तपोषण					
10	अन्य देयताएं: (11+12)					
11	एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएं					
12	अन्य सभी देयताएं और इक्विटी उपरोक्त श्रेणियों में शामिल नहीं हैं					
13	कुल एसएफ (1+4+7+10)					
आरएसएफ मद						
14	कुल एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाले तरल आस्ति (एचक्यूएलए)					
15	परिचालन उद्देश्यों के लिए अन्य वित्तीय संस्थानों में रखी गई जमा राशि					
16	निष्पादन ऋण और प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)					
17	लेवल 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रतिभूत वित्तीय संस्थानों को ऋण देना					
18	वित्तीय संस्थानों को गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रतिभूत निष्पादन ऋण और वित्तीय संस्थानों को अप्रतिभूत निष्पादन ऋण प्रदान करना					
19	गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को ऋण देना, खुदरा और छोटे व्यवसाय ग्राहकों को ऋण देना, और संप्रभु, केंद्रीय बैंकों और पीएसई को ऋण देना, जिनमें से:					
20	क्रेडिट जोखिम के लिए बेसल 2 मानक दृष्टिकोण के तहत 35% से कम या उसके बराबर के जोखिम भार के साथ					



एनएसएफआर प्रकटीकरण टेम्पलेट						
(₹ करोड़ में)		अवशिष्ट परिपक्वता द्वारा भारहीन मूल्य				भारित मूल्य
21	आवासीय बंधक का निष्पादन, जिसमें शामिल हैं:					
22	क्रेडिट जोखिम के लिए बेसल 2 मानक दृष्टिकोण के तहत 35% से कम या उसके बराबर के जोखिम भार के साथ					
23	प्रतिभूतियाँ जो डिफॉल्ट में नहीं हैं और एचक्यूएलए के रूप में योग्य नहीं हैं, जिसमें एक्सचेंज-ट्रेडेड इक्विटी भी शामिल हैं					
24	अन्य आस्तियाँ: (पंक्ति 25 से 29 की राशि)					
25	सोने सहित भौतिक व्यापारिक वस्तुएं					
26	डेरिवेटिव अनुबंधों के लिए प्रारंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्ति और सीसीपी के डिफॉल्ट निधि में योगदान					
27	एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्ति					
28	विचलन मार्जिन पोस्ट करने से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएं					
29	अन्य सभी आस्तियाँ जो उपरोक्त श्रेणियों में शामिल नहीं हैं					
30	तुलनपत्रेतर मद					
31	कुल आरएसएफ					
32	निवल स्टेबल फंडिंग अनुपात (%)					

* 'कोई परिपक्वता नहीं' समय बकेट में रिपोर्ट की जाने वाली वस्तुओं की कोई घोषित परिपक्वता नहीं है। इनमें शामिल हो सकते हैं, लेकिन शाश्वत परिपक्वता वाली पूंजी, गैर-परिपक्वता जमा, लघु स्थिति, खुली परिपक्वता स्थिति, गैर-एचक्यूएलए इक्विटी और भौतिक व्यापारिक वस्तुओं जैसी चीजें शामिल हैं।

नोट: एलसीआर और एनएसएफआर सहित आस्ति देयता प्रबंधन पर संबंधित दिशानिर्देशों के लिए बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - आस्ति देयता प्रबंधन) निदेश, 2025, यथासमाय संशोधित, द्वारा निर्देशित किया जाएगा।



(3) निवेश

(i) निवेश पोर्टफोलियो की संरचना

(राशि ₹ करोड़ में)

	वर्तमान वर्ष							पिछले वर्ष						
	एचटीएम		एएफएस	एफवीटीपीएल		सहायक कंपनियां, एसोसिएट्स और जेवी		एचटीएम		एएफएस	एफवीटीपीएल		सहायक, सहयोगी और जेवी	
	लागत पर	उचित मूल्य		एचएफटी	गैर-एचएफटी	लागत पर	उचित मूल्य	लागत पर	उचित मूल्य		एचएफटी	गैर-एचएफटी	लागत पर	उचित मूल्य
I. भारत में निवेश														
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ														
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ														
(iii) शेयर														
(iv) प्रतिभूतियाँ और बांड														
(v) सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम														
(vi) अन्य														
कुल														
घटाएँ: हानि/एनपीआई के लिए प्रावधान														
निवल														
II. भारत के बाहर निवेश														
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)														
(i) सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम														
(iii) अन्य निवेश														
कुल														
घटाएँ: हानि/एनपीआई के लिए प्रावधान														
निवल														
कुल निवेश (I+II)														



(ii) तुलन पत्र पर उचित मूल्य पर मापा गया निवेश पोर्टफोलियो का उचित मूल्य पदानुक्रम

(राशि ₹ करोड़ में)																
	वर्तमान वर्ष								पिछले वर्ष							
	एएफएस				एफवीटीपीएल				एएफएस				एफवीटीपीएल			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
I. भारत में निवेश																
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ																
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां																
(iii) शेयर																
(iv) प्रतिभूतियाँ और बांड																
(v) सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम																
(vi) अन्य																
कुल																
II. भारत के बाहर निवेश																
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)																
(i) सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम																
(iii) अन्य निवेश																
कुल																
कुल निवेश (I+II)																



- (iii) स्तर 3 वित्तीय लिखतों पर निवल लाभ / (हानि) जिसे एएफएस-रिज़र्व और लाभ व हानि खाते में मान्यता दी गई है।

	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
एएफएस-आरक्षित में निर्धारित		
लाभ और हानि खाता में निर्धारित		

नोट: इस प्रकटीकरण में स्तर 3 की आस्तियां शामिल नहीं हैं जहां आस्ति का मूल्यांकन उस आस्ति के लिए एफबीआईएल/फिमडा द्वारा घोषित मूल्य है।

- (iv) **एचटीएम से की गई बिक्री का विवरण:** एचटीएम से की गई बिक्री का विवरण वित्तीय विवरणों के लेखा संबंधी टिप्पणियों में नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार प्रकट किया जाएगा।

(राशि ₹ करोड़ में)

		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ए	एचटीएम में प्रतिभूतियों का वहन मूल्य खोलना		
बी	वर्ष के दौरान बेची गई सभी एचटीएम प्रतिभूतियों का वहन मूल्य		
सी	घटाएँ: विनियामक सीमा से छूट प्राप्त स्थितियों के तहत बेची गई प्रतिभूतियों के वहन मूल्य*		
डी	बेची गई प्रतिभूतियों का मूल्य वहन करना (डी = बी-सी)		
इ	एचटीएम (ई=डी ÷ ए) में प्रतिभूतियों के शुरुआती वहन मूल्य के प्रतिशत के रूप में बेची गई प्रतिभूतियाँ		
एफ	लाभ पर बेची गई एचटीएम प्रतिभूतियों के संबंध में कैपिटल रिज़र्व में हस्तांतरित राशि		

*किसी भी वित्तीय वर्ष में, एचटीएम से बेचे गए निवेशों का वहन मूल्य एचटीएम पोर्टफोलियो के शुरुआती वहन मूल्य के पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। उपर्युक्त पांच प्रतिशत सीमा में भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वर्गीकरण, मूल्यांकन और निवेश पोर्टफोलियो का संचालन) निदेश, 2025 के तहत दिए गए स्थितियों में प्रतिभूतियों की बिक्री शामिल नहीं होगी।

- (v) **निवेश की श्रेणियों के बीच पुनर्वर्गीकरण**

भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वर्गीकरण, मूल्यांकन और निवेश पोर्टफोलियो का संचालन) निदेश, 2025 के संदर्भ में, जब कोई बैंक निवेश को एक श्रेणी से अन्य श्रेणी में



पुनर्वर्गीकृत करता है, तो वह वित्तीय विवरणों में पुनर्वर्गीकरण समायोजन सहित ऐसे पुनर्वर्गीकरण का विवरण प्रकट करेगा।

(vi) **अनर्जक निवेश (एनपीआई) और निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित के लिए प्रावधानों का संचलन**

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i) एनपीआई के लिए रखे गए प्रावधानों में परिवर्तन ए) प्रारंभिक शेष जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान बी) जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान सी) घटाएं: वर्ष के दौरान अधिशेष प्रावधानों का बढ़ा खाते में डाला जाना / वापस लिखा जाना डी) समापन शेष		

(vii) **गैर-एसएलआर निवेश पोर्टफोलियो**

(ए) अनर्जक गैर-एसएलआर निवेश

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ए)	प्रारंभिक शेष राशि		
बी)	1 अप्रैल के बाद से वर्ष के दौरान परिवर्धन		
सी)	उक्त अवधि के दौरान कटौती		
डी)	समापन शेष राशि		
ई)	कुल प्रावधान रखे गए		

⁵ 18 मई, 2026 से प्रभावी रूप से प्रतिस्थापित; भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) छठा संशोधन निर्देश, 2026 दिनांक 18 मई, 2026 के तहत।



(बी) गैर-एसएलआर निवेशों की जारीकर्ता संरचना

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	जारीकर्ता	राशि		निजी नियोजन की सीमा		'निवेश ग्रेड से नीचे' प्रतिभूतियों की सीमा		'अनरेटेड' प्रतिभूतियों की सीमा		'असूचीबद्ध' प्रतिभूतियों की सीमा	
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)		(6)		(7)	
		चालू वर्ष	पिछले वर्ष	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
ए)	पीएसयू										
बी)	एफ.आई.एस										
सी)	बैंकों										
डी)	निजी कॉर्पोरेट										
ई)	सहायक/संयुक्त उद्यम										
एफ)	अन्य										
जी)	एनपीआई के लिए प्रावधान										
	कुल										

नोट:

1. किसी बैंक के लिए, कौलम 3 के अंतर्गत दर्शाया गया कुल योग तुलन पत्र की अनुसूची 8 में निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत शामिल निवेशों के कुल योग के बराबर होना चाहिए:

ए) भारत में निवेश:

- i) शेयर
- ii) डिबेंचर और बॉन्ड
- iii) सहायक कंपनियां और/या संयुक्त उद्यम
- iv) अन्य

बी) भारत के बाहर निवेश (जहाँ लागू हो):

- i) सरकारी प्रतिभूतियां (स्थानीय प्राधिकारियों सहित)
- ii) विदेशों में सहायक कंपनियां और/या संयुक्त उद्यम
- iii) अन्य निवेश



2. उपरोक्त कौलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत रिपोर्ट की गई राशियां परस्पर अनन्य नहीं हो सकती हैं।

(viii) रेपो लेनदेन (अंकित मूल्य और बाजार मूल्य के संदर्भ में)

(राशि ₹ करोड़ में)

	वर्ष के दौरान न्यूनतम शेष		वर्ष के दौरान अधिकतम शेष		वर्ष के दौरान दैनिक औसत शेष		31 मार्च को शेष	
	एफ वी	एमवी	एफ वी	एमवी	एफ वी	एमवी	एफ वी	एमवी
i) रेपो के तहत बेची गई प्रतिभूतियाँ								
a) सरकारी प्रतिभूतियाँ								
b) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ								
c) कोई अन्य प्रतिभूतियाँ								
ii) रिवर्स रेपो के तहत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ								
a) सरकारी प्रतिभूतियाँ								
b) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ								
c) कोई अन्य प्रतिभूतियाँ								

नोट:

(ए) एफवी का अर्थ है अंकित मूल्य और एमवी का अर्थ है बाजार मूल्य।

(बी) प्रकटीकरण [भारतीय रिज़र्व बैंक \(पुनर्खरीद लेनदेन \(रेपो\)\) निदेश, 2025](#) में विनिर्दिष्ट रूप से होगा, जो यथासमय संशोधित किया जाता है। संदर्भ की सुविधा के लिए, इस मास्टर निदेश के जारी होने की तारीख को लागू विवरण प्रारूप को यहाँ पुनः प्रस्तुत किया गया है।



(ix) सरकारी प्रतिभूति ऋण (जीएसएल) लेनदेन (बाजार मूल्य के संदर्भ में)

दिनांक: -----((वर्तमान वर्ष की तुलन पत्र दिनांक)

(राशि ₹ करोड़ में)

	वर्ष के दौरान न्यूनतम शेष	वर्ष के दौरान अधिकतम शेष	वर्ष के दौरान दैनिक औसत शेष	वर्ष के दौरान लेन-देन की कुल मात्रा	31 मार्च को शेष
जीएसएल लेनदेन के माध्यम से उधार दी गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के माध्यम से उधार ली गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के तहत संपार्श्विक के रूप में रखी गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के तहत संपार्श्विक के रूप में प्राप्त प्रतिभूतियाँ					

दिनांक: -----((पिछले वर्ष की तुलन पत्र दिनांक)

(राशि ₹ करोड़ में)

	वर्ष के दौरान न्यूनतम शेष	वर्ष के दौरान अधिकतम शेष	वर्ष के दौरान दैनिक औसत शेष	वर्ष के दौरान लेन-देन की कुल मात्रा	31 मार्च को शेष
जीएसएल लेनदेन के माध्यम से उधार दी गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के माध्यम से उधार ली गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के तहत संपार्श्विक के रूप में रखी गई प्रतिभूतियाँ					
जीएसएल लेनदेन के तहत संपार्श्विक के रूप में प्राप्त प्रतिभूतियाँ					

नोट: प्रकटीकरण [भारतीय रिज़र्व बैंक \(सरकारी प्रतिभूति ऋण\) निदेश, 2023](#) में विनिर्दिष्ट किया जाएगा, जो यथासमय संशोधित किया जाएगा। सुलभ संदर्भ के लिए इस निदेश के जारी होने की तारीख को प्रकटीकरण टेम्पलेट यहां पुनः प्रस्तुत किया गया है।



(4) आस्ति की गुणवत्ता

(i) अग्रिमों का वर्गीकरण और धारित प्रावधान

	मानक	अनर्जक				कुल
	कुल मानक अग्रिम	उप-मानक	संदिग्ध	नुकसान	कुल अनर्जक अग्रिम	
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
प्रारंभिक शेष						
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन						
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौती*						
समापन शेष राशि						
*सकल एनपीए में कमी के कारण:						
i) उन्नयन						
ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूली को छोड़कर)						
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बढ़े खाते डालना						
iv) (iii) के तहत बढ़े खाते डालने के अलावा अन्य						
प्रावधान (फ्लोटिंग प्रावधानों को छोड़कर)						
प्रावधानों की शेष राशि को खोला गया						
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए ताजे प्रावधान						
घटाएँ: अतिरिक्त प्रावधान रिवर्स गया/बढ़े खाते में डाले गए ऋण						
धारण किए गए प्रावधानों का अंतिम शेष						
निवल एनपीए						



	मानक	अनर्जक				कुल
	कुल मानक अग्रिम	उप-मानक	संदिग्ध	नुकसान	कुल अनर्जक अग्रिम	
प्रारंभिक शेष						
जोड़ें: वर्ष के दौरान नए परिवर्धन						
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौती						
समापन शेष						
फ्लोटिंग प्रावधान						
प्रारंभिक शेष						
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान						
घटाएँ: वर्ष के दौरान राशि आहरण (आहरण के लिए तर्क को तालिका के नीचे एक नोट के माध्यम से समझाया जा सकता है)						
फ्लोटिंग प्रावधानों की अंतिम शेष राशि						
तकनीकी बट्टे खाते डालने और उस पर की गई वसूली						
तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते डालने का प्रारंभिक शेष						
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते डालना						
घटाएँ: वर्ष के दौरान पहले तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाले गए खातों से की गई वसूली						
समापन शेष राशि						
नोट:						



	मानक	अनर्जक				कुल
	कुल मानक अग्रिम	उप-मानक	संदिग्ध	नुकसान	कुल अनर्जक अग्रिम	
1) लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण करते समय, बैंक को तुलना को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान और पिछले वर्ष दोनों के आंकड़े प्रदान करने चाहिए। 2) तकनीकी या विवेकपूर्ण तरीके से बढ़ा खाता से तात्पर्य उन अनभिदत्त ऋणों की राशि से है जो शाखाओं की बही-खातों में बकाया हैं, लेकिन उन्हें मुख्यालय स्तर पर (पूर्ण या आंशिक रूप से) बढ़ा खाते में डाल दिया गया है। तकनीकी बढ़ा खाते की राशि का प्रमाणन सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए। 3) जहां तक फ्लोटिंग प्रावधानों को टियर 2 पूंजी के लिए नहीं गिना गया है, उन्हें सकल एनपीए से घटाकर निवल एनपीए प्राप्त किया जा सकता है।						

अनुपात (प्रतिशत में) (लागू विनियामक अनुदेशों के अनुसार गणना की जानी है)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सकल एनपीए का सकल अग्रिमों से अनुपात		
निवल एनपीए का निवल अग्रिमों से अनुपात		
प्रावधान कवरेज अनुपात		



(ii) क्षेत्रवार अग्रिम और सकल अनर्जक आस्तियां

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र.सं.	क्षेत्र*	वर्तमान वर्ष			पिछले वर्ष		
		शेष कुल अग्रिम	सकल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का प्रतिशत	शेष कुल अग्रिम	सकल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का प्रतिशत
i)	प्राथमिकता क्षेत्र						
ए)	कृषि और संबद्ध गतिविधियां						
बी)	उद्योग क्षेत्र को अग्रिम प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में पात्र						
सी)	सेवाएँ						
डी)	व्यक्तिगत ऋण						
	उप-कुल (i)						
ii)	गैर-प्राथमिकता क्षेत्र						
ए)	कृषि और संबद्ध गतिविधियां						
बी)	उद्योग						
सी)	सेवाएँ						
डी)	व्यक्तिगत ऋण						
	उप-कुल (ii)						
	कुल (I + ii)						

*बैंक उप-क्षेत्रों को भी उपरोक्त प्रारूप में प्रकट करेगा जहां शेष अग्रिम उस क्षेत्र में कुल शेष अग्रिम के 10 प्रतिशत से अधिक है। उदाहरण के लिए, यदि खनन उद्योग को बैंक के शेष अग्रिम 'उद्योग' क्षेत्र को शेष कुल अग्रिम के 10 प्रतिशत से अधिक है, तो यह 'उद्योग' क्षेत्र के तहत ऊपर दिए गए प्रारूप में खनन को अपने शेष अग्रिम का विवरण अलग से प्रकट करेगा।



(iii) विदेशी आस्तियां, एनपीए और राजस्व

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
कुल आस्ति		
कुल एनपीए		
कुल राजस्व		

नोट: यदि किसी बैंक के पास वर्तमान और पिछले वर्ष दोनों में कोई विदेशी आस्ति, एनपीए और राजस्व नहीं है तो वह इस प्रकटीकरण को छोड़ सकता है।



(iv) संकल्प योजना और पुनर्गठन का विवरण

(ए) [भारतीय रिज़र्व बैंक \(वाणिज्यिक बैंक - दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान\) निदेश, 2025](#) के माध्यम से जारी 'दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचे' द्वारा कवर किए गए बैंक को लागू समाधान योजनाओं से संबंधित अपने वित्तीय विवरणों में उचित प्रकटीकरण करने होंगे।

(बी) संदर्भित परिपत्र के अनुसार, पुनर्गठन प्रक्रिया के दौरान ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करने के कारण शेयरों के अधिग्रहण को पूंजी बाजार जोखिमों, पैरा-बैंकिंग गतिविधियों में निवेश और इंटर-ग्रुप एक्सपोज़र पर विनियामक सीमा/प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी। हालाँकि, इसका विवरण बैंक द्वारा अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में प्रकट किया जाएगा।

(v) **आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान में विचलन:** यदि निम्नलिखित में से कोई एक या दोनों शर्तें पूरी होती हैं, तो बैंक नीचे तालिका के रूप में उपयुक्त प्रकटीकरण करेगा:

(ए) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपनी पर्यवेक्षी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में मूल्यांकित एनपीए के लिए अतिरिक्त प्रावधान, संदर्भ अवधि के लिए प्रावधान और आकस्मिकताओं से पहले रिपोर्ट किए गए लाभ से पांच प्रतिशत से अधिक है, और

(बी) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपनी पर्यवेक्षी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में पहचाने गए अतिरिक्त सकल एनपीए संदर्भ अवधि के लिए रिपोर्ट किए गए वृद्धिशील सकल एनपीए के पांच प्रतिशत से अधिक हैं।

स्पष्टीकरण - रिपोर्ट किए गए वृद्धिशील सकल एनपीए का तात्पर्य संदर्भ अवधि के वित्तीय विवरणों के टिप्पणियों में प्रकट किए गए सकल एनपीए में संदर्भ वर्ष के दौरान किए गए परिवर्धन से है।

(राशि ₹ करोड़ में)

सीनियर	विवरण	राशि
1.	31 मार्च को बैंक द्वारा सूचित सकल एनपीए, 20XX *	
2.	31 मार्च को सकल एनपीए, आरबीआई द्वारा मूल्यांकित	
3.	सकल एनपीए में विचलन (2-1)	
4.	31 मार्च को बैंकों द्वारा सूचित किए गए अनुसार निवल एनपीए, 20XX था	
5.	31 मार्च, 20XX को आरबीआई द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार निवल एनपीए	
6.	निवल एनपीए में विचलन (5-4)	
7.	31 मार्च, 20XX को बैंकों द्वारा सूचित किए गए अनुसार एनपीए के लिए प्रावधान	



सीनियर	विवरण	राशि
8.	31 मार्च, 20XX को आरबीआई द्वारा मूल्यांकित किए गए एनपीए के लिए प्रावधान	
9.	प्रावधान में विचलन (8-7)	
10.	रिपोर्टेड लाभ 31 मार्च 20XX को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधान और आकस्मिकताओं से पहले है	
11.	31 मार्च, 1999 को समाप्त वर्ष के लिए कर पश्चात निवल लाभ (पीएटी) की रिपोर्ट की गई	
12.	31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए समायोजित (काल्पनिक) निवल लाभ (नामैत) 20XX प्रावधान में विचलन पर प्रतिफल करने के बाद	

* 31 मार्च, 20XX संदर्भ अवधि का समापन है जिसके संबंध में विचलन का आकलन किया गया था

जैसा कि ऊपर बताया गया है, यह प्रकटीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक को इस तरह के विचलन के संचार के तुरंत बाद प्रकाशित होने वाले आगामी वार्षिक वित्तीय विवरणों में 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में किया जाएगा।

(vi) **ऋण एक्सपोजर के हस्तांतरण का प्रकटीकरण:** एक ऋणदाता को अपनी वित्तीय विवरणियों में, 'लेखा विवरणियों की संबंधी टिप्पणियाँ' के अंतर्गत, अन्य इकाइयों को/से हस्तांतरित और अधिग्रहीत किए गए चूक में न आए ऋणों/दबावग्रस्त ऋणों की कुल राशि से संबंधित उपयुक्त प्रकटीकरण तिमाही आधार पर नीचे निर्धारित अनुसार करना होगा:

(ए) उन ऋणों के संबंध में जो चूक में नहीं हैं और जिन्हें हस्तांतरित या अधिग्रहीत किया गया है, प्रकटीकरण में, अन्य बातों के अलावा, भारित औसत परिपक्वता, भारित औसत धारण अवधि, लाभकारी आर्थिक हित का प्रतिधारण, मूर्त प्रतिभूती कवरेज का कवरेज, और रेटिंग वाले ऋणों का रेटिंग-वार वितरण जैसे पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। विशेष रूप से, एक हस्तांतरक को उन सभी स्थितियों का प्रकटीकरण करना चाहिए जहां उसने हस्तांतरण प्राप्तकर्ता को हस्तांतरित किए गए ऋणों को बदलने या किसी प्रतिनिधित्व या वारंटी से उत्पन्न होने वाली क्षतिपूर्ति करने के लिए सहमति दी है। प्रकटीकरण में असाइनमेंट /नोवेशन और ऋण भागीदारी के माध्यम से हस्तांतरित/अधिग्रहीत किए गए ऋणों का ब्यौरा भी प्रदान किया जाना चाहिए।

(बी) दबावग्रस्त ऋणों के हस्तांतरित या अधिग्रहीत होने की स्थिति में, निम्नलिखित प्रकटीकरण किए जाने चाहिए:

वर्ष के दौरान हस्तांतरित दबावग्रस्त ऋणों का विवरण (एनपीए और एसएमए के रूप में वर्गीकृत ऋणों के लिए अलग से बनाया जाना है)			
(सभी राशियाँ ₹ करोड़)	आस्ति	अनुमत अंतरणकर्ताओं के लिए	अन्य अंतरणकर्ताओं को



वर्ष के दौरान हस्तांतरित दबावग्रस्त ऋणों का विवरण (एनपीए और एसएमए के रूप में वर्गीकृत ऋणों के लिए अलग से बनाया जाना है)			
में)	पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को		(कृपया विनिर्दिष्ट करें)
नहीं: खातों का			
स्थानांतरित ऋणों का कुल शेष मूलधन			
स्थानांतरित ऋणों की भारित औसत अवशिष्ट अवधि			
स्थानांतरित ऋणों का निवल बही मूल्य (स्थानांतरण के समय)			
कुल प्रतिफल			
पहले के वर्षों में स्थानांतरित किए गए खातों के संबंध में अतिरिक्त प्रतिफल प्राप्त हुआ			
वर्ष के दौरान प्राप्त ऋणों का विवरण			
(सभी राशियाँ ₹ करोड़ में)	एससीबी, आरआरबी, सहकारी बैंकों, एआईएफआई, एसएफबी और एनबीएफसी सहित आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से	एआरसी से	
प्राप्त ऋणों का कुल शेष मूलधन			
कुल भुगतान की गई राशि			
अधिग्रहीत ऋणों की भारित औसत अवशिष्ट अवधि			

(सी) हस्तांतरक को दबावग्रस्त ऋणों की बिक्री के कारण लाभ और हानि खाते में वापस किए गए अतिशेष प्रावधानों की मात्रा के संबंध में भी उपयुक्त प्रकटीकरण करना चाहिए। साथ ही, ऋणदाताओं को क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा ऐसे एसआर को सौंपी गई विभिन्न वसूली रेटिंग श्रेणियों में उनके पास रखे गए एस.आर.एस. के वितरण का प्रकटीकरण करना चाहिए।



नोट: लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण करते समय, बैंक को तुलना को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान और पिछले वर्ष दोनों के आंकड़े प्रदान करने चाहिए।

(vii) **सह-ऋण व्यवस्था (सीएलए) पर प्रकटीकरण:**

(ए) प्रचलित नियमों के तहत लागू प्रकटीकरण आवश्यकताओं के अलावा, बैंक को अपनी वेबसाइट पर सभी सक्रिय सीएलए भागीदारों की एक सूची भी प्रमुखता से प्रकट करनी चाहिए।

(बी) बैंक कुल आधार पर सीएलए के आवश्यक विवरणों से संबंधित अपने वित्तीय विवरणों में 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' के तहत उचित प्रकटीकरण भी करेगा। विवरण में अन्य बातों के अलावा सीएलए की मात्रा, भारत औसत ब्याज दर, शुल्क, जिसमें सीएलए किया गया था, ऋणों का निष्पादन, चूक हानि गारंटी से संबंधित विवरण, यदि कोई हो, आदि शामिल हो सकते हैं। प्रकटीकरण तिमाही/वार्षिक आधार पर किया जाएगा।

नोट: सीएलए के संबंध में, बैंक को यथासमाय संशोधित [भारतीय रिज़र्व बैंक \(वाणिज्यिक बैंक - ऋण जोखिम का हस्तांतरण और वितरण\) निदेश, 2025](#) द्वारा निर्देशित किया जाएगा। ये निदेश 1 जनवरी 2026 से या बैंक द्वारा अपनी आंतरिक नीति ("प्रभावी दिनांक") के अनुसार तय की गई किसी भी पूर्व दिनांक से लागू होंगे। प्रभावी दिनांक के बाद दर्ज किया गया कोई भी नया सीएलए इन निदेशों के अनुपालन में होगा।

(viii) **गैर-निधि आधारित (एनएफबी) क्रेडिट सुविधाएं:** बैंक नीचे दिए गए प्रारूप में एनएफबी क्रेडिट सुविधाओं का विवरण प्रकट करेगा।

		31st मार्च 20XX को	31st मार्च 20XX को	पिछले वर्ष	पिछले वर्ष
		प्रतिभूत* भाग	अप्रतिभूत भाग	प्रतिभूत* भाग	अप्रतिभूत भाग
I.	शेष गारंटी (₹ करोड़)				
	i) भारत में				
	ii) भारत के बाहर				
II.	स्वीकृतियाँ, अनुमोदन और अन्य दायित्व (₹)				
III.	अन्य एनएफबी क्रेडिट सुविधाएं (₹ करोड़)				
* प्रतिभूत भाग भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025 के तहत परिभाषित किया गया है।					

नोट: एनएफबी क्रेडिट सीमा के संबंध में, बैंक को यथासमाय संशोधित भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - क्रेडिट सुविधाएं) निदेश, 2025 द्वारा निर्देशित किया जाएगा। ये निदेश 1 अप्रैल



2026 से या बैंक द्वारा अपनी आंतरिक नीति ("प्रभावी दिनांक") के अनुसार तय की गई किसी भी पूर्व दिनांक से लागू होंगे। किसी भी नई एनएफबी सुविधा का विस्तार और प्रभावी दिनांक के बाद मौजूदा एनएफबी सुविधा का नवीनीकरण इन निदेशों के अनुसार शासित होगा। प्रभावी दिनांक तक विस्तारित/नवीनीकृत सभी मौजूदा एनएफबी सुविधाएं संबंधित बैंक पर लागू मौजूदा अनुदेशों द्वारा शासित होंगी।

- (ix) **धोखाधड़ी खाते:** बैंक नीचे दिए गए टेम्पलेट के अनुसार धोखाधड़ी की संख्या और राशि के साथ-साथ उस पर प्रावधान के विवरण का प्रकटीकरण करेगा।

	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी संख्या		
धोखाधड़ी में शामिल राशि (₹ करोड़)		
ऐसे धोखाधड़ी के लिए किए गए प्रावधान की राशि (₹ करोड़)		
वर्ष के अंत में 'अन्य आरक्षित' से डेबिट की गई गैर-परिशोधित प्रावधान की राशि (₹ करोड़)		

- (x) **परियोजना वित्त से संबंधित प्रकटीकरण:** बैंक परियोजना वित्त से संबंधित उचित प्रकटीकरण निम्नानुसार करेगा:

क्र.सं.	मद का विवरण	खातों की संख्या	कुल शेष (₹ करोड़ में)
1	तिमाही की शुरुआत में कार्यान्वयन खातों के तहत परियोजनाएं।		
2	तिमाही के दौरान स्वीकृत कार्यान्वित खातों के तहत परियोजनाएं।		
3	कार्यान्वित खातों के तहत परियोजनाएं जहां तिमाही के दौरान डीसीसीओ प्राप्त किया गया है		
4	तिमाही के अंत में कार्यान्वयन खातों के तहत परियोजनाएं। (1+2-3)		
5	4 में से - जिनके संबंध में मूल/विस्तारित डीसीसीओ में विस्तार सहित संकल्प प्रक्रिया लागू की गई है, जैसा भी मामला हो।		
5.1	5 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना लागू की गई है।		
5.2	5 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना कार्यान्वित की जा रही है।		
5.3	5 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना विफल हो गई है।		
6	5 में से, जिनके संबंध में परियोजना के दायरे और आकार में परिवर्तन के कारण मूल/विस्तारित		



क्र.सं.	मद का विवरण	खातों की संख्या	कुल शेष (₹ करोड़ में)
	डीसीसीओ में विस्तार सहित संकल्प प्रक्रिया शुरू की गई है।		
7	5 में से, जिसके संबंध में मूल/विस्तारित डीसीसीओ में विस्तार से जुड़ी लागत अतिप्रवाह, जैसा भी मामला हो, वित्त पोषित किया गया था		
7.1	7 में से, ऐसे खाते जहां वित्तीय समापन के दौरान एसबीसीएफ स्वीकृत किया गया था और लगातार नवीनीकृत किया गया था		
7.2	7 में से, ऐसे खाते जहां एसबीसीएफ को पूर्व-स्वीकृत या लगातार नवीनीकृत नहीं किया गया था		
8	4 में से - जिनके संबंध में मूल/विस्तारित डीसीसीओ में विस्तार शामिल नहीं है, जैसा भी मामला हो, समाधान प्रक्रिया लागू की गई है।		
8.1	8 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना लागू की गई है।		
8.2	8 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना कार्यान्वित की जा रही है।		
8.3	8 में से - जिनके संबंध में संकल्प योजना विफल रही है।		

नोट: यह 1 अक्टूबर, 2025 से शुरू होने वाला त्रैमासिक प्रकटीकरण है। बैंक को यथासमाय संशोधित [भारतीय रिज़र्व बैंक \(वाणिज्यिक बैंक - दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान\) निदेश, 2025](#) द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

(xi) कोविड-19-संबंधित दबाव के लिए संकल्प ढांचे के तहत प्रकटीकरण

(ए) प्रूडेंशियल फ्रेमवर्क के तहत एक विशेष अवधि दी गई है ताकि ऋणदाता पात्र कॉर्पोरेट ऋणों और व्यक्तिगत ऋणों के संबंध में समाधान योजना लागू कर सकें, और ऐसे ऋणों को मानक ऋण के रूप में वर्गीकृत कर सकें।

(बी) बैंक को नीचे दिए गए प्रारूप में प्रत्येक छमाही में, यानी 30 सितंबर और 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय विवरणों में, 30 सितंबर 2021 को समाप्त होने वाली छमाही से लेकर उन सभी ऋणों के पूरी तरह समाप्त होने अथवा पूरी तरह से निष्पादित आस्ति (एनपीए) में परिवर्तित होने तक, जो भी पहले हो, प्रकटीकरण करना होगा।



30 सितंबर 2021 से शुरू होने वाले अर्धवार्षिक रूप से किए जाने वाले प्रकटीकरण के लिए प्रारूप

(राशि ₹ करोड़ में)

उधारकर्ता का प्रकार	समाधान योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का एक्सपोजर - पिछले छमाही के अंत में स्थिति (ए)	(ए) का, अर्ध-वर्ष के दौरान एनपीए में फिसल गया कुल ऋण	(ए) अर्ध-वर्ष के दौरान बढ़े खाते में डाली गई राशि की	(ए) अर्ध-वर्ष के दौरान उधारकर्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि की	समाधान योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का एक्सपोजर - स्थिति के अनुसार इस छमाही के अंत में
पर्सनल ऋण					
कॉर्पोरेट व्यक्ति *					
जिनमें से एमएसएमई					
अन्य					
कुल					

* दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 3(7) में परिभाषित किया गया है

नोट: बैंक जो लिस्टिंग आवश्यकताओं द्वारा आवश्यक नहीं है या अन्यथा त्रैमासिक/छमाही विवरण प्रकाशित करने के लिए, वार्षिक वित्तीय विवरणों में पूरे वर्ष के लिए प्रकटीकरण करेगा।



(5) एक्सपोज़र

(i) स्थावर सम्पदा क्षेत्र में एक्सपोज़र

(राशि ₹ करोड़ में)

श्रेणी	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i) प्रत्यक्ष एक्सपोज़र ए) आवासीय बंधक उधारकर्ता द्वारा अधिग्रहित या किराए पर ली गई आवासीय आस्ति पर बंधक द्वारा पूरी तरह से प्रतिभूत ऋण देना। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम में शामिल करने के लिए पात्र व्यक्तिगत आवास ऋण अलग से दिखाए जाएंगे। एक्सपोज़र में गैर-निधि आधारित (एनएफबी) सीमाएं भी शामिल होंगी। बी) वाणिज्यिक स्थावर संपदा वाणिज्यिक स्थावर संपदा (कार्यालय भवन, खुदरा स्थान, बहुउद्देशीय वाणिज्यिक परिसर, बहु-पारिवारिक आवासीय भवन, बहु-किरायेदारी वाणिज्यिक परिसर, औद्योगिक या गोदाम स्थान, होटल, आधार अधिग्रहण, विकास और निर्माण आदि) पर बंधक द्वारा प्रतिभूत ऋण। एक्सपोज़र में गैर-निधि आधारित (एनएफबी) सीमाएं भी शामिल होंगी। सी) बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों (एमबीएस) और अन्य प्रतिभूतिकृत जोखिमों में निवेश I. आवासीय II. वाणिज्यिक स्थावर सम्पदा ii) अप्रत्यक्ष एक्सपोज़र राष्ट्रीय आवास बैंक और आवास वित्त कंपनियों पर निधि आधारित और गैर-निधि आधारित एक्सपोज़र।		
स्थावर सम्पदा क्षेत्र के लिए कुल एक्सपोज़र		



(ii) ²[*****

(ए)***

(बी)***

(सी)***]

³[

(iiए) पूंजी बाजार में एक्सपोजर

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	श्रेणी	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(i)	इक्विटी एवं वरीयता शेयरों में सीधा निवेश; परिवर्तनीय बांड; परिवर्तनीय ऋणपत्र (डिबेंचर); गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनानों की इकाइयाँ; रिट्स एवं इनविट्स की इकाइयाँ और वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ़) की इकाइयाँ		
(ii)	शेयरों (इसमें आईपीओ / एफपीओ / ईएसओपी शामिल), परिवर्तनीय बांड, परिवर्तनीय ऋणपत्र (डिबेंचर) तथा गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनाओं में निवेश हेतु व्यक्तियों को अग्रिम		
(iii)	अन्य किन्हीं प्रयोजनों हेतु अग्रिम, जहाँ शेयर या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय ऋणपत्र (डिबेंचर) या गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनाओं की इकाइयाँ प्राथमिक प्रत्याभूति के रूप में ली गई हों		

² विलोपित - दिनांक 30 मार्च 2026 के भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) – तृतीय संशोधन निदेश, 2026 (प्रतिसंशोधित) द्वारा, दिनांक 01 जुलाई 2026 से प्रभावी।

³ 01 जुलाई 2026 से प्रभावी होते हुए, दिनांक 30 मार्च 2026 के भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण) तृतीय संशोधन निदेश, 2026 (प्रतिसंशोधित) द्वारा इसे प्रविष्ट (समावेशित) किया गया है।



क्र. सं.	श्रेणी	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(iv)	अन्य किन्हीं प्रयोजनों हेतु अग्रिम, जितना कि शेयर, परिवर्तनीय बांड, परिवर्तनीय ऋणपत्र (डिबेंचर) या गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनाओं की इकाइयों की संदायी प्रत्याभूति (कॉलेटरल) से सुरक्षित हो, जहाँ अग्रिम मुख्यतः उक्त संदायी प्रत्याभूति के बल पर प्रदान किए गए हों		
(v)	पूँजी बाज़ार मध्यवर्तियों (सीएमआई) को प्रदत्त सभी सुविधाएँ		
(vi)	अधिग्रहण वित्त		
	अधिग्रहण वित्त (vi) में से — भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं द्वारा अधिग्रहण वित्त		
	अधिग्रहण वित्त (vi) में से — अधिग्रहणकर्ता कंपनियों की स्व-निधि आवश्यकता पूरी करने हेतु सेतु वित्त		
(vii)	गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनाओं को वित्त। स्थापित की जा रही नई कंपनियों की इक्विटी में अग्रिम (अपफ्रंट) अंशदान पूरी करने हेतु कंपनियों को सेतु वित्त		
(viii)	शेयर या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय ऋणपत्र (डिबेंचर) या बांड के प्राथमिक निर्गम संबंध में बैंकों द्वारा ली गई अंडरराइटिंग (अंकस्वीकृति) प्रतिबद्धताएँ, जहाँ अंतिम उपयोग अधिग्रहण वित्त या गैर-ऋणी पारस्परिक निधि योजनाओं की इकाइयाँ हों		
(ix)	कस्टोडियन (संरक्षक) बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से शेयर बाज़ारों के निपटान निगमों के पक्ष में जारी की गई अपरिवर्तनीय भुगतान प्रतिबद्धताएँ		
(x)	इक्विटी डेरिवेटिव एवं कमोडिटी डेरिवेटिव लेनदेनों में निपटान सदस्य के रूप में कार्यरत बैंक का उसके ग्राहकों के प्रति व्यापारिक जोखिम (एक्सपोज़र), इसमें ग्राहकों की ओर से रखे गए धनसमर्थित प्रारंभिक मार्जिन भी शामिल, जहाँ यह अनुमत हो		



क्र. सं.	श्रेणी	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(xi)	पूँजी बाज़ार का कुल एक्सपोज़र		

नोट: उपरोक्त तालिका में रिपोर्ट किये गये पूँजी बाज़ार जोखिम (एक्सपोज़र) की गणना — भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – सांद्रता जोखिम प्रबंधन) दिशानिर्देश, 2025 को भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – साख सुविधाएँ) दिशानिर्देश, 2025 के साथ पढ़े जाने पर — के प्रावधानों के अनुसरण में की जायेगी।

1

(iii) जोखिम श्रेणीवार देश जोखिम

(राशि ₹ करोड़ में)

जोखिम श्रेणी *	मार्च तक एक्सपोज़र (नेट) (चालू वर्ष)	मार्च तक धारित प्रावधान (चालू वर्ष)	मार्च तक एक्सपोज़र (नेट) (पिछला वर्ष)	मार्च तक धारित प्रावधान (पिछला वर्ष)
अमहत्वपूर्ण				
कम				
मध्यम रूप से कम				
मध्यम				
मध्यम रूप से उच्च				
उच्च				
बहुत उच्च				
कुल				

*जब तक कोई बैंक आंतरिक रेटिंग प्रणालियों में नहीं जाता है, तब तक वह वर्गीकरण के उद्देश्य से और देश जोखिम के प्रावधानों के लिए भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड (ईसीजीसी) द्वारा अपनाए गए सात-श्रेणी वर्गीकरण का उपयोग करेगा। ईसीजीसी अनुरोध पर बैंक को उनके देश वर्गीकरण का त्रैमासिक अद्यतन प्रदान करेगा और अंतरिम अवधि में देश वर्गीकरण में किसी भी अचानक बड़े बदलाव की स्थिति में बैंकों को सूचित करेगा।

नोट: यदि किसी बैंक का वर्तमान और पिछले वर्ष दोनों में देश जोखिम के लिए कोई जोखिम नहीं है, तो यह उल्लेख करते हुए तालिका का प्रकटीकरण छोड़ सकता है कि इसका देश जोखिम के लिए कोई जोखिम नहीं है।

(iv) **अप्रतिभूत अग्रिम:** बैंक अग्रिम की कुल राशि का प्रकटीकरण करेगा जिसके लिए स्थावर संपदाएं जैसे कि अधिकार, लाइसेंस, प्राधिकरण आदि पर प्रभार लिया गया है, साथ ही



निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार ऐसी स्थावर संपदायों के अनुमानित मूल्य का भी प्रकटीकरण करेगा।

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
बैंक के कुल अप्रतिभूत अग्रिम		
उपरोक्त में से, अग्रिम की राशि जिसके लिए अधिशेष प्रतिभूतियाँ जैसे कि अधिकारों पर प्रभार, लाइसेंस, प्राधिकरण आदि लिया गया है		
ऐसी अमूर्त प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य		

(v) **फैक्टरिंग एक्सपोज़र:** फैक्टरिंग एक्सपोज़र को अलग से प्रकट किया जाएगा।

(vi) **अंतर-समूह एक्सपोज़र:** बैंक को पिछले वर्ष के लिए तुलनात्मकों के साथ वर्तमान वर्ष के लिए निम्नलिखित प्रकटीकरण करने होंगे:

(ए) समूह के भीतर के एक्सपोज़र की कुल राशि

(बी) शीर्ष 20 अंतर-समूह एक्सपोज़रों की कुल राशि

(सी) उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोज़र के इंट्रा-ग्रुप एक्सपोज़र का प्रतिशत

(डी) यदि कोई हो, तो अंतर-समूह जोखिमों पर सीमाओं के उल्लंघन का विवरण और उस पर विनियामक कार्रवाई।

(vii) **अनहेज्ड विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र:** बैंक को मुद्रा-जन्य ऋण जोखिम के प्रबंधन के लिए अपनी नीतियों का प्रकटीकरण करना चाहिए। बैंक इस जोखिम के लिए अपने द्वारा रखी गई वृद्धिशील प्रावधान और पूंजी का भी प्रकटीकरण करेगा।

(viii) **सोने और चांदी की संपार्श्विक के विरुद्ध ऋण**

(ए) पात्र स्वर्ण और चांदी संपार्श्विक के विरुद्ध दिए गए ऋणों का विवरण

विवरण	ऋण शेष		औसत टिकट आकार (₹ करोड़)	औसत एलटीवी अनुपात	सकल एनपीए (%)
	₹ करोड़	कुल ऋणों के % के रूप में			
1. वित्तीय वर्ष का प्रारंभिक शेष [(ए) + (बी)]					
(ए) उपभोग ऋण					



विवरण	ऋण शेष	औसत	औसत	सकल
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण				
(बी) आय सृजन ऋण				
2. वित्त वर्ष [(सी)+(डी)] के दौरान स्वीकृत और वितरित किए गए नए ऋण				लागू नहीं
(सी) उपभोग ऋण				लागू नहीं
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण				लागू नहीं
(डी) आय सृजन ऋण				लागू नहीं
3. वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकृत और वितरित नवीनीकरण				लागू नहीं
4. वित्त वर्ष के दौरान स्वीकृत और वितरित टॉप-अप ऋण				लागू नहीं
5. वित्त वर्ष [(ई)+(एफ)] के दौरान चुकाए गए ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
(ई) उपभोग ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
(एफ) आय सृजन ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
6. वित्त वर्ष [(जी) + (एच)] के दौरान अनर्जक ऋणों की वसूली की गई			लागू नहीं	लागू नहीं
(जी) उपभोग ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
(एच) आय सृजन ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
7. वित्त वर्ष [(आई) + (जे)] के दौरान बट्टे खाते में डाले गए ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
(आई) उपभोग ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
(जे) आय सृजन ऋण			लागू नहीं	लागू नहीं
8. वित्त वर्ष के अंत में अंतिम शेष [(के) + (एल)]				
(के) उपभोग ऋण				
जिसमें बुलेट पुनर्भुगतान ऋण				
(एल) आय सृजन ऋण				

नोट:



- (i) बैंक को यथासमय संशोधित भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - क्रेडिट सुविधाएं) निदेश, 2025 द्वारा निर्देशित किया जाएगा।
- (ii) सोने की संपार्श्विक के विरुद्ध ऋण और चांदी की संपार्श्विक के विरुद्ध ऋण के लिए अलग से जानकारी दी जा सकती है
- (iii) औसत एलटीवी अनुपात की गणना ऋणों की स्वीकृति के समय एलटीवी की राशि के कुल ऋणों की संख्या के अनुपात के रूप में की जाती है।

(बी) सोने और चांदी की संपार्श्विक और नीलामी का विवरण

क्र. सं.	विवरण	
(ए)	वित्तीय वर्ष के अंत में दावा न किया गया सोना या चांदी संपार्श्विक (ग्राम में)	
(बी)	जिन ऋण खातों में नीलामी आयोजित की गई थी उनकी संख्या	
(सी)	(बी) में उल्लिखित ऋण खातों में कुल शेष	
(डी)	ऋणों के चूक के कारण वित्त वर्ष के दौरान अर्जित स्वर्ण या रजत संपार्श्विक (ग्राम में)	
(ई)	वित्त वर्ष के दौरान नीलाम की गई सोने या चांदी की संपार्श्विक (ग्राम में)	
(एफ)	वित्तीय वर्ष के दौरान नीलामी के माध्यम से की गई वसूली (₹ करोड़ में)	
(जी)	वसूली प्रतिशत:	
(एच)	सोने या चांदी की संपार्श्विक के मूल्य के % के रूप में	
(आई)	शेष ऋण के % के रूप में	

नोट:

- (i) प्रतिभूतिकरण का वजन और मूल्य भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025 के अनुसार गणना की जानी है।
- (ii) अनदावा सोना या चांदी संपार्श्विक का अर्थ भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025 के तहत परिभाषित है।

⁶[(ix) संबंधित पक्षों के प्रति एक्सपोज़र

भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक -क्रेडिट जोखिम प्रबंधन) निदेश, 2025 में परिभाषित संबंधित पक्षों के प्रति एक्सपोज़र का विवरण

(राशि ₹ करोड़ में)			
क्र.	विवरण	चालू	पिछला

⁶ दिनांक 5 जनवरी, 2026 के भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वित्तीय विवरण: प्रस्तुतीकरण एवं प्रकटीकरण) - संशोधन द्वितीय निदेश, 2026 द्वारा दिनांक 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी रूप से संप्रिवेशित किया गया।



सं.		वर्ष	वर्ष
अ. संबंधित पक्षों को प्रदान किए गए ऋण			
1	वर्ष के दौरान संबंधित पक्षों को स्वीकृत किए गए ऋणों का कुल मूल्य		
2	दिनांक 31 मार्च को संबंधित पक्षों के पास बकाया ऋणों का कुल मूल्य		
3	दिनांक 31 मार्च को कुल अस्तित्व (एक्सपोज़र) के अनुपात में संबंधित पक्षों के पास बकाया ऋणों का कुल मूल्य (प्रतिशत में)		
4	दिनांक 31 मार्च को संबंधित पक्षों के पास बकाया ऋणों का कुल मूल्य, जिनका वर्गीकरण निम्न के रूप में है:		
	(i) दिनांक 31 मार्च को विशेष उल्लेख खाते		
	(ii) दिनांक 31 मार्च को निष्पादनकारी अचल परिसंपत्तियाँ		
5	दिनांक 31 मार्च को संबंधित पक्षों को प्रदान किए गए ऋणों के संबंध में प्रावधानों की राशि		
ब. संबंधित पक्षों से संबंधित अनुबंध एवं व्यवस्थाएँ			
6	वर्ष के दौरान संबंधित पक्षों को दिए गए अनुबंधों एवं व्यवस्थाओं का कुल मूल्य		
7	दिनांक 31 मार्च को संबंधित पक्षों से संबंधित बकाया अनुबंधों एवं व्यवस्थाओं का कुल मूल्य		

(6) **जमा, अग्रिम, एक्सपोज़र और एनपीए का संकेंद्रण**

(i) **जमा राशि का संकेंद्रण**

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमा राशि		
बैंक के कुल जमा में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमा राशि का प्रतिशत		

(ii) **अग्रिम का संकेंद्रण ***

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल अग्रिम		
बैंक के कुल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को अग्रिमों का प्रतिशत		

* अग्रिमों की गणना क्रेडिट एक्सपोज़र के आधार पर की जाएगी, अर्थात्, डेरिवेटिव एक्सपोज़र सहित वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित सीमाएं जहां लागू हों। स्वीकृत सीमा या शेष, जो भी अधिक हो, की गणना की जाएगी।



हालाँकि, पूर्णतः आहरण अवधि के ऋणों के मामले में, जहां स्वीकृत सीमा के किसी भी हिस्से के पुनः आहरण की कोई गुंजाइश नहीं है, बैंक शेष को क्रेडिट एक्सपोज़र के रूप में मान सकता है।

(iii) एक्सपोज़र का संकेंद्रण

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के लिए कुल जोखिम		
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोज़र का प्रतिशत		

**एक्सपोज़र की गणना लागू भारतीय रिज़र्व बैंक विनियमन के अनुसार की जाएगी।

(iv) एनपीए का संकेंद्रण

(राशि ₹ करोड़ में)

	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
शीर्ष बीस एनपीए खातों के लिए कुल एक्सपोज़र		
कुल सकल एनपीए के मुकाबले बीस सबसे बड़े एनपीए एक्सपोज़र का प्रतिशत।		

(7) व्युत्पत्ती (डेरिवेटिव्स)

(i) डेरिवेटिव पोर्टफोलियो का विवरण

(राशि ₹ करोड़ में)

	चालू वर्ष			पिछले वर्ष		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
ब्याज दर डेरिवेटिव						
एमटीएम - आस्तियाँ						
एमटीएम - देयताएं						
लाभ और हानि खाते में पहचाना गया निवल लाभ/हानि						
विनिमय दर डेरिवेटिव						
एमटीएम - आस्तियाँ						
एमटीएम - देयताएं						
लाभ और हानि खाते में पहचाना गया निवल लाभ/हानि						
क्रेडिट जोखिम डेरिवेटिव						
एमटीएम - आस्तियाँ						
एमटीएम - देयताएं						



	चालू वर्ष			पिछले वर्ष		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
लाभ और हानि खाते में पहचाना गया निवल लाभ/हानि						
अन्य डेरिवेटिव (विनिर्दिष्ट)						
एमटीएम - आस्तियाँ						
एमटीएम - देयताएं						
लाभ और हानि खाते में पहचाना गया निवल लाभ/हानि						

(ii) वायदा दर करार/ब्याज दर स्वैप

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i) स्वैप समझौतों का कल्पित मूलधन ii) हानियाँ जो तब उठनी चाहिए जब प्रतिपक्ष समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहे iii) स्वैप में प्रवेश करने पर बैंक द्वारा आवश्यक संपार्श्विक iv) स्वैप से निर्मित क्रेडिट जोखिम का संकेंद्रण (उदाहरण के लिए, विशेष उद्योगों के लिए जोखिम, या अत्यधिक कर्ज- भारित कंपनियों के साथ स्वैप) v) स्वैप बुक का उचित मूल्य (नोट- यदि स्वैप विशिष्ट आस्तियों, देयताओं या प्रतिबद्धताओं से जुड़े हैं, तो उचित मूल्य वह अनुमानित राशि होगी जो बैंक को तुलन पत्र की तारीख पर स्वैप समझौतों को समाप्त करने के लिए प्राप्त होगी या भुगतान करेगी। एक ट्रेडिंग स्वैप के लिए उचित मूल्य प्रतिभूतियों का दैनिक मूल्य होगा)		

नोट: क्रेडिट और बाजार जोखिम की जानकारी सहित स्वैप की प्रकृति और शर्तें और स्वैप को रिकॉर्ड करने के लिए अपनाई गई लेखांकन नीतियों का भी प्रकटीकरण किया जाएगा।

(iii) एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष



क्र. सं.	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i)	वर्ष के दौरान किए गए एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की काल्पनिक मूल राशि (लिखत के अनुसार)		
ii)	31 मार्च को शेष एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की काल्पनिक मूल राशि . (लिखत के अनुसार)		
iii)	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की शेष काल्पनिक मूल राशि और 'अत्यधिक प्रभावी' नहीं (लिखत वार)		
iv)	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव्स के शेष और 'अत्यधिक प्रभावी' नहीं (इंस्ट्रूमेंट वार) के बाजार मूल्य को चिह्नित करें		

(iv) डेरिवेटिव में जोखिम का प्रकटीकरण

(ए) **गुणात्मक प्रकटीकरण:** बैंक डेरिवेटिव से संबंधित अपनी जोखिम प्रबंधन नीतियों का प्रकटीकरण करेगा, विशेष रूप से डेरिवेटिव के उपयोग की सीमा, संबंधित जोखिम और व्यवसाय उद्देश्यों के संदर्भ में। प्रकटीकरण में यह भी शामिल होना चाहिए:

- (i) डेरिवेटिव ट्रेडिंग में जोखिम के प्रबंधन के लिए संरचना और संगठन,
- (ii) जोखिम मापन, जोखिम रिपोर्टिंग और जोखिम निगरानी प्रणालियों का दायरा और प्रकृति
- (iii) जोखिम को कम करने और/या कम करने के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं, और
- (iv) रक्षित और आरक्षित लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए लेखांकन नीति; आय, प्रीमियम और छूट की मान्यता; शेष अनुबंधों का मूल्यांकन; प्रावधान, संपार्श्विक और क्रेडिट जोखिम शमन।

(बी) मात्रात्मक प्रकटीकरण

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विशिष्ट	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
		मुद्रा डेरिवेटिव	ब्याज दर डेरिवेटिव	मुद्रा डेरिवेटिव	ब्याज दर डेरिवेटिव
ए)	डेरिवेटिव (काल्पनिक मूलधन राशि)				
	i) हेजिंग के लिए				



क्र. सं.	विशिष्ट	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
		मुद्रा डेरिवेटिव	ब्याज दर डेरिवेटिव	मुद्रा डेरिवेटिव	ब्याज दर डेरिवेटिव
	ii) ट्रेडिंग के लिए				
बी)	बाजार भाव पर स्थिति दर्शना ^[1]				
	i) आस्ति (+)				
	ii) देयता (-)				
सी)	क्रेडिट एक्सपोजर ^[2]				
डी)	ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100 * पीवी01)				
	i) डेरिवेटिव को रक्षित करने पर				
	ii) डेरिवेटिव के व्यापार पर				
ई)	वर्ष के दौरान अधिकतम और न्यूनतम 100* पीवी01 देखा गया				
	i) हेजिंग पर				
	ii) ट्रेडिंग पर				

1. प्रत्येक प्रकार के डेरिवेटिव के लिए निवल स्थिति, आस्ति या देयता के तहत दिखाई जाएगी, जैसा भी मामला हो।
2. बैंक मौजूदा आरबीआई अनुदेशों के अनुसार डेरिवेटिव उत्पादों के क्रेडिट एक्सपोजर के मापन पर वर्तमान एक्सपोजर विधि को अपना सकता है।

(v) ऋण चूक स्वैप

- (i) ऋण चूक स्वैप (सीडीएस) पदों के मूल्यांकन के लिए एक मालिकाना मॉडल का उपयोग करने वाला बैंक, अपने वित्तीय विवरणों में 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में मूल्यांकन की पद्धति के तर्क और मूल्यांकन की व्याख्या सहित मालिकाना मॉडल के अनुसार मूल्यांकन का प्रकटीकरण करेगा।
- (ii) प्रकटीकरण में फिक्स्ड इनकम मुद्रा बाज़ार एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फिमडा) द्वारा प्रकाशित सीडीएस वक्र या फिमडा द्वारा अनुशंसित बेंचमार्क के अनुसार मूल्यांकन भी शामिल होगा।

नोट: फिमडा (FIMMDA) द्वारा प्रकाशित सीडीएस वक्र या फिमडा द्वारा अनुशंसित बेंचमार्क के अनुसार मूल्यांकन का प्रकटीकरण करने की आवश्यकता फिमडा द्वारा सीडीएस वक्र प्रकाशित करना शुरू करने या मूल्यांकन बेंचमार्क की सिफारिश करने के बाद प्रभावी होगी।



(8) प्रतिभूतिकरण से संबंधित प्रकटीकरण

- (i) वार्षिक 'लेखा संबंधी टिप्पणियों' में, उद्भवकों को विशेष प्रयोजन संस्थाओं (एसपीई) की बहियों के अनुसार प्रतिभूतिकृत आस्तियों की शेष राशि और न्यूनतम प्रतिधारण आवश्यकता (एमआरआर) का अनुपालन करने के लिए तुलन पत्र की तारीख पर उद्भवकों द्वारा प्रतिधारण की कुल राशि का संकेत देना चाहिए।
- (ii) ये आंकड़े एस.पी.ई. के लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित जानकारी पर आधारित होने चाहिए, जो एस.पी.ई. से मूल निर्माता द्वारा प्राप्त की गई है। ये प्रकटीकरण नीचे दी गई तालिका में दिए गए प्रारूप में किए जाने चाहिए।

(संख्या/राशि ₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च (चालू वर्ष)	31 मार्च (पिछला वर्ष)
1.	परावर्तकों द्वारा निर्मित प्रतिभूतिकरण लेनदेन के लिए आस्तियां धारक एस.पी.ई. की संख्या (केवल शेष प्रतिभूतिकरण जोखिम से संबंधित एस.पी.वी. को यहां रिपोर्ट किया जाना है)		
2.	एस.पी.ई. की बहियों के अनुसार प्रतिभूतिकृत आस्तियों की कुल राशि		
3.	तुलन पत्र की तारीख को एमआरआर के अनुपालन के लिए मूल प्रवर्तक द्वारा बनाए गए कुल एक्सपोज़र की राशि		
	a) तुलनपत्रेतर एक्सपोज़र • प्रथम हानी • अन्य		
	b) सह-तुलन पत्र एक्सपोज़र • प्रथम हानी • अन्य		
4.	एमआरआर के अलावा प्रतिभूतिकरण लेनदेन के लिए जोखिम की राशि		



क्र.सं.	विवरण	31 मार्च (चालू वर्ष)	31 मार्च (पिछला वर्ष)
	a) तुलनपत्रेतर एक्सपोज़र i) अपने स्वयं के प्रतिभूतिकरण एक्सपोज़र • प्रथम हानि • अन्य ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतिकरण का एक्सपोज़र • प्रथम हानि • अन्य		
	b) सह-तुलन पत्र एक्सपोज़र i) अपने स्वयं के प्रतिभूतिकरण का एक्सपोज़र • प्रथम हानि • अन्य ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतिकरण का एक्सपोज़र • प्रथम हानि • अन्य		
5.	प्रतिभूतिकृत आस्तियों के लिए प्राप्त बिक्री प्रतिफल और प्रतिभूतिकरण के कारण बिक्री पर लाभ/हानि		
6.	चलनिधि समर्थन, प्रतिभूतिकरण के बाद आस्ति सेवा आदि के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं का रूप और क्वांटम (शेष मूल्य)।		
7.	प्रदान की गई सुविधा का निष्पादन। कृपया प्रत्येक सुविधा के लिए अलग से प्रदान करें जैसे कि क्रेडिट वृद्धि, चलनिधि समर्थन, सर्विसिंग एजेंट आदि। प्रदान की गई सुविधा के कुल मूल्य के रूप में ब्रैकेट में प्रतिशत का उल्लेख करें। (a) भुगतान की गई राशि (b) पुनर्भुगतान प्राप्त हुआ (c) शेष राशि		
8.	पिछले समय में देखे गए पोर्टफोलियो की औसत डिफ़ॉल्ट दर। कृपया प्रत्येक आस्ति वर्ग अर्थात आरएमबीएस, वाहन ऋण आदि के लिए अलग से ब्रेकअप प्रदान करें		(पिछले 5 वर्षों की औसत डिफ़ॉल्ट दर का उल्लेख कर सकते हैं)



क्र.सं.	विवरण	31 मार्च (चालू वर्ष)	31 मार्च (पिछला वर्ष)
9.	एक ही अंतर्निहित आस्ति पर दी गई अतिरिक्त/टॉप अप ऋण की राशि और संख्या। कृपया प्रत्येक आस्ति वर्ग के लिए अलग से ब्रेकअप प्रदान करें अर्थात् आरएमबीएस, वाहन ऋण, आदि।		
10.	निवेशक शिकायतें (a) सीधे/अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किया गया और; (b) शिकायतें शेष हैं		

नोट: बैंक 'सरल, पारदर्शी और तुलनीय' (एसटीसी) और गैर-एसटीसी लेनदेन के लिए अलग से तालिका प्रदान करेगा।

बैंक को यथासमाय संशोधित [भारतीय रिज़र्व बैंक \(वाणिज्यिक बैंक - प्रतिभूतिकरण लेनदेन\) निदेश, 2025](#) द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

(9) तुलनपत्रेतर एसपीवी प्रायोजित (जिन्हें लेखांकन मानदंडों के अनुसार समेकित किया जाना आवश्यक है)

एसपीवी प्रायोजित का नाम	
घरेलू	विदेशी

(10) जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि (डीईए निधि) में अंतरण

(राशि ₹ करोड़ में)

Sr. नहीं।	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i)	डीईए निधि में स्थानांतरित की गई राशि का प्रारंभिक शेष		
ii)	जोड़ें: वर्ष के दौरान डीईए निधि में स्थानांतरित की गई राशियाँ		
ii)	घटाएँ: डीईए निधि द्वारा दावों के प्रति प्रतिपूर्ति की गई राशि		
iv)	डीईए निधि में स्थानांतरित की गई राशि का अंतिम शेष		

बैंक यहां विनिर्दिष्ट करेगा कि डीईए निधि में स्थानांतरित की गई राशि का समापन शेष, जैसा कि ऊपर बताया गया है, 'अनुसूची 12 - आकस्मिक देयताएं - अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है' या 'आकस्मिक देयताएं - अन्य,' के तहत भी शामिल हैं, जैसा भी मामला हो।

(11) शिकायतों का प्रकटीकरण



(i) ग्राहकों से और ओम्बुड्समैन के कार्यालयों (पूर्व में बैंकिंग ओम्बुड्समैन का कार्यालय) से बैंक द्वारा प्राप्त शिकायतों पर सारांश जानकारी

क्र.सं.		विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
		बैंक द्वारा अपने ग्राहकों से प्राप्त शिकायतें		
1.		वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतों की संख्या		
2.		वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या		
3.		वर्ष के दौरान निपटाए गए शिकायतों की संख्या		
	3.1	जिनमें से, बैंक द्वारा अस्वीकृत शिकायतों की संख्या		
4.		वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या		
		ओम्बुड्समैन कार्यालय से बैंक द्वारा प्राप्त रखरखाव योग्य शिकायतें		
5.		ओम्बुड्समैन कार्यालय से बैंक द्वारा प्राप्त रख-रखाव योग्य शिकायतों की संख्या		
	5.1.	5 में से, ओम्बुड्समैन कार्यालय द्वारा बैंक के पक्ष में हल की गई शिकायतों की संख्या		
	5.2	5 में से, ओम्बुड्समैन कार्यालय द्वारा मिलान/मध्यस्थता/परामर्श जारी करके शिकायतों का समाधान किया गया		
	5.3	5 में से, ओम्बुड्समैन कार्यालय द्वारा बैंकों के विरुद्ध पुरस्कार पारित करने के बाद शिकायतों की संख्या का समाधान किया गया		
6.		निर्धारित समय के भीतर कार्यान्वित नहीं किए गए पुरस्कारों की संख्या (जिनके विरुद्ध अपील की गई है)		
नोट: अनुरक्षणीय शिकायतें एकीकृत ओम्बुड्समैन योजना, 2021 (पूर्व में बैंकिंग ओम्बुड्समैन योजना, 2006) में उल्लिखित आधारों पर शिकायतों को संदर्भित करती हैं और योजना के दायरे में शामिल हैं।				

(ii) ग्राहकों से बैंक को प्राप्त शिकायतों के शीर्ष पांच आधार

शिकायतों के आधार,	वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में % वृद्धि/कमी	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	5 में से, 30 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों की संख्या
1	2	3	4	5	6
वर्तमान वर्ष					
आधार - 1					
आधार - 2					
आधार - 3					
आधार - 4					
आधार - 5					
अन्य					
कुल					
पिछले वर्ष					
आधार - 1					
आधार - 2					



शिकायतों के आधार,	वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में % वृद्धि/कमी	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	5 में से, 30 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों की संख्या
आधार - 3					
आधार - 4					
आधार - 5					
अन्य					
कुल					

नोट: [परिपत्र सीईपीडी.सीओ.पीआरडी.सीआईआर.एनओ. 01/13.01.013/2020-21 दिनांक 27 जनवरी, 2021](#) में 'बैंकों के शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करना' के अनुसार शिकायतों के आधार की पहचान के लिए मास्टर सूची के अनुसार।

1. एटीएम/डेबिट कार्ड	2. क्रेडिट कार्ड	3. इंटरनेट/मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग	4. खाता खोलना/खातों के संचालन में कठिनाई
5. अपविक्रय/पैरा-बैंकिंग	6. वसूली एजेंट/प्रत्यक्ष बिक्री एजेंट	7. वरिष्ठ नागरिकों/दिव्यांगजनों के लिए पेंशन और सुविधाएं	8. ऋण और अग्रिम
9. बिना पूर्व सूचना के शुल्क का लेवी/अत्यधिक शुल्क/फोरक्लोजर शुल्क	10. चेक/ड्राफ्ट/बिल	11. उचित व्यवहार संहिता का पालन न करना	12. सिक्कों का विनिमय, छोटे मूल्य के नोटों और सिक्कों का निर्गमन/स्वीकृति
13. बैंक गारंटी/साख पत्र और दस्तावेजी क्रेडिट	14. कर्मचारी व्यवहार	15. शाखा में आने वाले ग्राहकों के लिए सुविधाएं/शाखा द्वारा निर्धारित कार्य घंटों का पालन, आदि	16. अन्य

(12) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

- (ए) बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949, (बी) भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007, और (सी) सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (एसजीएल के बाउंस होने पर) के प्रावधानों के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए जुर्माने का प्रकटीकरण संबंधित बैंक की अगली वार्षिक रिपोर्ट में तुलन पत्र के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में किया जाएगा।
- विदेशी बैंक के मामले में, दंड का प्रकटीकरण उसके भारतीय संचालन के लिए अगले तुलन पत्र के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में किया जाएगा। बैंक उल्लंघन की प्रकृति, चूक के उदाहरणों की संख्या और लगाए गए जुर्माने की मात्रा पर उचित प्रकटीकरण करेगा।
- रिवर्स रेपो लेनदेन में चूककर्ता प्रतिभागी वित्तीय वर्ष के दौरान चूक के उदाहरणों की संख्या के साथ-साथ आरबीआई को भुगतान किए गए जुर्माने की मात्रा का उचित प्रकटीकरण करेगा।



(13) पारिश्रमिक पर प्रकटीकरण

- (i) बैंक को अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों में न्यूनतम वार्षिक आधार पर पूर्णकालिक निदेशकों/मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/भौतिक जोखिम लेने वालों के पारिश्रमिक पर प्रकटीकरण करने की आवश्यकता होती है।
- (ii) बैंक प्रपत्र या चार्ट प्रारूप में प्रकटीकरण करेगा और पिछले और साथ ही वर्तमान रिपोर्टिंग वर्ष के लिए प्रकटीकरण करेगा।
- (iii) इसके अलावा, एक निजी क्षेत्र का बैंक और विदेशी बैंक (जहां लागू हो), निम्नलिखित जानकारी का प्रकटीकरण करेगा:

प्रकटीकरण का प्रकार		जानकारी
गुणात्मक	(ए)	नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना और जनादेश से संबंधित जानकारी।
	(बी)	पारिश्रमिक प्रक्रियाओं के डिजाइन और संरचना से संबंधित जानकारी और पारिश्रमिक नीति की प्रमुख विशेषताएं और उद्देश्य।
	(सी)	पारिश्रमिक प्रक्रियाओं में वर्तमान और भविष्य के जोखिमों को ध्यान में रखने के तरीकों का विवरण। इसमें इन जोखिमों को ध्यान में रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख उपायों की प्रकृति और प्रकार शामिल होना चाहिए।
	(डी)	उन तरीकों का विवरण जिसमें बैंक निष्पादन माप अवधि के दौरान निष्पादन को पारिश्रमिक के स्तर के साथ जोड़ने का प्रयास करता है।
	(ई)	परिवर्तनीय पारिश्रमिक के स्थगन और निहित करने पर बैंक की नीति पर चर्चा और निहित करने से पहले और निहित करने के बाद स्थगित पारिश्रमिक को समायोजित करने के लिए बैंक की नीति और मानदंडों पर चर्चा।
	(एफ)	परिवर्ती पारिश्रमिक के विभिन्न रूपों का विवरण (अर्थात्, नकद और शेयर-लिंकड लिखतों के प्रकार) जिनका बैंक उपयोग करता है और इन विभिन्न रूपों का उपयोग करने का तर्क।

			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
मात्रात्मक प्रकटीकरण (मात्रात्मक प्रकटीकरण में केवल पूर्णकालिक)	(जी)	वित्तीय वर्ष के दौरान नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या और इसके सदस्यों को भुगतान किया गया पारिश्रमिक।		



			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/भौतिक जोखिम लेने वाले शामिल होने चाहिए)	(एच)	(i) वित्तीय वर्ष के दौरान परिवर्तनीय पारिश्रमिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की संख्या। (ii) नंबर और वित्तीय वर्ष के दौरान दिए गए साइन-ऑन/जॉइनिंग बोनस की कुल राशि। (iii) यदि कोई हो तो उपार्जित लाभों के अलावा विच्छेद वेतन का विवरण।		
	(आई)	(i) देय आस्थगित पारिश्रमिक की कुल राशि, नकद, शेयरों और शेयर से जुड़े लिखतों और अन्य रूपों में विभाजित। (ii) वित्तीय वर्ष में भुगतान किए गए आस्थगित पारिश्रमिक की कुल राशि।		
	(जे)	नियत और परिवर्तनीय, आस्थगित और गैर-आस्थगित दिखाने के लिए वित्तीय वर्ष के लिए पारिश्रमिक पुरस्कारों की राशि का ब्यौरा।		
	(के)	(i) देय आस्थगित पारिश्रमिक और प्रतिधारण पारिश्रमिक की कुल राशि जो स्पष्ट और/या निहित समायोजन के लिए उजागर होती है। (ii) विशेष समायोजन के कारण वित्तीय वर्ष के दौरान कटौती की कुल राशि। (iii) वित्त वर्ष के दौरान एक्स पोस्ट इम्प्लिसिट समायोजन के कारण कटौती की कुल राशि।		
	(एल)	पहचान किए गए एमआरटी की संख्या।		
	(एम)	(i) ऐसे मामलों की संख्या जहां मालुस का प्रयोग किया गया है। (ii) ऐसे मामलों की संख्या		



			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
		जहां क्लॉबैक का प्रयोग किया गया है। (iii) ऐसे मामलों की संख्या जहां मालोस और क्लॉबैक दोनों का प्रयोग किया गया है।		
सामान्य मात्रात्मक प्रकटीकरण	(एन)	पूरे बैंक के लिए औसत वेतन (अधीनस्थ-स्टाफ को छोड़कर) और प्रत्येक के वेतन का औसत वेतन से विचलन।		

- (iv) एक निजी क्षेत्र का बैंक भी अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों में न्यूनतम वार्षिक आधार पर गैर-कार्यकारी निदेशकों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक का प्रकटीकरण करेगा।
- (v) शेयर से जुड़े लिखतों का मूल्य ब्लैक-स्कोल्स मॉडल का उपयोग करके बैंक द्वारा अनुदान की तारीख पर उचित मूल्य पर आंका जाना चाहिए। इस प्रकार प्राप्त उचित मूल्य को उस लेखा अवधि के लिए एक व्यय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए जिसके लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है।

(14) अन्य प्रकटीकरण

- (i) **व्यापार अनुपात**



विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
(i) ब्याज आय, कार्यशील निधि ¹ के प्रतिशत के रूप में ¹		
(ii) गैर-ब्याज आय, कार्यशील निधि ¹ के प्रतिशत के रूप में		
(iii) जमाराशियों की लागत		
(iv) निवल ब्याज मार्जिन ²		
(v) परिचालन लाभ, कार्यशील निधि ¹ के प्रतिशत के रूप में		
(vi) आस्तियों पर प्रतिफल ³		
(vii) प्रति कर्मचारी व्यापार (जमा, अग्रिम) ⁴ (₹ करोड़ में)		
(viii) प्रति कर्मचारी लाभ (₹ करोड़ में)		

¹ कार्यशील निधि की गणना वित्तीय वर्ष के 12 महीनों के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक को फॉर्म X में रिपोर्ट की गई कुल आस्तियों के औसत (संचित हानि, यदि कोई हो, को छोड़कर) के रूप में की जाएगी।

² निवल ब्याज मार्जिन = निवल ब्याज आय / औसत ब्याज अर्जित आस्ति, जहाँ निवल ब्याज आय = ब्याज आय – ब्याज व्यय।

³ आस्तियों पर प्रतिफल की गणना औसत कार्यशील निधि (अर्थात, संचित हानि, यदि कोई हो, को छोड़कर कुल आस्ति) के संदर्भ में की जाएगी।

⁴ प्रति कर्मचारी कारोबार (जमा और अग्रिमों को जोड़ें) की गणना के उद्देश्य के लिए, अंतर-बैंक जमा को छोड़ा जा सकता है।

(ii) बैंक-बीमा व्यवसाय: बैंक द्वारा किए गए बीमा दलाली, एजेंसी और बैंक-बीमा व्यवसाय के संबंध में अर्जित शुल्क/ब्रोकरेज का विवरण वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष दोनों के लिए प्रकट किया जाएगा।

(iii) विपणन और वितरण: बैंक अपने द्वारा किए गए विपणन और वितरण कार्य (बैंक-बीमा व्यवसाय को छोड़कर) के संबंध में प्राप्त शुल्क/पारिश्रमिक का विवरण प्रकट करेगा।

(iv) प्राथमिक क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) के संबंध में प्रकटीकरण: वर्ष के दौरान बेचे और खरीदे गए पीएसएलसी की राशि का प्रकटीकरण किया जाएगा।

(v) प्रावधान और आकस्मिकताएँ



(राशि ₹ करोड़ में)

प्रावधान को लाभ और हानि खाते में डेबिट किया गया	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
i) एनपीआई के लिए प्रावधान		
ii) एनपीए के लिए प्रावधान		
iii) आयकर के लिए प्रावधान किया गया		
iv) अन्य प्रावधान और आकस्मिकताएं (विवरण के साथ)		

(vi) आईएफआरएस के अनुरूप भारतीय लेखा मानक (इंड एस) का कार्यान्वयन

(ए) चूंकि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुशंसित विधायी संशोधन भारत सरकार के विचाराधीन हैं, इसलिए बैंकों के लिए भारतीय लेखा मानक (इंड एस) का कार्यान्वयन अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

(बी) हालाँकि, बैंक इस संबंध में की गई अग्रिम सहित, इंड एस कार्यान्वयन के लिए रणनीति का प्रकटीकरण करना जारी रखेगा। इन खुलासों को इंडिया एस के कार्यान्वयन तक किया जाना चाहिए।

(vii) डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान

⁷[बैंक वार्षिक रिपोर्ट में यह खुलासा करेगा कि 'लागू बीमा प्रीमियम का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर डीआईसीजीसी को किया गया था'। यदि बैंक ने आवश्यक समयसीमा के अनुसार भुगतान नहीं किया है, तो इसका भी खुलासा किया जाएगा।]

(viii) बैंकों के कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन में वृद्धि के कारण व्यय के परिशोधन पर प्रकटीकरण

(11वें द्विपक्षीय निपटान और संयुक्त नोट दिनांक 11 नवंबर, 2020 के अंतर्गत शामिल बैंकों के लिए लागू)

11वें द्विपक्षीय समझौते और 11 नवंबर, 2020 के संयुक्त नोट के परिणामस्वरूप पारिवारिक पेंशन में संशोधन के कारण अतिरिक्त देयता के लिए बैंक निम्नलिखित कार्रवाई कर सकता है।

⁷ दिनांक 16 मार्च, 2026 के भारतीय रिज़र्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - वित्तीय विवरण: प्रस्तुतिकरण और प्रकटीकरण) – पांचवां संशोधन निदेश, 2026 द्वारा दिनांक 01 अप्रैल, 2026 से प्रभावी प्रतिस्थापित।



(ए) लागू लेखांकन मानकों के अनुसार पारिवारिक पेंशन में वृद्धि की देयता को पूरी तरह से मान्यता दी जाएगी।

(बी) व्यय, यदि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान लाभ और हानि खाते में पूरी तरह से प्रभारित नहीं किया जाता है, तो वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाली अवधि के साथ शुरू होने वाली पांच वर्ष से अधिक की अवधि में परिशोधित किया जाएगा, जो हर वर्ष खर्च की जाने वाली कुल राशि का न्यूनतम 20% होगा।

(सी) इस संबंध में अपनाई गई लेखा नीति का उचित प्रकटीकरण वित्तीय विवरणों के 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में किया जाएगा। बैंक अप्रवर्तित व्यय की राशि और परिणामी निवल लाभ का भी प्रकटीकरण करेगा यदि अप्रवर्तित व्यय को पूर्ण रूप से लाभ और हानि खाते में मान्यता दी गई थी।

- (ix) **बैंकों द्वारा जारी किए गए लेटर्स ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) का प्रकटीकरण:** बैंक को वर्ष के दौरान उसके द्वारा जारी किए गए सभी लेटर्स ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) के पूर्ण विवरण का प्रकटीकरण करना चाहिए, जिसमें उनका आकलित वित्तीय प्रभाव भी शामिल है, साथ ही उसके द्वारा जारी किए गए एलओसी के तहत उसके आकलित संचयी वित्तीय दायित्व भी शामिल हैं। पिछले में और शेष, अपने प्रकाशित वित्तीय विवरणों में, 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' के भाग के रूप में।
- (x) **हरित जमाराशियों से जुटाई गई निधियों के उपयोग के बारे में पोर्टफोलियो-स्तरीय जानकारी**

(राशि ₹ करोड़ में)			
विवरण	वर्तमान वित्तीय वर्ष	पिछला वित्तीय वर्ष	संचयी *
कुल जमा किए गए ग्रीन डिपॉजिट (ए)			
ग्रीन डिपॉजिट निधि का उपयोग **			
(1) नवीकरणीय ऊर्जा			
(2) ऊर्जा दक्षता			
(3) स्वच्छ परिवहन			
(4) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन			
(5) सतत जल और अपशिष्ट प्रबंधन			
(6) प्रदूषण निवारण और नियंत्रण			



(7) ग्रीन बिल्डिंग्स			
(8) जीवित प्राकृतिक संसाधनों और आधार उपयोग का सतत प्रबंधन			
(9) स्थलीय और जलीय जैवविविधता संरक्षण			
आवंटित कुल ग्रीन डिपॉजिट निधि (बी = 1 से 9 की राशि)			
आवंटित नहीं की गई ग्रीन डिपॉजिट निधि की राशि (सी = ए - बी)			
ग्रीन गतिविधियों/परियोजनाओं के लिए उनके आवंटन के लिए लंबित ग्रीन जमा आय के अस्थायी आवंटन का विवरण			
* इसमें बैंक द्वारा हरित जमा की पेशकश शुरू करने के बाद से संचयी राशि शामिल होगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी बैंक ने 1 जून 2023 से हरित जमा राशि जुटाना शुरू कर दिया है, तो 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वार्षिक वित्तीय विवरण में 1 जून 2023 से 31 मार्च 2025 तक जुटाई गई और आवंटित की गई जमा राशि का विवरण शामिल होगा। इसके अलावा, वर्ष के दौरान जुटाई गई हरित जमा की वास्तविक राशि और ऐसे धन का उपयोग इस प्रकटीकरण के तहत दिया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत, बैंक प्रत्येक उप-क्षेत्र को आवंटित धन के आधार पर उप-श्रेणियां प्रदान कर सकता है। उदाहरण के लिए, बैंक 'नवीकरणीय ऊर्जा' के तहत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि जैसी उप-श्रेणियां प्रदान कर सकता है।			



अध्याय IV - समेकित वित्तीय विवरण

11. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के तहत निर्धारित प्रारूपों के अनुसार तैयार किए गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के अलावा, बैंक, चाहे सूचीबद्ध हो या सूचीबद्ध न हो, अपनी वार्षिक रिपोर्ट में [अनुबंध II](#) में निर्धारित प्रारूपों में सीएफएस तैयार करेगा और उसका प्रकटीकरण करेगा।

स्पष्टीकरण: सीएफएस में आम तौर पर एक समेकित तुलन पत्र, लाभ और हानि का समेकित विवरण, मुख्य लेखांकन नीतियां और 'खातों से संबंधित टिप्पणियाँ' शामिल होंगे।

12. बैंक के लिए सीएफएस भी बैंक के वार्षिक खातों के प्रकाशन के एक महीने के भीतर भारतीय रिज़र्व बैंक के पर्यवेक्षण विभाग (डीओएस) को प्रस्तुत किया जाएगा।

13. सीएफएस बैंक के लिए लागू लेखांकन मानकों के संदर्भ में तैयार किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1: वित्तीय रिपोर्टिंग के प्रयोजन के लिए, 'मूल', 'सहायक', 'एसोसिएट', 'संयुक्त उद्यम', 'नियंत्रण', और 'समूह' शब्दों का वही अर्थ होगा जो बैंक के लिए लागू लेखांकन मानकों में उन्हें दिया गया है।

स्पष्टीकरण 2: आरआरबी को अपने प्रायोजक बैंक के सीएफएस में 'एसोसिएट' माना जाएगा।

14. सीएफएस प्रस्तुत करने वाला एक पैरेंट सभी अनुषंगी कंपनियों - घरेलू और साथ ही विदेशी, लागू लेखा मानकों के तहत विशेष रूप से बाहर किए जाने की अनुमति को छोड़कर, को समेकित करेगा।

15. समेकन के लिए किसी विशेष इकाई को शामिल किया जाएगा या नहीं, यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी मूल इकाई के प्रबंधन की होगी।

बशर्ते कि, अनुषंगी कंपनी को समेकित न करने के कारणों का प्रकटीकरण सीएफएस में किया जाएगा।

बशर्ते यह भी कि, सांविधिक लेखा परीक्षकों को अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लेख करना चाहिए, यदि उनकी राय है कि एक इकाई जिसे समेकित किया जाना चाहिए था, उसे छोड़ दिया गया है।



16. ऐसे मामलों में जहां समूह में विभिन्न संस्थाएं संबंधित विनियामक (विनियामकों) द्वारा निर्धारित विभिन्न लेखांकन मानदंडों द्वारा शासित होती हैं, तुलन पत्र आकार का उपयोग प्रमुख गतिविधि को निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है और इसके विनियामक द्वारा विनिर्दिष्ट समान लेनदेन और घटनाओं के समेकन के लिए लेखांकन मानदंडों का उपयोग किया जा सकता है।

बशर्ते कि, जहां बैंकिंग प्रमुख गतिविधि है, वहां समान परिस्थितियों में समान लेनदेन और अन्य घटनाओं के संबंध में समेकन उद्देश्यों के लिए बैंक पर लागू लेखांकन मानदंडों का उपयोग किया जाएगा।

17. बैंक द्वारा उन अनुषंगी कंपनियों में निवेश का मूल्यांकन जो समेकित नहीं हैं और सहयोगियों जो 'इक्विटी पद्धति' का उपयोग करके शामिल नहीं हैं, आरबीआई द्वारा जारी प्रासंगिक मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

18. बैंक के निदेशक मंडल को सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम में निवेश के समय अस्थायी अवधि के लिए या अन्यथा निवेश रखने के इरादे को अनिवार्य रूप से रिकॉर्ड करना चाहिए।

बशर्ते कि, ऐसे निवेश के समय बोर्ड द्वारा ऐसे इरादे के रिकॉर्ड के अभाव में, निवेशित इकाई को सीएफएस में समेकित किया जाएगा।



अध्याय V-अन्य अनुदेश

ए. अंतर-शाखा खाता - निवल डेबिट शेष के लिए प्रावधान

19. बैंक असमाहित अंतर-शाखा खाता प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन करेगा।

(1) बैंक अंतर-शाखा खाते में पांच वर्ष से अधिक समय से शेष क्रेडिट प्रविष्टियों को अलग करेगा और उन्हें एक अलग 'अवरुद्ध खाते' में स्थानांतरित करेगा जिसे 'अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य' के तहत दिखाया जाएगा।

(2) अवरुद्ध खाते से किसी भी समायोजन की अनुमति केवल दो अधिकारियों के प्राधिकरण के साथ दी जानी चाहिए, जिनमें से एक नियंत्रण/प्रधान कार्यालय से होना चाहिए यदि राशि ₹ एक लाख से अधिक है।

(3) अवरुद्ध खाते में शेष राशि को आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) और सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) के रखरखाव के उद्देश्य से देयता के रूप में गणना की जाएगा।

(4) बैंक अंतर-शाखा खातों के माध्यम से किए गए विभिन्न प्रकार के लेनदेन के लिए श्रेणी-वार (शीर्ष-वार) खाते बनाएगा, ताकि नेटिंग श्रेणी-वार की जा सके। तुलन पत्र की तारीख के अनुसार, बैंक छह महीने से अधिक समय तक असमायोजित शेष डेबिट और क्रेडिट प्रविष्टियों को अलग करेगा और ब्लॉक किए गए खाते में शेष राशि पर प्रतिफल करते हुए, श्रेणीवार निवल स्थिति पर पहुंचेगा।

(5) अंतर-शाखा खातों की सभी श्रेणियों के तहत निवल डेबिट को समेकित किया जाएगा और कुल निवल डेबिट के 100 प्रतिशत के बराबर प्रावधान किया जाएगा।

बशर्ते कि, बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि एक श्रेणी में निवल डेबिट अन्य श्रेणी में निवल क्रेडिट के विरुद्ध सेट-ऑफ नहीं है।

बी.नोस्ट्रो खाते का मिलान और शेष प्रविष्टियों का उपाय

20. किसी बैंक के नोस्ट्रो खातों में शेष प्रविष्टियों का उपाय निम्नानुसार होगा।

(1) बैंक मिलान पर मजबूत नियंत्रण रखने के लिए कदम उठाएगा और वास्तविक समय में मिलान की प्रणाली स्थापित करेगा, जो किसी भी मतभेद के तत्काल वृद्धि के लिए प्रदान करता है।



- (2) नोस्ट्रो खातों में लंबित मदों की शीर्ष प्रबंधन द्वारा कम अंतराल पर करीबी निगरानी की जानी चाहिए।
- (3) नोस्ट्रो खातों में सभी असमाहित क्रेडिट प्रविष्टियाँ जो तीन वर्ष से अधिक समय से शेष हैं, उन्हें अवरुद्ध खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और शेष देयताओं के रूप में दिखाया जाएगा।
- (4) अवरुद्ध खाते में शेष राशि को सीआरआर/एसएलआर के प्रयोजन के लिए गणना किया जाएगा।
- (5) बैंक नोस्ट्रो खातों में सभी असमाधानकृत डेबिट प्रविष्टियों के संबंध में 100 प्रतिशत प्रावधान करेगा, जो दो वर्ष से अधिक समय से शेष हैं।
- (6) बैंक, जिसे अतीत में, लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित करने की अनुमति दी गई थी (इसके बाद सामान्य आरक्षित निधि में बाद में विनियोजन किया गया था) मार्च 31, 2002 तक शुरू हुए नोस्ट्रो खातों में 2,500 अमेरिकी डॉलर से कम या समकक्ष व्यक्तिगत मूल्य की शेष क्रेडिट प्रविष्टियों को कुछ शर्तों के अधीन, यह सुनिश्चित करेगा कि इन प्रविष्टियों के संबंध में किसी भी भविष्य के दावों को सम्मानित किया जाए।

स्पष्टीकरण: सामान्य आरक्षित निधि के लिए विनियोजित राशि लाभांश की घोषणा के लिए उपलब्ध नहीं होगी।

सी. आरक्षित निधियों से अंतरण/विनियोजन

21. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 17(1) और 11(2)(बी)(ii) के तहत, किसी बैंक के लिए यह ज़रूरी है कि वह लाभ और हानि खाते में दिखाए गए मुनाफ़े के शेष में से, उस मुनाफ़े का कम से कम 20 प्रतिशत भाग 'आरक्षित निधि' में अंतरित करे। ये प्रावधान न्यूनतम सांविधिक आवश्यकता हैं। हालाँकि, पूंजी बढ़ाने के लिए, वाणिज्यिक बैंक 'आरक्षित निधि' में विनियोग से पहले 'निवल लाभ' का 25 प्रतिशत से कम हस्तांतरित नहीं करेगा।
22. जब तक कि मौजूदा नियमों द्वारा विशेष रूप से अनुमति न दी जाए, बैंक को 'आरक्षित निधि' या किसी अन्य रिज़र्व से कोई विनियोजन करने से पहले भारतीय रिज़र्व बैंक से पूर्व मंजूरी लेनी होगी।
23. बैंकों को यह भी सूचना दी जाती है कि,



(1) सभी खर्च जिनमें प्रावधान और बट्टे खाते डालना शामिल हैं, चाहे अनिवार्य हों या विवेकपूर्ण, एक अवधि में निर्धारित, को 'रेखा से ऊपर' मद के रूप में (अर्थात्, वर्ष के शुद्ध लाभ/हानि की गणना करने से पहले) के रूप में दर्शाया जाएगा;

(2) भारतीय रिज़र्व बैंक की पूर्व स्वीकृति के साथ, रिज़र्व से आहरण, केवल 'रेखा से नीचे' (अर्थात्, वर्ष के लिए निवल लाभ/हानि पर पहुंचने के बाद) प्रभावी होगा; और

(3) तुलन पत्र को 'लेखा संबंधी टिप्पणियाँ' में आहरण के बारे में उपयुक्त प्रकटीकरण किए जाएंगे।

(4) लागू कानूनों के अनुपालन के अधीन, भारतीय रिज़र्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना, बैंक शेयरों के निर्गम व्यय को पूरा करने के लिए शेयर प्रीमियम खाते का उपयोग कर सकते हैं, इस हद तक कि ऐसे व्यय लेनदेन के लिए सीधे जिम्मेदार वृद्धिशील लागत हैं जो अन्यथा टाले जा सकते थे।

बशर्ते कि, शेयर प्रीमियम खाते का उपयोग ऋण लिखत जारी करने से संबंधित खर्चों को बट्टे खाते में डालने के लिए नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण: इस निदेश के प्रयोजनों के लिए, निर्गम व्यय में पंजीकरण और अन्य विनियामक शुल्क, कानूनी, लेखांकन और अन्य पेशेवर सलाहकारों को किए गए भुगतान, मुद्रण लागत और स्टाम्प शुल्क शामिल होंगे।

डी. धोखाधड़ी के लिए प्रावधान

24. धोखाधड़ी के लिए प्रावधान के संबंध में, बैंक जिसने निर्धारित समय के भीतर धोखाधड़ी की सूचना दी है, उसके पास धोखाधड़ी का पता लगने वाले तिमाही से शुरू होने वाली चार तिमाहियों से अधिक की अवधि में इसके लिए प्रावधान करने का विकल्प होगा।

25. जहां बैंक धोखाधड़ी के लिए दो से चार तिमाहियों में प्रदान करना चुनता है और इसके परिणामस्वरूप पूर्ण प्रावधान एक से अधिक वित्तीय वर्षों में किया जाता है, लागू कानूनों के अनुपालन के अधीन, यह वित्तीय वर्ष के अंत में प्रावधानों में क्रेडिट द्वारा शेष अन-प्रदान की गई राशि द्वारा सांविधिक रिज़र्व के अलावा आरक्षित राशि को डेबिट कर सकता है।

बशर्ते कि, इसे बाद में अगले वित्तीय वर्ष की क्रमिक तिमाहियों में रिज़र्व में किए गए नामे को आनुपातिक रूप से उत्क्रमित(रिवर्स) करना चाहिए और लाभ और हानि खाते को नामे करके प्रावधान पूरा करना चाहिए।



26. जहाँ भारतीय रिज़र्व बैंक को धोखाधड़ी की सूचना देने में निर्धारित अवधि से अधिक विलंब हुआ है, वहाँ संपूर्ण प्रावधान एक साथ किया जाना आवश्यक है।

ई. असमाधानकृत शेष

27. किसी भी अस्थायी खाते में असमाधानित क्रेडिट शेष राशि, जो कि दावा न की गई शेष राशि का प्रतिनिधित्व करती है, को लाभ और हानि खाते अथवा किसी भी आरक्षित निधि में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

एफ. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित राशि(रिज़र्व) पर आस्थगित कर देयता (डीटीएल)

28. बैंक को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित राशि पर डीटीएल के लिए प्रावधान करना होगा।

जी. विंडो ड्रेसिंग

29. बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता उसकी वित्तीय स्थिति की वास्तविक और उचित तस्वीर को दर्शाता है।
30. वित्तीय आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, अपर्याप्त प्रावधान, एनपीए का गलत वर्गीकरण, एक्सपोजर/जोखिम भार की कम रिपोर्टिंग/गलत गणना, व्ययों का गलत पूंजीकरण, एनपीए पर ब्याज का पूंजीकरण, वित्तीय वर्ष के अंत में आस्तियों और देयताओं में इरादतन वृद्धि और अगले वित्तीय वर्ष में तत्काल उसका उल्लमण(रिवर्सल) आदि जैसे मामलों को गंभीरता से देखा जाएगा और बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के तहत उपयुक्त दंडात्मक कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।



अध्याय VI- निरसन और अन्य प्रावधान

ए. निरसन और व्यावृत्ति

31. इन निदेशों के जारी होने के साथ, वाणिज्यिक बैंकों पर लागू वित्तीय विवरणों- प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण से संबंधित मौजूदा निदेश, अनुदेश और दिशानिर्देश निरस्त हो गए हैं, जैसा कि [28 नवंबर 2025 के परिपत्र डीओआर.आरआरसी.आरईसी. 302/33-01-010/2025-26](#) द्वारा सूचित किया गया है। इन निदेशों के जारी होने से पहले निरस्त किए गए निदेश, अनुदेश और दिशानिर्देश निरस्त रहेंगे।
32. इस तरह के निरसन के बावजूद, निरस्त निदेशों, अनुदेशों या दिशानिर्देशों के तहत की गई या कथित कार्रवाई, या शुरू की गई कार्रवाई, उसके प्रावधानों द्वारा शासित होती रहेगी। इन निरस्त सूचियों के तहत दी गई सभी स्वीकृतियां या पावती इन निदेशों द्वारा शासित मानी जाएंगी। इसके अलावा, इन निदेशों, अनुदेशों या दिशानिर्देशों को निरस्त करने से किसी भी तरह से प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा

ए. कोई भी अधिकार, दायित्व या दायित्व अर्जित, उपार्जित या उसके तहत अर्जित किया गया है;

बी. इसके तहत किए गए किसी भी उल्लंघन के संबंध में लगाया गया कोई भी जुर्माना, जब्ती या सजा;

सी. किसी भी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, दायित्व, देयता, दंड, जब्ती या सजा के संबंध में कोई भी जांच, कानूनी कार्यवाही या उपाय; और ऐसी कोई भी जांच, कानूनी कार्यवाही या उपाय शुरू किया जा सकता है, जारी रखा जा सकता है, या लागू किया जा सकता है और ऐसी कोई भी दंड, जब्ती या सजा लगाई जा सकती है जैसे कि उन निदेशों, अनुदेशों या दिशानिर्देशों को निरस्त नहीं किया गया था।

बी. अन्य कानूनों के लागू होने पर रोक नहीं

33. इन निदेशों के प्रावधान, यथासमाय लागू किसी अन्य कानून, नियम, विनियम या निदेश के प्रावधानों के अतिरिक्त होंगे, और उनके अपवाद नहीं होंगे।



सी. व्याख्याएँ

34. इन निदेशों के प्रावधानों को प्रभावी बनाने के प्रयोजन के लिए या इन निदेशों के प्रावधानों के अनुप्रयोग या व्याख्या में किसी कठिनाई को दूर करने के लिए, आरबीआई, यदि वह आवश्यक समझे, तो यहां शामिल किसी भी मामले के संबंध में आवश्यक स्पष्टीकरण जारी कर सकता है और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा इन निदेशों के किसी भी प्रावधान की व्याख्या अंतिम और बाध्यकारी होगी।

(सुनील टी एस नायर)

मुख्य महाप्रबंधक

अनुबंध I

तुलन पत्र और लाभ और हानि खाते का प्रारूप
(फॉर्म ए और फॉर्म बी मूल भारत सरकार की अधिसूचना एसओ 240(ई) दिनांक 26
मार्च 1992 से पुनः प्रस्तुत किया गया है)

प्रपत्र ए तुलन पत्र का रूप

----- (यहाँ बैंकिंग कंपनी का नाम भरे) का तुलन पत्र
31 मार्च ----- (वर्ष) की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र
(000 को छोड़कर)

	अनुसूची	31 मार्च, ____ (वर्तमान वर्ष) को	31 मार्च, ____ (पिछले वर्ष) तक
पूंजी और देयताएँ			
पूंजी	1		
आरक्षित और अधिशेष	2		
जमा	3		
उधार	4		
अन्य देयताएं और प्रावधान	5		
कुल			
आस्ति			
भारतीय रिज़र्व बैंक में			
नकदी और अतिशेष	6		
बैंको में अतिशेष और मांग			
पर तथा अल्प सूचना पर	7		
प्राप्त धन			
विनिधान	8		
अग्रिम	9		
स्थिर आस्तियां	10		
अन्य आस्ति	11		
जोड़			
समाश्रित दायित्व	12		
संग्रहण के लिए बिल			

अनुसूची 1 - पूंजी

	31 मार्च, ____ (वर्तमान वर्ष) को	31 मार्च, ____ (पिछले वर्ष) तक
I राष्ट्रीयकृत बैंकों के लिए पूंजी (केंद्र सरकार के पूर्ण स्वामित्व में)	_____	_____
II भारत के बाहर निगमित बैंकों के लिए पूंजी	_____	_____
(i) आरबीआई द्वारा निर्धारित स्टार्ट-अप पूंजी के माध्यम से बैंकों द्वारा लाई गई राशि को इस शीर्ष के तहत दिखाया जाना चाहिए।		
(ii) बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 11(2) के तहत आरबीआई के पास रखी गई जमा राशि।	_____	_____
कुल	_____	_____
III अन्य बैंकों के लिए		
प्राधिकृत पूंजी		
(____रूपये प्रति शेयर वाले ____ शेयर)		
जारी पूंजी		
(____रूपये प्रति शेयर वाले ____ शेयर)		
अभिदत्त पूंजी		
(____रू. के ____ शेयर)		
कॉल-अप	पूंजी	
(प्रत्येक ____रू. के ____ शेयर)		
घटाइए: अदत्त मांग		
जोडीए: समग्रहत शेयर		

अनुसूची 2 - आरक्षितिया और अधिशेष

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. कानूनी आरक्षितिया अथशेष वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौतियाँ		
II. पूंजी आरक्षितिया अथशेष वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौतियाँ		
III. शेयर प्रीमियम अथशेष वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौतियाँ		
IV. राजस्व और अन्य आरक्षितिया अथशेष वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौतियाँ		
V. लाभ और हानि खाते का अधिशेष जोड़ (1, 2, 3, 4 और 5)		

अनुसूची 3 - निक्षेप

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
ए.1. मांग निक्षेप		
(i) बैंकों से		
(ii) अन्य से		
II. बचत बैंक निक्षेप		
III. कालिक निक्षेप		
(i) बैंकों से		
(ii) अन्य से		
जोड़		
(I, II और III)		
बी (i) भारत में शाखाओं के निक्षेप		
(ii) भारत से बाहर शाखाओं के निक्षेप		
जोड़		

अनुसूची 4 - उधार

	31 मार्च, ____ (वर्तमान वर्ष) को	31 मार्च, ____ (पिछले वर्ष) तक
I. भारत में उधार		
(ए) भारतीय रिज़र्व बैंक		
(बी) अन्य बैंक		
(सी) अन्य संस्थान व अभिकरण		
II. भारत के बाहर उधार		
जोड़ (I और II)	_____	_____
उपर I और II में सम्मिलित प्रतिभूत उधार -- रूपये	_____	_____

अनुसूची 5 – अन्य देनदारियों तथा प्रावधान

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. सदेय बिल		
II. अंतर कार्यालय समायोजन (शुद्ध)		
III. अर्जित ब्याज		
IV. अन्य (इसमे व्यवस्था सम्मिलित है) जोड़		

अनुसूची 6 – भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. हाथ नकदी (इसमे विदेशी करेंसी नोट सम्मिलित हैं)		
II. भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष (i) चालू खाते में (ii) अन्य खातों में जोड़ (I और II)		

अनुसूची 7 – बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्त धन

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. भारत में (i) बैंकों में अतिशेष (ए) चालू खातों में (बी) अन्य जमा खातों में (ii) मांग और अल्प सूचना पर प्राप्त धन (ए) बैंकों के पास (बी) अन्य संस्थानों में जोड़ (i और ii)		
II. भारत में बाहर (i) चालू खातों में (ii) अन्य जमा खातों में (iii) मांग और अल्प सूचना पर प्राप्त धन जोड़ (i, ii और iii)		

जोड़ (I और II)

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(चालू वर्ष)

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(पिछला वर्ष)

अनुसूची 8 – विनिधान

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(चालू वर्ष)

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(पिछला वर्ष)

- I. भारत में विनिधान
(i) सरकारी प्रतिभूतियां
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां
(iii) शेयर
(iv) डिबेंचर और बंध पत्र
(v) अनुषंगियों और/अथवा सह उद्यम
(vi) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)
जोड़
- II. भारत के बाहर विनिधान
(i) सरकारी प्रतिभूतियां (इसमें स्थानीय प्राधिकारी सम्मिलित हैं)
(ii) विदेश में अनुषंगियों और/अथवा उद्यम
(iii) अन्य विनिधान (विनिर्दिष्ट करें)
जोड़
कुल जोड़ (I और II)

अनुसूची 9 – अग्रिम

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(चालू वर्ष)

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(पिछला वर्ष)

- ए. (i) क्रय किए गए और मित्ती काटे पर भुगतान किए गए विनिमय पत्र
(ii) रोकड़ उधार, ओवरड्राफ्ट और मांग पर प्रति सदेय उधार
(iii) सावधि उधार
जोड़

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
बी. (i)मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (ii)बैंक/सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा सुरक्षित (iii)अप्रतिभूत जोड़		
सी. I. भारत में अग्रिम (i)प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (ii)सरकारी क्षेत्र (iii)बैंक (iv)अन्य जोड़		
सी. II. भारत के बाहर अग्रिम (i)बैंकों से शोध (ii)अन्यों से शोध (ए)क्रय किए गए और मिती काटे पर भुगतान किए गए विनिमय पत्र (बी) सिंडिकेटेड ऋण (सी) अन्य जोड़ कुल जोड़ (सी. I और II)		

अनुसूची 10 – स्थिर आस्तियां

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. परिसर पूर्ववर्तीय वर्ष की 31 मार्च के अनुसार लागत वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौती आज तक मूल्यहास		
II. अन्य स्थिर आस्तियां (इसमें फर्निचर और फिक्चर सम्मिलित हैं) पिछले वर्ष के 31 मार्च के लागत पर वर्ष के दौरान परिवर्धन वर्ष के दौरान कटौती आज तक मूल्यहास जोड़ (I और II)		

अनुसूची 11 – अन्य आस्तियां

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. अंतर-कार्यालय समायोजन (शुद्ध)		
II. अर्जित ब्याज		
III. अग्रिम रूप से सदेत/स्तोत पर कर कटौती		
IV. लेखन सामाग्री और स्टैंप		
V. दावों की संतुष्टि में प्राप्त की गई बैंककारी आस्तियां		
VI. अन्य* जोड़		

* यदि हानि का कोई असमायोजित शेष है तो उसे इस मद के अंतर्गत उपयुक्त फुट-टिप्पणी के साथ दिखाया जा सकता है।

अनुसूची 12 – समाश्रित दायित्व

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हे ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया हैं।		
II. आंशिक रूप से भुगतान किए गए निवेशों के लिए देयता		
III. बकाया वायदा विनिमय अनुबंधों के कारण देयता		
IV. संघटकों की ओर से दी गई प्रतिभूतिया (ए) भारत में (बी) भारत के बाहर		
V. प्रति-ग्रहण पृष्ठकन और अन्य बाध्यताएँ		
VI. अन्य मदें जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से उत्तरदायी है जोड़		

फॉर्म बी

31 मार्च (वर्ष) को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाते

का प्रपत्र

	अनुसूची	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	(000's को छोड़कर) 31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I.	आय		
	अर्जित ब्याज	13	
	अन्य आय	14	
	जोड़		
II.	व्यय		
	व्यय किया गया ब्याज	15	
	प्रचालन व्यय	16	
	उपाबंध और आकस्मिक व्यय		
	जोड़		
III.	लाभ/हानि		
	वर्ष के शुद्ध लाभ/हानि(-)		
	लाभ/हानि(-)आगे लाया गया		
	कुल		
IV.	विनियोजन		
	वैधानिक रिज़र्व का अंतरण		
	अन्य रिज़र्व में अंतरण		
	सरकार को अंतरण/प्रस्तावित		
	लाभांश		
	अतिशेष जो तुलन पत्र में आगे लाया		
	गया हैं।		

अनुसूची 13 – अर्जित ब्याज

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. ब्याज/, अग्रिमो/विनिमयों पात्रो पर ब्याज/मितीकाटा		
II. विनिधानों पर आय		
III. भारतीय रिज़र्व बैंक के अतिशेषों और अन्य अंतर- बैंक निधियों में शेष राशि पर ब्याज		
IV. अन्य जोड़		

अनुसूची 14 – अन्य आय

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. कमिशन, विनिमय और दलाली		
II. विनिधानों के विक्रय पर लाभ घट: विनिधानों के विक्रय पर हानि		
III. विनिधानों के पूनर्मूल्यांकन पर लाभ घट: विनिधानों के पूनर्मूल्यांकन पर हानि		
IV. भूमि, भवनो और अन्य आस्तियों के विक्रय पर लाभ घट: भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की विक्रय पर हानि		
V. विनिमय संव्यवहारों पर लाभ घट: विनिमय संव्यवहारों पर हानि		
VI. विदेश/भारत में स्थापित समनुषंगियों /कंपनियों और/या सह उद्यमों से लाभांशों आदि के रूप में अर्जित आय		
VII. प्रकिर्ण आय जोड़		

नोट: मद संख्या I से V के अंतर्गत घाटे कोष्ठको में दिखाए जाएं।

अनुसूची 15 – व्यय किया गया ब्याज

	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. निक्षेपों पर ब्याज		
II. भारतीय रिज़र्व बैंक / अंतर-बैंक उधारों पर ब्याज		
III. अन्य जोड़		

अनुसूची 16 – परिचालन व्यय

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(चालू वर्ष)

31-3----- की
स्थिति के अनुसार
(पिछला वर्ष)

- I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए व्यवस्था
- II. भाटक, कर और लाइटिंग
- III. मुद्रण और लेखन सामग्री
- IV. विज्ञापन और प्रचार
- V. बैंको की संपत्ति पर मूल्यह्रास
- VI. निदेशक की फीस, भत्ते और व्यय
- VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (इसमें शाखा लेखापरीक्षकों की फीस और व्यय शामिल हैं)
- VIII. विधि प्रभार
- IX. डाक, महसूल, तार और टेलीफोन, आदि.
- X. मरम्मत और अनुरक्षण
- XI. बीमा
- XII. अन्य व्यय जोड़

समेकित वित्तीय विवरणों का प्रारूप

समेकित तुलन पत्र का प्रारूप

समेकित तुलन पत्र ____ (यहां मूल बैंक का नाम दर्ज करें)

31 मार्च (वर्ष) को तुलन पत्र

(राशि ₹ करोड़ में)			
विवरण	अनुसूची	31.3 . पर वर्तमान वर्ष में	31.3 . पर (पिछले वर्ष)
पूंजी और देयताएँ			
पूंजी	1		
आरक्षित और अधिशेष	2		
अल्पसंख्यक हित	2ए		
जमा राशियाँ	3		
उधार	4		
अन्य देनदारियों तथा प्रावधान	5		
जोड़			
आस्तियां			
भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष	6		
बैंको में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्त धन	7		
विनिधान	8		
अग्रिम	9		
स्थिर	10		
अन्य आस्तियां	11		
समेकन पर गुडविल			
जोड़			
समाश्रित दायित्व	12		
संग्रह के लिए बिल			

समेकित लाभ और हानि खाते का प्रारूप

समेकित लाभ और हानि खाता ____ (यहां मूल बैंक का नाम दर्ज करें)

31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता

(राशि ₹ करोड़ में)			
विवरण	अनुसूची	वर्ष समाप्त 31.3 . — (वर्तमान वर्ष)	वर्ष समाप्त 31.3 . — (पिछला वर्ष)
I. आय			
अर्जित ब्याज	13		
अन्य आय	14		
कुल			
II. व्यय			
व्यय किया गया ब्याज	15		
प्रचालन व्यय	16		
उपाबंध और आकस्मिक व्यय			
कुल			
एसोसिएट्स में कमाई/हानि का हिस्सा			
अल्पसंख्यकों का ब्याज काटने से पहले के वर्ष के लिए समेकित निवल लाभ/(हानि)			
घटाएं: अल्पसंख्यकों का हित			
समूह के कारण वर्ष के लिए समेकित लाभ/(हानि)			
जोड़ें: समूह के कारण समेकित लाभ/(हानि) को आगे लाया			
III. विनियोग			
वैधानिक रिज़र्व का अंतरण			
अन्य रिज़र्व में अंतरण			
सरकार को अंतरण/प्रस्तावित लाभांश			
अतिशेष जो तुलन पत्र में आगे लाया गया हैं			

जोड़			
प्रति शेयर आय ¹			

¹ प्रति शेयर कमाई मूल और अवमिश्रण दोनों के लिए होगी।

अनुसूची 1 – पूंजी		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
प्राधिकृत पूंजी		
(_____रूपये प्रति शेयर वाले ___ शेयर)		
जारी पूंजी		
(_____रूपये प्रति शेयर वाले ___ शेयर)		
अभिदत्त पूंजी		
(_____रू. के ___ शेयर)		
जोड़		

अनुसूची 2 - आरक्षित और अधिशेष ¹		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
कानूनी आरक्षितिया		
पूंजी आरक्षितिया		
समेकन पर आरक्षित पूंजी ²		
शेयर प्रीमियम		
अन्य आरक्षित (प्रकृति विनिर्दिष्ट करें)		
राजस्व और अन्य आरक्षितिया		
लाभ और हानि खाते का अधिशेष ³		
जोड़		

1. अंतिम समेकित तुलन पत्र के बाद से आरंभिक शेष, परिवर्धन और कटौतियां प्रत्येक विनिर्दिष्ट शीर्ष के अंतर्गत दर्शाई जाएंगी।
2. जहां एक से अधिक अनुषंगी हैं और कुछ मामलों में समेकन के परिणाम सद्भावना और अन्य मामलों में पूंजी आरक्षित हैं, अलग-अलग नोट देने के बाद अनुसूची 2 या आस्ति पक्ष में निवल प्रभाव दिखाया जाएगा।
3. हानि के मामले में शेष राशि को कटौती के रूप में दिखाया जाएगा।

अनुसूची 2ए - अल्पसंख्यक हित		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
माता-पिता-सहायक संबंध अस्तित्व में आने की तिथि पर अल्पसंख्यक हित		
बाद में वृद्धि / कमी		
बैलेंस शीट की तारीख पर अल्पसंख्यक ब्याज		

अनुसूची 3 - जमा राशियाँ		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
ए. I. मांग निक्षेप		
(i) बैंकों से		
(ii) दूसरों से		
II. बचत बैंक निक्षेप		
III. मियादी निक्षेप		
(i) बैंकों से		
(ii) दूसरों से		
जोड़ (I, II और III)		
बी. (i) भारत में शाखाओं के निक्षेप ¹		
(ii) भारत से बाहर शाखाओं के निक्षेप ²		
जोड़ (i और ii)		

1. सहायक कंपनियों की भारतीय शाखाओं की जमा राशि शामिल है
2. सहायक कंपनियों की विदेशी शाखाओं की जमा राशि शामिल है

अनुसूची 4 - उधार		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. भारत में उधार		
(i) भारतीय रिज़र्व बैंक		
(ii) अन्य बैंक		

(iii) अन्य संस्थान व अभिकरण		
II. भारत के बाहर उधार		
जोड़ (I और II)		
ऊपर I और II में शामिल प्रतिभूत उधार -- रूपये		

अनुसूची 5 - अन्य देनदारियों तथा प्रावधान		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. देय बिल		
II. अंतर-कार्यालय समायोजन (शुद्ध)		
III. अर्जित ब्याज		
IV. विलंबित कर उत्तरदायित्व		
V. अन्य (प्रावधानों सहित)		
जोड़		

अनुसूची 6 - भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. हाथ में नकद (विदेशी मुद्रा नोटों सहित)		
II. भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष		
(i) चालू खाते में		
(ii) अन्य खातों में		
जोड़ (I और II)		

अनुसूची 7 - बैंको में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्त धन		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. भारत में		
(i) बैंकों में अतिशेष		
(ए) चालू खातों में		
(बी) अन्य जमा खातों में		
(ii) मांग और अल्प सूचना पर प्राप्त धन		
(ए) बैंकों के साथ		
(बी) अन्य संस्थानों के साथ		
जोड़ (i और ii)		
II. भारत के बाहर		
(i) चालू खाते में		
(ii) अन्य जमा खातों में		
(iii) कॉल और शॉर्ट नोटिस पर पैसा		
जोड़ (i, ii और iii)		
जोड़ योग (I और II)		

अनुसूची 8 - विनिधान		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. भारत में विनिधान		
(i) सरकारी प्रतिभूतियां		
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
(iii) शेयर		
(iv) डिबेंचर और बंध पत्र		
(v) एसोसिएट्स		
(vi) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		
जोड़		

अनुसूची 8 - विनिधान		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
II. भारत के बाहर विनिधान		
(i) सरकारी प्रतिभूतियां (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)		
(ii) एसोसिएट्स		
(iii) अन्य निवेश (विनिर्दिष्ट किया जाना है)		
जोड़		
जोड़ योग (I और II)		
III. भारत में विनिधान		
(i) विनिधानका सकल मूल्य		
(ii) मूल्यहास के लिए प्रावधानों का योग		
(iii) निवल निवेश		
IV. भारत के बाहर विनिधान		
(i) विनिधान का सकल मूल्य		
(ii) मूल्यहास के लिए प्रावधानों का योग		
(iii) निवल निवेश		

अनुसूची 9 - अग्रिम		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
ए. (i) खरीदे और भुनाए गए बिल		
(ii) नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट और ऋण मांग पर चुकाने योग्य		
जोड़ (i, ii और iii)		
बी. (i) मूर्त आस्ति द्वारा सुरक्षित (पुस्तक ऋणों के खिलाफ अग्रिम शामिल है)		
(ii) बैंक/सरकारी गारंटियों द्वारा कवर किया गया		
(iii) असुरक्षित		
जोड़ (i, ii और iii)		
सी. आई. भारत में अग्रिम		
(i) प्राथमिकता क्षेत्र		
(ii) सार्वजनिक क्षेत्र		

अनुसूची 9 - अग्रिम		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
(iii) बैंक		
(iv) अन्य		
जोड़ (I, ii, iii और iv)		
सी.II. भारत के बाहर अग्रिम		
(i) बैंकों से देय		
(ii) दूसरों के कारण		
(ए) खरीदे और भुनाए गए बिल		
(बी) सिंडिकेटेड ऋण		
(सी) अन्य		
जोड़ (i और ii)		
सकल जोड़ (सी.I. और सी.II.)		

अनुसूची 10 - स्थिर आस्तियां		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. परिसर		
पूर्ववर्तीय वर्ष की 31 मार्च के अनुसार लागत		
वर्ष के दौरान परिवर्धन		
वर्ष के दौरान कटौती		
आज तक मूल्यहास		
I(ए) निर्माणाधीन परिसर		
II. अन्य अचल आस्तियां (इसमें फर्निचर और फिक्चर सम्मिलित हैं)		
इसमें फर्निचर और फिक्चर सम्मिलित हैं		
वर्ष के दौरान परिवर्धन		
वर्ष के दौरान कटौती		
आज तक मूल्यहास		
II(ए) पट्टे पर दी गई आस्ति		
पिछले वर्ष के 31 मार्च को लागत पर		
समायोजन सहित वर्ष के दौरान परिवर्धन		
प्रावधानों सहित वर्ष के दौरान कटौती		
आज तक मूल्यहास		

अनुसूची 10 - स्थिर आस्तियां		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
जोड़ (I, Iए, II और IIए)		
III. पूंजीगत-कार्य-प्रगति में (पट्टे पर आस्तियों सहित) प्रावधानों का निवल		
जोड़ (I, Iए, II, IIए और III)		

अनुसूची 11 - अन्य आस्तियां		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. अंतर-कार्यालय समायोजन (शुद्ध)		
II. अर्जित ब्याज		
III. अग्रिम रूप से सदेत/स्त्रोत पर कर कटौती		
IV. लेखन सामाग्री और स्टैप		
V. दावों की संतुष्टि में प्राप्त की गई बैंककारी आस्तियां		
VI. आस्थगित कर आस्तियां		
VII. अन्य		
जोड़		

अनुसूची 12 - समाश्रित दायित्व		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है।		
II. आंशिक रूप से भुगतान किए गए निवेशों के लिए देयता		
III. बकाया वायदा विनिमय अनुबंधों के कारण देयता		
IV. घटकों की ओर से दी गई गारंटी		
(ए) भारत में		
(बी) भारत के बाहर		
V. प्रति-ग्रहण पृष्ठकन और अन्य बाध्यताएँ		
VI. अन्य मदें जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से उत्तरदायी है		
जोड़		

अनुसूची 13 - संग्रहण के लिए बिल		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. अग्रिम/बिलों पर ब्याज/छूट		
II. निवेश पर आय (लाभांश सहित)		
III. भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य अंतर-बैंक निधियों के साथ शेष राशि पर ब्याज		
IV. अन्य		
जोड़		

अनुसूची 14 - अन्य आय		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. कमिशन, विनिमय और दलाली		
II. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ कम: भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर हानि		
III. विनिमय लेनदेन पर लाभ कम: विनिमय लेनदेन पर हानि		
IV. निवेश की बिक्री पर लाभ (निवल) कम: निवेश की बिक्री पर हानि		
V. निवेश के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ कम: निवेश के पुनर्मूल्यांकन पर हानि		
VI. क) लीज वित्त आय बी) पट्टा प्रबंधन शुल्क ग) अतिदेय शुल्क डी) लीज रेंट प्राप्य पर ब्याज		
VII. विविध आय		
जोड़		

अनुसूची 15 - व्यय किया गया ब्याज		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. निक्षेपों पर ब्याज		
II. भारतीय रिज़र्व बैंक/अंतर-बैंक उधार पर ब्याज		

III. अन्य		
जोड़		

अनुसूची 16 - परिचालन व्यय		
विवरण	31-3----- की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31-3----- की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. कर्मचारियों को भुगतान और प्रावधान		
II. किराया, कर और प्रकाश व्यवस्था		
III. छपाई और लेखन सामग्री		
IV. विज्ञापन और प्रचार		
V. (ए) पट्टे पर दी गई आस्ति के अलावा बैंक की आस्ति पर मूल्यहास		
(बी) पट्टे पर दी गई आस्ति पर मूल्यहास		
VI. निदेशकों की फीस, भत्ते और व्यय		
VII. लेखापरीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखापरीक्षकों की फीस और व्यय सहित)		
VII. कानून शुल्क		
IX. डाक, तार, टेलीफोन, आदि।		
X. मरम्मत और रखरखाव		
XI. बीमा		
XII. सन्निधावना का परिशोधन, यदि कोई हो		
XIII. अन्य व्यय		
जोड़		

टिप्पणियाँ:

1. ऊपर निर्धारित प्रारूप मुख्य रूप से बैंकिंग अनुषंगी कंपनियों के लिए है। गैर-बैंकिंग अनुषंगी कंपनियों के मामले में यदि आय/व्यय या आस्तियों/देयताओं की कोई भी मद बैंक के समान नहीं है, तो इन मदों को अलग से प्रकट किया जाएगा।

2. समेकित बैलेंस शीट और समेकित लाभ और हानि खाते में अतिरिक्त लाइन आइटम, शीर्ष और उप-शीर्ष प्रस्तुत किए जाएंगे और जब किसी विधिक, लेखा मानकों की आवश्यकता होती है या जब समूह की वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणामों के बारे में सही और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करने के लिए ऐसी प्रस्तुति आवश्यक होती है। आईसीएआई द्वारा जारी सीएफएस लेखा मानकों को तैयार

करने और प्रस्तुत करने में, बैंकों पर लागू सीमा तक, और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

